मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

# जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

माघ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-51, 16 फरवरी - 22 फरवरी, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

## भांति-भांति का रोना!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

**रोना** भी एक कला है। हालांकि बिना रोये भी बहुत कुछ मिलता है। मगर, कहते है कि बिना रोये तो मां भी अपने बच्चे को दूध नहीं पिलाती। ये कहावत उस अबोध बालक के लिए गढ़ी गई थी जो न तो बोल पाता है और न ही कुछ कर पाता है सिवाय रोने के। खैर, बच्चों की छोड़ो। बड़ों की बात करें तो वे भी कई तरह का रोना रोते हैं, मगर जरूरी नहीं कि रोने से हर चीज मिल ही जाए। लेकिन, जिसको रोना है वो तो रोएगा ही। किसी की मौत हो जाए तो उसके परिजन दहाड़े मार-मार कर रोते हैं। मगर मिलने की बात तो दूर, मरने वाला अपनी बंद आंखों को खोलता भी नहीं है। कहने का मतलब मनुष्य को जन्म से लेकर मरने तक कई तरह का रोना उसे रोना ही पड़ता है। कईयों को रोने से कुछ मिल जाता है और कई लोग जीवनभर रोना ही रोते रहते हैं। निजि और सरकारी कर्मचारियों को निजी कारणों के कारण जब उनकी नौकरी पर खतरा आता है तो वे भी खूब रोते हैं। मगर, उलझन तो सुलझती ही नहीं है। कई बार घर में पत्नी भी आंसुओं के बल पर पति को अपनी 'सही हो या गलत' बात मनवाने के लिए मजबूर कर ही देती है। आंसू बहुत ही भारी हथियार है जिसके दागने पर पत्थर भी पिघल जाता है। आदमी की तो बात ही क्या है। इन आंसुओं के हथियार का प्रयोग भगवान के जीवन में भी हुआ था। एक तरफ इन्हीं आंसुओं के बल पर कैकेई ने राजा दशरथ से भगवान श्रीराम को वनवास दिलवा दिया। रोए तो राजा दशरथ भी थे मगर, कैकेई पर राजा दशरथ के आंसुओं का कोई असर नहीं हुआ। आखिरकार! राजा दशरथ ने अपने प्राण ही त्याग दिए। फिल्मों में कलाकार बनावटी आंसुओं से दर्शकों के वास्तवित आंसू निकलवा लेते हैं। आंसुओं की सूची तो काफी लंबी है। फिलहाल हम रोते-बिलखते नेताओं के आंसुओं की बात कर रहे हैं। पिछले दिनों टीवी पर कई बार हमने प्रधानमंत्री को रोते देखा है। किसान नेता राकेश टिकैत के आंसुओं ने भी मरे हुए किसान आंदोलन को जिंदा कर लिया था। आखिरकार इन्हीं आंसुओं के बल पर जिंदा हुए किसान आंदोलन के कारण सरकार को कृषि कानून वापस लेने पड़े। चुनावों में कई नेताओं को टिकट नहीं मिला तो वे भी टीवी पर दहाड़े मार-मारकर रोते हुए दिखाई दे रहे हैं। वाह रे आंसू।

shivdayalmishra@gmail.com

**कोरोना** सभी पाबंदियां समाप्त, शादी-समारोह में मेहमानों की लिमिट खत्म

# 2 साल बाद आज से प्रदेश अनलॉक

**पैरेंट्स की मर्जी** के खिलाफ नहीं बुलाया जाएगा स्कूल

**ऑनलाइन क्लास** का भी रखना होगा ऑप्शन

**खुलेंगे स्कूल,** पांचवीं तक भी ऑफलाइन होगी पढ़ाई

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** तीसरी लहर कम होने के बाद राजस्थान सरकार ने कोरोना को लेकर लगाई सभी पाबंदियों को हटा लिया है। पहली से पांचवीं तक के बच्चों के स्कूल खोलने की मंजूरी दे दी है। बुधवार से बच्चों की ऑफलाइन क्लास शुरू हो जाएंगी। स्कूल में ऑफलाइन क्लास के लिए पेरेंट्स की सहमति जरूरी है। पेरेंट्स की मर्जी के खिलाफ बच्चों को स्कूल नहीं बुलाया जा सकेगा। ऑनलाइन क्लास का ऑप्शन भी रखना होगा। नई गाइडलाइन बुधवार 16 फरवरी से लागू होगी। 2 साल बाद राजस्थान पूरी तरह अनलॉक होने जा रहा है।

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए पहले से जारी गाइडलाइन की सभी पाबंदियों को हटा लिया है। अब नई गाइडलाइन के हिसाब से वैक्सीनेशन पर जोर दिया गया है। बाहर से आने वालों के लिए वैक्सीनेशन की दोनों डोज का सर्टिफिकेट या 72 घंटे की RT-PCR टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट दिखानी अनिवार्य किया है। घरेलू हवाई यात्रा या ट्रेन से यात्रा कर राजस्थान आने वाले सभी यात्रियों के लिए ये अनिवार्य होगा। यदि कोई यात्री डबल डोज वैक्सीनेशन सर्टीफिकेट या RT-PCR नेगेटिव जांच रिपोर्ट नहीं दिखा पाता है, तो जांच करवाना अनिवार्य होगा। RT-PCR जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक संबंधित यात्री को 7 दिन क्वारैंटाइन किया जाएगा।

**राजस्थान में अब कोई पाबंदी नहीं**

**शादियों** से लेकर हर समारोह में अब अनलिमिटेड लोग शामिल हो सकेंगे। 250 लोगों की लिमिट हटा दी गई है। क्लब, रेस्टोरेंट, होटल, जिम, सिनेमा, मल्टीप्लेक्स अब 100 फीसदी क्षमता से चल सकेंगे।

**नेगेटिव रिपोर्ट आने तक क्वारैंटाइन किया जाएगा**

**विदेशों** से राजस्थान में आने वाले सभी यात्रियों का एयरपोर्ट कोविड टीम को आवश्यक रूप से RT-PCR जांच करना अनिवार्य होगा। RT-PCR जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने तक विदेश से आने वालों को 7 दिन तक के लिए संस्थागत या होम क्वारैंटाइन किया जाएगा।

**राजस्थान 2.22 करोड़ ग्रामीण इंटरनेट यूजर्स के साथ बढ़ रहा आगे**

# डिजिटल साक्षर हो रहा प्रदेश...

**पिछले 5 सालों में राजस्थान शीर्ष-5 राज्यों में पहुंचा**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान आज तकनीकी रूप से विकसित अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। प्रदेश उन पांच राज्यों में शामिल है, जहां पिछले पांच सालों में सबसे अधिक लोग डिजिटल साक्षर किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) के तहत अब तीस लाख से अधिक राज्यवासियों को डिजिटल साक्षरता का सर्टिफिकेट दिया जा चुका है। पूरे देश के लिए यह आंकड़ा 3.48 करोड़ है। साथ ही ग्रामीण इंटरनेट यूजर्स के मामले में भी राजस्थान देश के टॉप-5 राज्यों में है। राज्य में डिजिटल साक्षरता बढ़ने से 99.99 प्रतिशत विभिन्न विभागों में शिकायतों का निस्तारण ऑनलाइन हो रहा है। साथ ही निस्तारण में लगने वाले समय में आधे से अधिक की गिरावट भी आई है।

**ग्रामीण इंटरनेट यूजर्स में हमारा 5वां स्थान**

| | | | |
|---|---|---|---|
| यूपी | 5.26 | राजस्थान | 2.22 |
| बिहार | 3.65 | | |
| महाराष्ट्र | 2.99 | | |
| आंध्रप्रदेश | 2.84 | | |

### 99.99 प्रतिशत मामलों का होता है निस्तारण

वर्ष 2018 में किसी शिकायत के निस्तारण में औसतन 56 दिन का समय लग जाता था, लेकिन डिजिटल साक्षरता बढ़ने के साथ इस अवधि में गिरावट होती रही। साल 2021 में यह आंकड़ा घटकर 25 दिन रह गया है। इसके अलावा मामलों के निस्तारण का प्रतिशत साल दर साल बढ़ रहा है।

## जागरूक खबरें

### ■ अश्विनी कुमार का कांग्रेस से इस्तीफा

**नई दिल्ली @ जागरूक जनता।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अश्विनी कुमार ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजा है। बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया, जतिन प्रसाद समेत कई नेता पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। वहीं जी 23 के जरिए पहले ही कुछ नेता पार्टी आलाकमान को अपने तेवर दिखा चुके हैं। हालांकि उस दौरान अश्विनी कुमार ने सोनिया गांधी का बचाव किया था।

### ■ दो घंटे में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद होटवार जेल से फिर से रिम्स पहुंचे

**रांची @ जागरूक जनता।** अविभाजित बिहार के अरबों रुपये के बहुचर्चित चारा घोटाले मामले में मंगलवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एस के शशि की अदालत ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद को दोषी करार देने के साथ ही उन्हें हिरासत में ले लिया और नियम के मुताबिक उन्हें जेल भेज दिया। इस बीच प्रसाद के अधिवक्ता की ओर से उनकी बढ़ती उम्र तथा बीमारियों को ध्यान में रखते हुए अस्पताल भेजने का आग्रह किया गया। जिसके बाद अदालत ने जेल सुपरीटेंडेंट को नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश दिया।

### ■ श्रोत्रिय आरपीएससी के नए अध्यक्ष

**जयपुर @ जागरूक जनता।** जयपुर रेंज के आईजी और 2013 बैच के प्रमोटी आईपीएस अधिकारी संजय कुमार श्रोत्रिय को राजस्थान लोक सेवा आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने आदेश जारी कर दिए हैं।

योगीराज श्री श्री 1008
श्री कृष्णदास कंचन जी महाराज
श्री गोवर्धन पीठाधीश्वर (द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचन धाम-गेण्डोलीकलां, बूंदी-लाखेरी रोड, बूंदी)

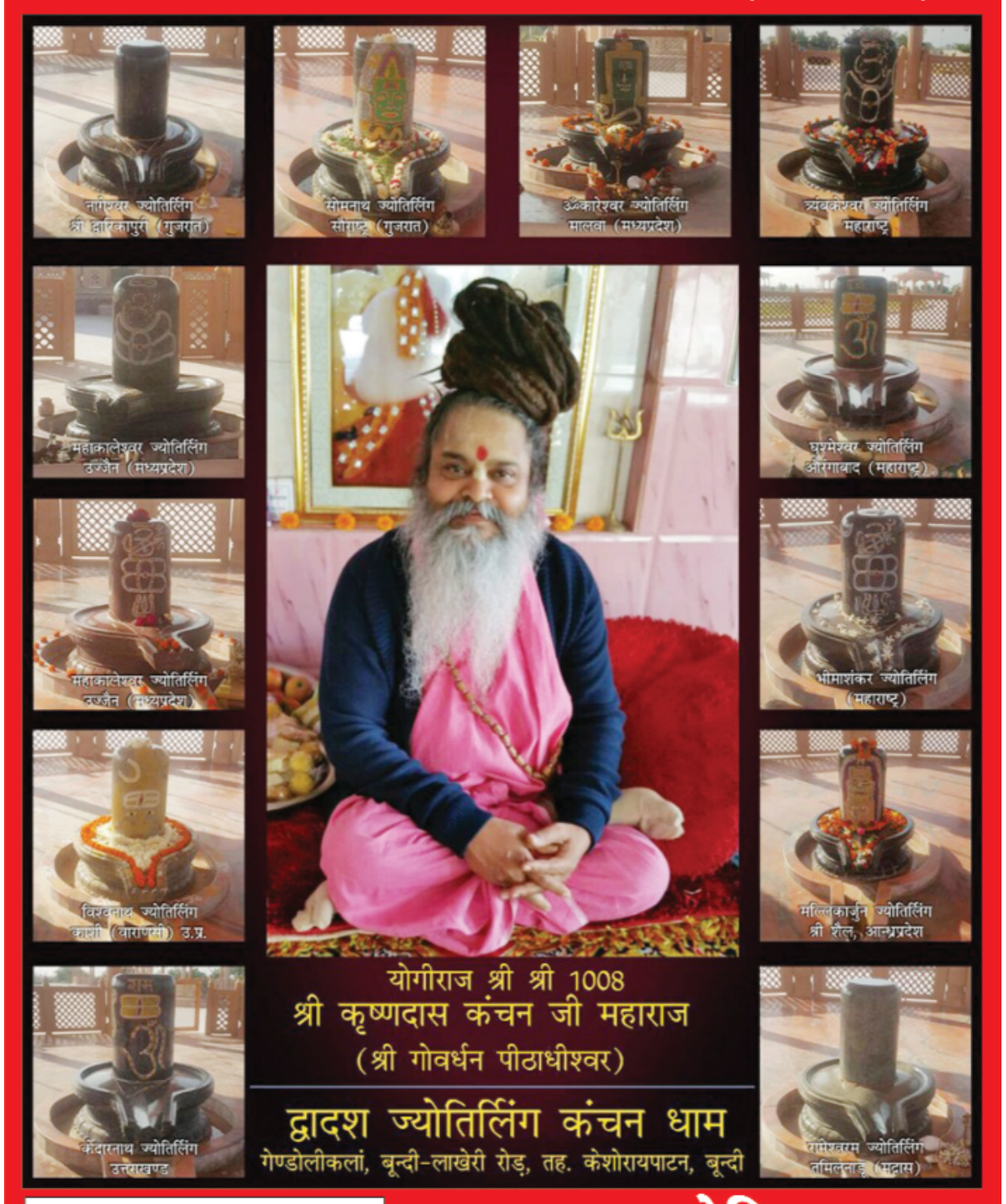


प्राकयोट्त्सव
22 फरवरी

आरना एसोसिएट्स
जयपुर
मो.- 9928022718, 9828333666

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

Natural Immunity Booster
FORTIFIED
100% VEG.
COLD PRESSED
KOSHER

Approved by : WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा !

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित ।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

| तेल आप उपयोग करें | तेल आप उपयोग ना करें |
|---|---|
| कबीरा पीली सरसों का तेल | कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल |
| कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल | कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल |
| कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल | कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल |
| कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल | कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल |
| कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल | कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल |
| | कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल |

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं कंनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

| | |
|---|---|
| समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी | केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल |
| सर्दियों में उपयोगी | कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल |
| हर मौसम में उपयोगी | कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल |
| दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए | कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल |

-: Awards & Achievements :-

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED
# For Arward Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

jagrukjanta.net

# जागरूक सिटी

जागरुक जनता • जयपुर, बुधवार, 16 फरवरी - 22 फरवरी, 2022 • पेज 02

तापमान

| | अधि. | न्यू. |
|---|---|---|
| जयपुर | 26°C | 12°C |
| जोधपुर | 29°C | 14°C |
| अजमेर | 26°C | 13°C |
| उदयपुर | 25°C | 13°C |

सूर्योदय प्रात: 07:07 बजे सूर्यास्त सांय : 06:07 बजे चन्द्रोदय 05:52 बजे चन्द्रास्त 07:02 बजे

## जागरूक खबरें

### वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित

**जयपुर @ जागरूक जनता।** राजकीय कन्या महाविद्यालय किशनपोल में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आईसीआईसी फाउण्डेशन व एसडीएमएच के संयुक्त तत्वावधान में 15 से अधिक आयु की छात्राओं के लिए वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईसीआईसीआई एमएस चौपड़ा, नजरीन सुलताना एवं एसडीएमएच डॉ. मनोज एवं कमलेश, दुर्गेश, प्रियंका, निकिता, शुभम एवं मुरारी की टीम उपस्थित थी। जिन्होंने सभी का वैक्सीनेशन किया। कैम्प में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संतोष बागड़ एवं एनएसएस प्रभारी डॉ. सुशीला सारस्वत भी उपस्थित रही। जिन्होंने छात्राओं को वैक्सीनेशन का महत्व बताया तथा वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया। एनएसएस की स्वयं सेविकाओं ने भी सभी वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया। डॉ. सुशीला सारस्वत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

### ऊर्जा-22" के साथ नए सत्र की शुरूआत

**जयपुर @ जागरूक जनता।** विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज में "ऊर्जा-22" कार्यक्रम के साथ नये सेशन की शुरूआत हुई। संस्थान के निदेशक डॉ. संजय बियानी और कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. एकता पारीक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्र म का शुभारम्भ किया। नये आने वाले विद्यार्थियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया और उन्हे अपने कोर्स से सम्बन्धित जानकारी दी गई। डॉ. बियानी ने कहा कि टीचर बनने पर अपने आप को भाग्यशाली मानना चाहिये कि हम एक ऐसे पेशे से जुडे है जो लोगो के विचारों को बदलकर दुनिया बदलने की ताकत रखते है। इसी के साथ डॉ. बियानी ने विश्वास की शक्ति के बारे में छात्राओं को बताया। इस अवसर पर डॉ. श्वेता त्रिपाठी के द्वारा योगा सैशन का आयोजन किया गया। इसी के साथ डॉ. मनीष सैनी ने एजुकेशन के क्षेत्र में इंटर्नशिप और परीक्षाओं की जानकारी दी। मालती सक्सेना ने छात्राओं को टीचिंग में समुदाय की भागीदारी के बारे में बताया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ. देविका अग्रवाल ने रोजगार से सम्बन्धित कौशल और डॉ. स्मृति तिवारी ने पर्सनल ग्रूमिंग के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. एकता पारीक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि जीवन में जहां से भी अच्छी बातें सीखने को मिलें हमें सीख लेनी चाहिए। क्योंकि जीवन को हर पल एक चुनौती है और हर चुनौती हमारे लिये एक अनुभव बन हमारे आत्मविश्वास को बढाती है।

### जयपुर में होगा बेबी और फैशन शो'जयपुर वंडर किड्स' शो का होगा आयोजन

**जयपुर @ जागरूक जनता।** एजुकेशन लाइन में आज मार्डन कंसेप्ट आ चुका है। अब स्कूल पढ़ाई के साथ-साथ ओवरऑल डेवलपमेंट पर भी ध्यान देते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सीडलिंग ग्रुप ऑफ स्कूल और बिग बॉस स्टूडियो के साथ 20 फरवरी को 'जयपुर वंडर किड्स' बेबी शो और फैशन शो करने जा रहे है। बेबी शो में 1 से 4 साल की उम्र के बच्चे और फैशन शो में 4 से 10 साल तक के जयपुर किड्स इनवाइटेड हैं। इसके लिए आप 73399 91208, 93582 42296 नंबर पर कॉल करके डीटेल्स ले सकते हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंटस के अनुसार आज कल के बच्चों को ज्यादा से ज्यादा एक्टिव रखने से एजुकेशन में उनका इंटरस्ट बढ़ता है। इसी लिए बच्चों के लिए काफी सारी एक्टिविटी ऑर्गेनाइज करते हैं।

### नारी संगम संस्था ने मनाया वैलेंटाइन डे

**जयपुर @ जागरूक जनता।** नारी संगम संस्था रजि. की फाउंडर पुनीता शर्मा ने सेक्टर 8 ब्लॉक 81 मधुबनी पार्क प्रतापनगर सांगानेर मे वैलेंटाइन डे बड़ी धूमधाम से मनाया। सभी महिलाओं ने रेड ड्रेस कोड पहना। सभी ने लाल लालटेन, लाल गुब्बारे, लाल गुलाब के फूलो से वैलेंटाइन डे मनाया। सभी ने एक दूसरे को लाल केक खिला कर मुँह मीठा किया। इनके पदाधिकारी द्रोपदी, सरोज, मधु, तारा, लता, मयूरी, हेमलता, भारती, अनिता, रमा, धुविका, पूजा, खुशी, नेहा, टीना, स्वाती भी शामिल हुए।

### नि:शुल्क टीकाकरण शिविर आयोजित

**जयपुर @ जागरूक जनता।** कोविड-19 से सुरक्षा हेतु घर के नज़दीक ही सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भारत सरकार के निशुल्क टीकाकरण अभियान के अंतर्गत भारत विकास परिषद शाखा मालवीय नगर, जयपुर द्वारा खंडेलवाल वैश्य समाज मालवीय नगर भवन में निशुल्क टीकाकरण का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए दोनों तरह की वैक्सीन उपलब्ध कराई गईं। शाखा सचिव गिरिराज किशोर गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष ताराचंद सहारण सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य एवं मातृ शक्ति भी उपस्थित रहे।

रीट जाँच : बीजेपी कार्यकर्ताओं पर पानी के गोले बरसाए

# सड़क पर घमासान

**प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स उखाड़े, पुलिस से भिड़े**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** रीट पेपर लीक मामले की CBI जांच की मांग को लेकर आज विधानसभा का घेराव करने पहुंचे बीजेपी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स उखाड़ दिए और पुलिस से भिड़ गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वॉटर कैनन से पानी की बौछार की। प्रदर्शन में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ मौजूद रहे।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा और राजेंद्र राठौड़ कार्यकर्ताओं के साथ बैरिकेड्स की ओर बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोककर पीछे धकेल दिया। इस दौरान राठौड़ और किरोड़ी की पुलिस के साथ नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने बल प्रयोग की चेतावनी देते हुए कहा कि आंदोनलकारी मान जाएं, नहीं तो बल प्रयोग किया जाएगा। थोड़ी देर बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया सहित अन्य नेताओं ने सांकेतिक गिरफ्तारियां दीं। बताया जा रहा है कि पूनिया के गिरने से चोट भी लगी है। वहीं मदन दिलावर भी चोटिल हुए। विरोध प्रदर्शन के लिए सुबह नौ बजे से ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर पहुंचना शुरू कर दिया था। यहां से कार्यकर्ता विधानसभा घेराव के लिए रवाना हुए। पुलिस ने बाईस गोदाम पुलिया के पास इन्हें रोक लिया। यहां धक्कामुक्की हुई और प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उन्हे खदेड़ दिया और आगे नहीं बढ़ने दिया। इसके बाद बीजेपी कार्यकर्ता वहीं सड़क पर बैठ गए। इसके बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया सहित अन्य नेताओं ने सांकेतिक गिरफ्तारियां दीं।

रामगंज मंडी विधायक मदन दिलावर को प्रदर्शन के दौरान बेरिकेट्स के ऊपर से धक्का दिया दिया गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए।

#### सीबीआई जांच इसलिए जरूरी क्योंकि एसओजी की एक लिमिट

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का कहना है कि रीट रद्द होने के बाद केन्द्रीय एजेंसी सीबीआई से जांच की एक सूत्री मांग है। एसओजी की एक लिमिट है। प्रभावशाली लोगों पर वह कार्रवाई नहीं कर पा रही है। प्रदेश कांग्रेस सरकार मान नहीं रही है। रीट केस में 2 अक्टूबर,2021 को पूर्व शिक्षा मंत्री का बयान आया कि विपक्ष और बीजेपी के लोग बेवजह इस मामले को तूल दे रहे हैं, भर्ती पूरी पारदर्शी तरीके से हुई है, कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। बल्कि इस परीक्षा का नाम गिनीज बुक में दर्ज कराया जा सकता है। प्रदेश में ऐसी संगठित नकल कभी नहीं हुई। बेरोजगारों के हक पर सीधे-सीधे डाका पड़ा है।

#### सरकार बताए 3 साल में 1 लाख नौकरियां कैसे दीं ?

पूनिया ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषणों और जनघोषणा पत्र में कहा कांग्रेस सत्ता में आएगी तो हम राजस्थान के लाखों बेरोजगारों को रोजगार देंगे। 70 लाख बेरोजगार अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल हुए। नौकरियां महज 48 हजार लोगों को मिली हैं। कुल 1 लाख 78 हजार भर्तियां निकालने की घोषणा पिछले 3 बजट में हुई। इनमें से 3 साल में राज्य सरकार ने कुल 67 हजार 429 पदों पर भर्ती निकाली। जिसमें रीट लेवल-2 का पेपर रद्द होने के बाद 50 हजार भर्तियां बची हैं।

कोरोना पाबंदियां समाप्त, धार्मिक यात्राएं शुरू

# रेलवे शिवरात्रि के मौके पर श्रद्धालुओं को करवाएगा 7 ज्योर्तिलिंग के दर्शन

**4 मार्च को जयपुर से चलेगी स्पेशन ट्रेन**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** कोरोना की तीसरी लहर के बीच लगी पाबंदियां खुल गई। इससे अब लोगों की आवाजाही भी बढ़ने लगेगी। कोरोनाकाल में घरों में कैद लोग अब सैर-सपाटे पर निकलने की तैयारी कर रहे है। इस कड़ी में आध्यात्म को बढ़ावा देने के रेलवे ने शिवरात्रि के मौके पर जयपुर से 7 ज्योर्तिलिंग के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। पहली ट्रेन 4 मार्च को जयपुर से चलेगी, जो गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में मौजूद प्रमुख मंदिरों व धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाएगी।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के संयुक्त महाप्रबंधक योगेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि 4 मार्च से एक स्पेशल ट्रेन जयपुर से चलेगी, जो श्रद्धालुओं को महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, सोमनाथ, नागेश्वर, भीमाशंकर, घृष्णेश्वर, त्रंयबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, द्वारकाधीश मंदिर, साबरमती आश्रम व परली वैजनाथ की यात्रा करवाएगी। उन्होंने बताया कि रामायण यात्रा, पुरी गंगासागर यात्रा के बाद यह ट्रेन फाल्गुन मास में कई मायनों में खास रहेगी। एक मार्च को महाशिवरात्री पर भोलेनाथ के विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन की कई लोगों की मनोकामना रहती है। कोरोना के कारण लोग लम्बे समय से ज्यादा घूमने-फिरने नहीं जा पाए। अब चूंकि अधिकांश लोग वैक्सीनेट हो चुके है और कोरोना के संक्रमण का प्रभाव भी कम हो चुका है, ऐसे में लोगों के लिए धार्मिक स्थलों पर जाकर दर्शन करना वाकैये सुकून भरा होगा।

#### वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट दिखाने वालों को ही यात्रा की अनुमति

**इस** ट्रेन में ऑनलाइन प्री-बुकिंग की जाएगी। यात्रा में उन्हीं लोगों को अनुमति दी जाएगी, जिनके कोरोना की वैक्सीन लग चुकी होगी। इस ट्रेन में बुकिंग करवाने वालों को आने-जाने के अलावा धर्मशाला में ठहरने और लोकल ट्रांसपोर्ट का खर्च शामिल होगा। इस सभी जगहों पर दर्शन के लिए आईआरसीटीसी 13 दिन की यात्रा करवाएगा। इस यात्रा के लिए एक यात्री को लगभग 12500 रुपए खर्च करने होंगे।

पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान मुरलीपुरा स्कीम

# लोकचंद हरीरामानी निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान मुरलीपुरा स्कीम स्थित मंदिर प्रांगण में अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव में लोकचंद हरीरामानी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

संस्था में अध्यक्ष का कार्यकाल 2 वर्ष का होता है। हरिरामानी ने अध्यक्ष पद पर छठी बार वो भी निर्विरोध चुने जाने पर उन सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने उनको इस योग्य समझा और उनको सेवा का मौका प्रदान किया। इस अवसर पर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेवा कार्य करने वाले छबलदास नवलानी ने कहा कि हम सभी हरिरामनी के साथ पूरे जोश के साथ समाज सेवा में जुट जाएंगे। हरिरामनी पिछले 15 वर्षों से समाज की सेवा कर रहे है और इनके नेतृत्व में मुरलीपुरा स्कीम स्थित सिंधी मंदिर में बहुत से विकास कार्य हुए हैं। लोकचंद हरिरामानी ने कहा कि यहाँ समाज के 200 घर हैं जिनका पूरा समर्थन हमें मिलता है। इन 200 घरों के लगभग दो हज़ार मतदाता हैं जो सरकार के निर्वाचन में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर डॉ कैलाश शिवलानी अध्यक्ष भारतीय सिंधु सभा एवं जय किशन सोनी रिप्रेजेंटेटिव सेंटर पंचायत जयपुर चुनाव अधिकारी के रूप में उपस्थित थे।

अध्यक्ष पद के लिए हरीरामानी का प्रस्ताव कन्हैयालाल ने प्रस्तुत किया। उसके बाद चुनाव में छबल दास नवलानी उपाध्यक्ष सेंटर पंचायत जयपुर ने प्रस्ताव का समर्थन किया। इस अवसर पर मुरलीपुरा पूज्य सिंधी पंचायत संस्थान के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। लोक चंद्र हरीरामानी का यह छठा कार्यकाल है। गौरतलब है कि हरीरामानी ने कोविड़ काल के दौरान भी जरूरतमंदों को सूखा राशन व अन्य चिकित्सकीय सहायता भी उपलब्ध करवाई थी।

सहूलियतः डोर टू डोर लगेगा कैम्प

# जयपुर में चलेगा 'ऑपरेशन-संबल', नहीं काटने पड़ेंगे कलेक्ट्री के चक्कर

**बुजुर्गों, विधवा महिलाओं और उनके बच्चों को जोड़ा जाएगा पेंशन और पालनहार योजना से**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जयपुर में विधवा महिलाएं और उनके बच्चों को पेंशन और पालनहार योजना से जुड़ने के लिए कलेक्ट्री के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। जिले में सामाजिक पेंशन के पात्र बुजुर्गों, तलाकशुदा व विधवा महिलाओं, दिव्यांगों को सामाजिक पेंशन से जोड़ने और विधवा महिलाओं के बच्चों को पालनहार योजना से जोड़ने के लिए जयपुर कलेक्टर ने विशेष ऑपरेशन संबल अभियान चलाने का फैसला किया है। इस अभियान के तहत ऐसे लोगों को सामाजिक पेंशन से जोड़ने के लिए डोर टू डोर कैंपेन चलाया जाएगा।

दरअसल, कई ऐसे पात्र लोग हैं, जो सालों से डॉक्यूमेंट में कमी या उसकी प्रक्रिया पूरी नहीं करवा पाने के कारण सरकार की ओर से दी जाने वाली आर्थिक सहायता (सामाजिक सुरक्षा पेंशन) से जुड़ नहीं पा रहे। वहीं कई ऐसे मामले हैं, जिनमें सालों पहले आवेदन तो हो गया, लेकिन वह अब भी अधिकारियों-कर्मचारियों की लापरवाही से अटका पड़ा है। जयपुर कलेक्टर राजन विशाल ने ऐसे मामलों की पेंडेंसी को जल्द दूर करवाने के साथ ही एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए है।

#### डोर टू डोर करवाया जाएगा सर्वे

**कलक्टर** विशाल ने बताया कि अभियान में अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम गांव-गांव व ढाणी-ढाणी जाकर डोर टू डोर सर्वे करेगी। वहां विशेष कैंप लगाएगी। जहां ऐसे लोगों से आवेदन लिए जाएंगे जो सामाजिक पेंशन के लिए पात्र है। एप्लीकेशन का एक-दो दिन के अंदर ही डिस्पोजल करके इस योजना के पात्र लोगों को स्कीम से जोड़ा जाएगा। जिन लोगों के आवेदन पहले से पेंडिंग पड़े है उनका की डिटेल जुटाकर उसकी जांच करवाकर उसे निस्तारित करवाया जाएगा।

ANCHOR हाईटेक सफाई

# हाइटेक मशीन से जयपुर में लगेगी झाड़ू

**इटली से 2.10 करोड़ की दो मशीनें, एक घंटे में 10 किलोमीटर रोड करेगी साफ**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** शहर में अब तक आपने मैनपॉवर (सफाई कर्मचारी) के जरिए सड़कों पर झाड़ू लगते देखा होगा। इसके अलावा मिट्टी उठाने और छोटा-मोटा कचरा उठाने के लिए शहर में जगह-जगह रोड स्वीपिंग मशीन को चलते होंगे। लेकिन अब आपको जल्द शहर में ऐसी हाइटेक मशीन रोड पर सफाई करते नजर आएगी, जो कचरा उठाने के साथ ही झाड़ू भी लगती दिखेगी। नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल और मेयर मुनेश गुर्जर ने आज इस मशीन को हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया। जयपुर नगर निगम हैरिटेज ने ऐसी 2 हाईटेक मशीने इटली से मंगवाई है। ये मशीने 2.10 करोड़ रुपए की लागत से जयपुर लाई गई है। खासबात ये है कि एक मशीन एक घंटे में 10 किलोमीटर लम्बाई में रोड की झाड़ू लगाने के साथ ही जमा हुए कचरे को भी उठा लेगी। जयपुर में अभी जो रोड स्वीपिंग मशीनें चलती है उनमें गाड़ी के बीच या पीछे ब्रश लगे है जो मिट्टी या छोटे-मोटे कचरे को हटाते है। इन मशीनों से केवल जयपुर शहर में मीडियन या फुटपाथ के किनारों पर जमा मिट्टी हटाने का काम होता है। इन नई मशीनों में सफाई करने के लिए गाड़ी के फ्रंट में बड़े साइज का ब्रश लगा है, जो दांए या बांए जरूरत के अनुरूप मूव किया जा सकता है।

#### रात में सफाई के लिए करेंगे मशीन का उपयोग

**इस** मशीन का उपयोग नाइट स्वीपिंग में लगाया जाएगा, ताकि दिन में सफाई के दौरान ट्रेफिक जाम की समस्या न रहे। जयपुर नगर निगम हैरिटेज के कमीश्नर अवधेश मीना ने बताया कि मशीन स्मार्ट सिटी के सहयोग से ठोस कचरा प्रबंधन के तहत यह मशीनें खरीदी गई है, जो पूरी तरह से ऑटोमैटिक है। उन्होंने बताया कि हम जल्द ही एक छोटी मशीन भी खरीदेंगे जो परकोटे की छोटी गलियों को साफ करने में उपयोगी साबित होगी।

### राज्यपाल के अभिभाषण पर चार दिन तक चली बहस के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर जमकर हमला, बोले...

# इतने साहबों में सरदार कौन? ये पता नहीं

**केंद्रीय मंत्री शेखावत पर हमला- उन्हें राजस्थान से मतलब ही नहीं**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राज्यपाल के अभिभाषण पर चार दिन तक चली बहस के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि बहस तो हुई नहीं, हमारे विपक्ष के सदस्य बोले नहीं, बहस तो हुई नहीं, किस बहस का जवाब दूं। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इतने साहब इकट्ठे हो गए कि पता नहीं, साहबों का सरदार कौन होगा?

**जहां** शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा है। हमने अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले, भाजपा में यूनिवर्सिटी बंद करवाने वाले लोग है। कोरोना में उनके मंत्री जी भाभीजी पापड़ खाने और नारियल चढ़ाने की बात करते थे।
**- अशोक गहलोत,** मुख्यमंत्री

### गहलोत बोले- कोरोना में केंद्रीय मंत्री ने पापड़ खाने और नारियल चढ़ाने की सलाह दी

गहलोत ने कहा कि कोरोना से दुनिया चिंतित थी, इनके मंत्री क्या कह रहे थे? कोरोना में हमारे केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल कहते हैं- भाभीजी पापड़ खाओ। गजेंद्र सिंह शेखावत कहते हैं कि बालाजी के नारियल चढ़ाओ। भोले लोग इनके बहकावे में आ जाते हैं। इनके बहकावे में आकर कई लोग मारे गए। ये इस तरह की सोच के लोग हैं। कभी ताली बजती है, कभी थाली बजती है।

### जहां शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा-गहलोत

गहलोत ने कहा कि हमारे सीपीएम विधायक ने ही कहा था कि जहां शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा है। यह बात सही है। जहां शिक्षा कम है, वहां भाजपा ज्यादा है। हम शिक्षा को बढ़ावा देंगे। हमने निजी सैक्टर में भी कॉलेज यूनिवर्सिटी को बढ़ावा दिया। पहले हमारे बच्चों को इंजीनियरिंग और मेडिकल शिक्षा के लिए महाराष्ट्र सहित बाहरी राज्यों में जाना पड़ता था, लेकिन अब? हालात बदल गए हैं। राजस्थान देश का पहला राज्य होगा, जहां गांव गांव में अंग्रेजी स्कूल होंगे। विधायक जितने अंग्रेजी स्कूल मांगेंगे, उतना देंगे। बीजेपी वाले तो यूनिवर्सिटी बंद करने वाले लोग हैं।

### केंद्रीय जल संसाधन मंत्री को राजस्थान से कोई मतलब नहीं

गहलोत ने कहा कि जलशक्ति मंत्री राजस्थान के हैं, लेकिन उन्हें राजस्थान से कोई मतलब नहीं है। हमने केंद्रीय योजना में केंद्र का हिस्सा बढ़ाने की मांग की लेकिन ध्यान नहीं दिया। ईस्टर्न कैनाल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग लंबे समय से चल रही है। पीएम ने चुनाव से पहले इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की घोषणा की, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। गहलोत ने कहा कि हो सकता है चुनाव आने तक केंद्र ईआरसीपी को केंद्रीय परियोजना घोषित कर दे। अगर नहीं करेंगा तो 13 जिले के लोग सबक सिखा देंगे, इन 13 जिलों में 82 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। चुनाव में की गई घोषणा से मुकरेंगे तो जनता सबकक सिखाएगी। यूपी में अभी चुनाव आए तो उन्होंने केन-बेतवा लिंक को 44 हजार करोड़ रुपए दे दिए, जबकि यह पहले की योजना थी।

### किसानों के कर्ज माफी के लिए सैटलमेंट करे केंद्र, हम हिस्सा देने को तैयार

गहलोत ने कहा कि हम कॉमर्शियल बैंकों से किसान के कर्ज माफ करने के लिए केंद्र सरकार से सैटलमेंट कराने का प्रयास कर रहे हैं। हमने केंद्र सरकार से कहा है कि हम सैटलमेंट का पैसा देने को तैयार हैं। अगर नीरव मोदी, ?एबीसी जैसे लोगों का कर्ज एनपीए हो सकता है, तो किसान का हम सैटलमेंट का पैसा हम देने को तैयार हैं। ये केवल किसान को भड़काना ही जानते हैं।

### भाजपा नेताओं को दिल्ली से फटकार पड़ी

गहलोत ने कहा- बेरोजगारी का मुद्दा गंभीर है। बिहार में ट्रेन जल रही हैं। दिल्ली के इशारे पर ये विरोध कर रहे हैं। इन्हें दिल्ली से फटकार पड़ी है कि आप तीन साल में सत्ता विरोधी लहर नहीं पैदा कर पाए तो नॉन इश्यू को इश्यू बनाइए, इसीलिए ये विरोध कर रहे हैं। आज देश में हिंसा और अशांति का माहौल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सरकार को बदनाम कराना चाहते हैं। ये चाहते हैं रीट के मुद्दे पर सरकार को बदनाम किया जाए। सीबीआई को पहले ही बहुत से मामले दिए हैं उनकी ही जांच नहीं हो पा रही। ये चाहते हैं कि सीबीआई जांच के नाम पर नौकरियां अटक जाएं। हम चाहते हैं अगले कुछ दिनों में नौकरी दें। ये नौकरियां रोकना चाहते हैं।

# सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित मामलों का शीघ्रता से करें निस्तारण-जिला कलक्टर

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जिला कलक्टर राजन विशाल ने सोमवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर आम नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं, सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित मामलों आदि सहित अन्य बिन्दूओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में विशाल ने उपस्थित सभी अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यालय के बाहर लोक सेवा गारन्टी अधिनियम के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बोर्ड लगाये साथ ही कार्यालय के बाहर कार्मिकों की वैक्सीनेशन की सूचना का नोटिस लगाया जाये जिससे इस बात की जानकारी हो सके की समस्त कर्मचारियों को वैक्सीनेशन की डबल डोज लग चुकी है।

उन्होंने कहा कि रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर जल संग्रहण की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। मानसून आने से पहले समयबद्ध तरीके से जिन राजकीय भवनों, राजकीय विद्यालयों में रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर निर्मित नहीं है वहा रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रेक्चर को विकसित किया जाए। जहा पर हार्वेस्टिंग सिस्टम खराब है उसकी मरम्मत कर क्रियाशील किया जाए तथा जहां हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं बनाये गये हैं वहा नये हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाये जाए। इसके साथ ही जहां स्टोरेज कैपेसिटी कम है वहा दूसरा पानी के स्टोरेज का माध्यम बनाया जाए।

इसके साथ ही आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुये पानी के टैंकरों की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार की फ्लैगषिप योजना 'उड़ान' एक महत्वपूर्ण योजना है। विशाल ने 'उड़ान योजना' के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों से फीडबैक लिया तथा कहा कि समय-समय पर बच्चियों की काउंसलिंग की जाए जिससे उनमें इस विषय के बारे में संकोच ना रहे तथा उनकी भान्तियां दूर हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देष देते हुये कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित मामलों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें जिससे आमजन के कार्य सुगमता से हो सके। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) शंकर लाल सैनी, पेयजल, विभाग सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

### जयपुर इंटरनेशन एयरपोर्ट पर दिखा निजीकरण का असर

# निजीकरण के बाद एयरपोर्ट की रैंक में सुधार, 94 से 57वें पायदान पर आया

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जयपुर इंटरनेशन एयरपोर्ट की रैंकिंग में सुधार आया है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल द्वारा किए गए तिमाही सर्वेक्षण में जयपुर एयरपोर्ट की रैंक 57वीं रही है, जो पहले 94 थी। निजीकरण के ठीक बाद जयपुर एयरपोर्ट की रैंक में यह सुधार दिखा है। संस्था द्वारा हर 3 माह में विश्व भर के एयरपोर्ट का सर्वेक्षण किया जाता है। वर्ष 2021 में अक्टूबर से दिसंबर माह के बीच किए गए सर्वेक्षण में जयपुर एयरपोर्ट की रैंक 57वीं रही है। इससे पहले जुलाई से सितंबर के बीच हुए सर्वेक्षण की तुलना में जयपुर एयरपोर्ट की रैंक 37 स्थान सुधर कर ऊपर आई है। सर्वेक्षण में किसी भी एयरपोर्ट को 33 मानकों के आधार पर अंक दिए जाते हैं। इसमें एयरपोर्ट पर आवागमन की टैक्सी सुविधा, पार्किंग सुविधा, डिपार्चर एरिया में इंतजाम, स्टाफ का व्यवहार, कस्टम-इमीग्रेशन जांच की सुविधा, वेटिंग लाउंज में सुविधा, खान-पान, वॉशरूम, वाई-फाई आदि सभी सुविधाओं के अलग-अलग अंक यात्रियों के फीडबैक के आधार पर दिए जाते हैं। वर्ष 2015 और 2016 में लगातार 2 साल तक जयपुर एयरपोर्ट इन सर्वेक्षणों में एशिया पैसिफिक रीजन में नंबर 1 एयरपोर्ट रह चुका है।

### ऐसे सुधरी एयरपोर्ट की रैंक

- सर्वेक्षण में जयपुर एयरपोर्ट को 4.87 रेटिंग अंक मिले, 57वीं रैंक
- पिछले साल जुलाई से सितंबर की रैंक 94 थी, यानी 37 का सुधार
- पिछले तिमाही सर्वे में 4.47 रेटिंग अंक ही थे
- देश के 9 एयरपोर्ट सर्वे में शामिल, जयपुर का तीसरा स्थान
- जयपुर से बेहतर त्रिवेन्द्रम की 35, गोवा की 43 वीं रैंक रही।

## क्लासीफाईड विज्ञापन

183 वर्ग गज का पश्चिम मुखी प्लाट बिकाऊ (सोसायटी पट्टा)। अणतपुरा सरकारी योजना के सामने, सीकर रोड, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-3)

100 वर्ग गज का पश्चिम मुखी दो मंजिला मकान बिकाऊ (जेडीए पट्टा)। जे. पी. कॉलोनी, विद्याधर नगर, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-5)

161 वर्ग गज कॉर्नर का पश्चिम -उत्तर मुखी प्लाट बिकाऊ (सोसायटी पट्टा)। 30 फीट-40 रोड। नींदड़ योजना के पास, सीकर रोड, जयपुर। सम्पर्क करें- 9829329070 (पोस्ट बॉक्स-1)

## जागरूक खबरें

### मुख्यमंत्री ने फोन कर लाबूसिंह से कहा- पूरी टीम को मेरी ओर से बधाई, आप लोगों ने बहुत अच्छा काम किया

**जयपुर @ जागरूक जनता।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिरोही में तैनात कांस्टेबल लाबू सिंह से बात कर उन्हें बधाई दी। लाबूसिंह सिरोही में अभय कमांड सेंटर में तैनात है। उसने कल सीसीटीवी कैमरे की मदद से तालाब के पास एक बुजुर्ग को बच्ची के साथ गलत काम करते देखा। कांस्टेबल ने स्थानीय थाना पुलिस की पीसीआर को मौके पर भेज उस व्यक्ति को गिरफ्तार करवाया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक कार्यक्रम में जाते समय कार में बैठे हुए कांस्टेबल लाबू सिंह से बात कर उनकी टीम को बधाई दी। कुछ देर पहले ही मुख्यमंत्री ने सोशियल मीडिया के माध्य से यह जानकारी साझा की।

**ये था मामला :** घटना 10 फरवरी शाम 7 बजे की है। मैं अभय कमांड कंट्रोल रूम में मॉनिटर पर शहर की हलचल देख रहा था। तालाब की ओर स्कूटी पर एक बच्ची और अधेड़ दिखाई दिया। पहले लगा कि दादा-पोती होंगे, लेकिन शाम 7 बजे अंधेरे और सुनसान जगह होने से शक हुआ तो लगातार नजर रखी। वहां के कैमरे को रोटेशन और जूम कर दिया। करीब 7:06 बजे बच्ची के कपड़े अस्त-व्यस्त दिखे। आरोपी की संदिग्ध हरकत दिखने लगी। वह बच्ची से अश्लीलता करने लगा। इस पर मैंने तुरंत पास की गश्त कर रही टीम को मौके पर भेज दिया। 4 मिनट में ही 7:10 बजे पुलिस पहुंची तो आरोपी यौन उत्पीड़न शुरू कर चुका था। संयोग रहा कि जिस जगह आरोपी रुका वहां सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। इसलिए बेटी बच गई। गश्ती दल भी नजदीक था।

### जेएलएफ में इस बार जयपुर म्यूजिक स्टेज भी होगा, आयोजन 10 मार्च से

**जयपुर @ जागरूक जनता।** जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 15वें एडिशन के साथ- साथ जयपुर म्यूजिक स्टेज 10 से 12 मार्च 2022 को होने जा रहा है। भारतीय सब कॉन्टिनेन्ट के चुनिंदा आर्टिस्ट एक बार फिर से वही जादू जगाने जा रहे हैं। इसके लिए म्यूजिक लवर्स पिछले कुछ सालों से इंतेजार कर रहे थे। नई दिल्ली के पियानिस्ट, कंपोजर और प्रोड्यूसर, अनिरुद्ध वर्मा और उनका कंटेम्परी इंडियन क्लासिकल बैंड 8 सदस्यों के साथ प्रस्तुति देगा। लोग फेस्टिवल की वेबसाइट से अपने टिकट बुक कर सकते हैं। प्रतिदिन पास की कीमत 499 रुपए और तीनों दिन के पास के लिए आपको 1300 रुपए देने होंगे।

### गहलोत की दो टूक

# सीएम ने कहा- राजनीतिक नियुक्ति वालों को मंत्री का दर्जा नहीं देंगे

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जिन विधायकों को राजनीतिक नियुक्तियां मिली है उन्हें सरकार कोई सुविधा नहीं देगी। सीएम अशोक गहलोत ने राजनीतिक नियुक्तियां पा चुके कांग्रेस नेताओं की बैठक में कहा- विधायकों को हम कोई दर्जा नहीं दे पाएंगे, सुप्रीम कोर्ट की क्लीयर रूलिंग है। जिन्हें राजनीतिक नियुक्तियां दी गई हैं उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलना है। गहलोत ने कहा कि आप मुझे फीडबैक देोगे, क्योंकि अधिकारी सही बात नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी अधिकारियों ने मुझसे कहा कि आप जीत रहे हो और सब जानते हैं कि क्या हुआ। गहलोत ने सभी नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपको सभी की सहमति और आपकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारियां दी गई हैं।

# घर-घर पहुंचे बीट कांस्टेबल, हर घर से 1 सदस्य को वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** कमिश्नरेट के वेस्ट जिला द्वारा चलाए जा रहे अभियान 'मेरी बीट मेरा अधिकार' के तहत जिले के सभी थानों के बीट अधिकारी अपनी-अपनी बीट में पहुंचे और लोगों से संवाद किया। इसके साथ बीट कांस्टेबल ने थाने के सीयूजी नंबरों के साथ अलग-अलग बीट के हिसाब से वाट्सएप ग्रुप बनाने शुरू कर दिए हैं। ग्रुप में प्रत्येक घर से एक सदस्य को जोड़ा जा रहा है ताकि भविष्य में किसी को पुलिस तक पहुंचने या जानकारी की जरूरत पड़े तो ग्रुप के जरिए जानकारी जुटा सकता है। डीसीपी रिचा तोमर ने बताया लोगों को पुलिस से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। थाने वाइज बीट कांस्टेबल अपनी-अपनी बीट के लोगों को सोशल मीडिया ग्रुप से जोड़ रहे हैं ताकि ग्रुप में सभी प्रकार की आवश्यक सूचना भेजी जा सके।

जागरूक जनता फेसबुक पेज
jagrukjanta.net
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.face-book.com/jagrukjan-tanews

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner Marketing Partner Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR **फार्मूला**

# कांग्रेस में बोर्ड-निगमों, आयोगों में भी लागू होगा 'एक व्यक्ति एक पद' का सिद्धांत का फॉर्मूला!

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** हाल ही में गहलोत सरकार की ओर से जिन 58 नेताओं को राजनीतिक नियुक्तियों से नवाजा गया है उनमें से 9 नेता ऐसे हैं जो दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के गलियारों में चर्चा इस बात की है कि क्या बोर्ड- निगमों और आयोगों में एडजस्ट किए गए नेताओं पर भी एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत लागू होगा। एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत के चलते यह नेता एक पद से इस्तीफा देंगे या नहीं।

### पूर्व में तीन मंत्रियों को देना पड़ा था इस्तीफा

दरअसल इससे पहले 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत के चलते प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा और पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी को एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत के चलते अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। पूर्व में जहां प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पीसीसी अध्यक्ष के साथ साथ सरकार में राज्य मंत्री थे तो वहीं रघु शर्मा और हरीश चौधरी कैबिनेट मिनिस्टर थे। ऐसे में अब यही फॉर्मूला

बोर्ड-निगमों और आयोगों में एडजस्ट किए गए नेताओं पर भी लागू करने की बात कही जा रही है। चूंकि बोर्ड-निगमों और आयोगों में एडजस्ट किए गए नेताओं को राज्यमंत्री और कैबिनेट का मंत्री का दर्जा मिलेगा।

### इनके स्थान पर अपने लोगों को मिलेगा मौका

वहीं माना जा रहा है कि 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत के चलते इन नेताओं को अपने एक पद से इस्तीफा देना पड़ेगा और उनके स्थान पर नए मौका नए लोगों लोगों को प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में एडजस्ट किया जाएगा।

### इन नेताओं के पास है अब दोहरी जिम्मेदारी

- एआईसीसी सचिव जुबेर खान जहां मेवात क्षेत्रीय विकास बोर्ड के अध्यक्ष बनाए गए हैं।
- एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर को भी राजस्थान बीज कारपोरेशन लिमिटेड का चेयरमैन बनाया गया है।
- प्रदेश कांग्रेस के सचिव सचिन सरवटे को एससी आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है।
- प्रदेश कांग्रेस के महासचिव हाकम अली को राजस्थान वक्फ विकास परिषद का चेयरमैन
- प्रदेश कांग्रेस के महासचिव लाखन मीणा को डांग क्षेत्रीय विकास मंडल का अध्यक्ष
- अखिल भारतीय प्रोफेशनल कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजीव अरोड़ा को राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम का चेयरमैन
- कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता संदीप चौधरी भी बंजर भूमि चारागाह विकास बोर्ड के चेयरमैन बनाए गए हैं।
- युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम लांबा को भी युवा बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है।
- महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रेहाना रियाज को महिला आयोग का चेयरमैन बनाया गया है। हालांकि रेहाना ने महिला आयोग का पदभार ग्रहण करने से पहले महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीखने की बात

**अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...**

- अज्ञात

# पुलिस में महिलाएं

यह जरूरत लंबे समय से महसूस होती रही है, लेकिन इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। यही वजह है कि पुलिस बलों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने का मामला लगातार टलता रहा। यह बहुत पहले से कहा जाता रहा है कि पुलिस में कम से कम एक तिहाई महिलाएं होनी चाहिए। उनकी संख्या बढ़ाने की कोशिशें भी की गईं, लेकिन बात एक हद से आगे नहीं पहुंची। कई जगह महिला थाने भी बनाए गए, जिनमें सारी जिम्मेदारियां महिलाओं के ही हाथ हैं। इन थानों ने अपना प्रभाव भी छोड़ा, लेकिन ऐसे थानों की सीमित संख्या के कारण बात एक हद से आगे नहीं बढ़ी। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में भी जिक्र किया था कि पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। अब पुलिस के आधुनिकीकरण और सुधार के लिए बनी संसद की स्थायी समिति ने पुलिस बल में महिलाओं की संख्या 33 फीसदी करने के लिए रोडमैप बनाने की सिफारिश की है। सुझाव यह है कि सिर्फ पुरुषों के खाली पदों को महिलाओं से भरने का काम हीं नहीं किया जाए, बल्कि महिलाओं के लिए अलग से नए पद भी सृजित किए जाएं।

अभी पुलिस बलों में महिलाओं की तादाद 10 फीसदी से कुछ ही अधिक है। समाजशास्त्री मानते हैं, पुलिस में महिलाओं की संख्या बढ़ाकर इसके चेहरे को ज्यादा मानवीय बनाया जा सकता है और इसकी बहुत सी वर्तमान विकृतियों को भी कम किया जा सकता है। अगर हम राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों को देखें, तो देश में 11 फीसदी अपराध महिलाओं के खिलाफ होते हैं और जिन लोगों को गिरफ्तार किया जाता है, उनमें पांच फीसदी महिलाएं होती हैं। सिर्फ इसी गणित को जोड़ लें, तो पुलिस में महिलाओं की संख्या 16 फीसदी होनी ही चाहिए। तमाम कानूनी प्रावधान कहते हैं कि महिलाओं की गिरफ्तारी या उनसे जुड़े मामले महिला पुलिसकर्मियों को ही सौंपे जाने चाहिए। महिलाओं के अलावा बच्चों से जुड़े मामले भी महिला पुलिसकर्मियों को सौंपने को ज्यादा बेहतर माना जाता है। समाजशास्त्री कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी महिलाओं की भूमिका बढ़ाने की बात करते हैं। कहा जाता है कि अगर मामलों की जांच में महिला पुलिस कर्मियों की भूमिका बढ़ाई जाती है, तो इससे इस काम की कुशलता बढ़ सकती है।

महिलाओं को सुरक्षा बलों में शामिल करने का तर्क कोई नया नहीं है। पुलिस में उनकी भर्ती भी काफी लंबे समय से होती रही है। साल 1933 में पहली बार त्रावणकोर रॉयल पुलिस में महिला पुलिस अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। इसके छह साल बाद कानपुर में महिला पुलिसकर्मियों की भर्ती इसलिए की गई थी, क्योंकि श्रमिक असंतोष के दौरान महिला आंदोलनकारियों से निपटना पुरुष पुलिस वालों के लिए मुश्किल हो रहा था। इसके बाद बॉम्बे, मद्रास और बंगाल प्रेसीडेंसी में कुछ महिलाओं को पुलिस में भर्ती किया गया। आजादी के बाद यह काम पूरे देश में शुरू हुआ, लेकिन इसे कभी प्राथमिकता नहीं मिली। 2013 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुझाव दिया था कि हर थाने में कम से कम तीन महिला सब-इंस्पेक्टर और दस महिला कांस्टेबल होने चाहिए। अभी तक यही लक्ष्य ठीक से हासिल नहीं हुआ, स्थायी समिति की सिफारिश वाला 33 फीसदी का लक्ष्य तो बहुत दूर है।

## सम्पादकीय

# हिजाब पर हंगामा

बेवजह के विवादों का दावानल बन जाना इन दिनों नई बात नहीं है। ऐसा ही एक विवाद बुधवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के सामने था। राज्य के स्कूलों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी का मुद्दा पिछले कुछ दिनों से देश की बहुत सारी ऊर्जा सोख रहा है। आंदोलन हो रहे हैं, नफरत फैल या फैलाई जा रही है, समाज में तनाव बढ़ रहा है और इसकी आग अब देश भर में फैलती हुई दिख रही है। देश के दूसरे हिस्सों से भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। इस बीच महिलाओं के अधिकार से लेकर समाज सुधार जैसे कई तर्क इससे जोड़ दिए गए हैं। इसलिए जब यह मामला उच्च न्यायालय के सामने आया, तो अदालत ने उन जटिलताओं को भी समझा, जो इससे जोड़ दी गई हैं और इसकी संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखा। न्यायालय को यह एहसास था कि इस मामले में उसके फैसले के परिणाम बहुत दूरगामी हो सकते हैं। इसलिए मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने कहा कि इस मुद्दे की सुनवाई अदालत की बड़ी पीठ द्वारा की जानी चाहिए। राज्य के उडुपी जिले की लड़कियों ने अदालत में यह याचिका दायर की थी कि इस मामले में उन्हें अंतरिम राहत दी जाए, लेकिन न्यायाधीश ने अंतरिम राहत का फैसला भी बड़ी पीठ के ऊपर ही छोड़ दिया। पिछले कुछ दिनों में यह विवाद इतना बड़ा हो गया है कि कर्नाटक सरकार को पूरे प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं कि जब स्कूल-कॉलेज दोबारा खुलेंगे, तब तनाव फिर से न दिखाई दे। पूरे मामले को जिस तरह से सांप्रदायिक रंग दिया गया है और जिस तरह से इस बहाने एक धर्म के लोगों को दूसरे धर्म के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश की जा रही है, उसमें बात सतही फैसलों से बनने वाली भी नहीं है। अब मामला यह नहीं है कि बात कहां से शुरू हुई थी, अब समस्या इसे लेकर शुरू हुई राजनीति है, जो समाज की पुरानी जटिलताओं के बारे में फैसला सड़कों पर कर लेना चाहती है। हिजाब या परदे को लेकर हमारे देश में कई समाज सुधारकों ने बहुत से गंभीर प्रयास किए हैं, इसके लिए लंबी लड़ाइयां भी लड़ी गई हैं। इनमें बहुत सारी लड़ाइयों में सफलताएं भी मिली हैं, बहुसंख्यकों में भी और अल्पसंख्यकों में भी। सच तो यह है कि ऐसे ही प्रयासों के कारण लड़कियां और महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकली हैं और अब वे पढ़ाई ही नहीं कर रहीं, बल्कि जीवन के तकरीबन सभी क्षेत्रों में सक्रिय दिखाई देती हैं। यह भी कहा जाता है कि वे घर से निकली हैं, इसीलिए परदा भी खत्म हुआ और उसके तर्क भी। यह ठीक है कि परदा अभी भी कई रूपों में मौजूद है, अधिकतर परंपराओं के कारण है और कुछ जगहों पर कट्टरता के कारण भी। जैसे-जैसे लड़कियां घरों से निकलेंगी, ये आग्रह भी खत्म होंगे ही। वैसे भी, परदा प्रथा को खत्म करने का मामला समाज सुधार का मामला है, राजनीति का नहीं। अगर किसी को जबरदस्ती परदा थोपने की इजाजत नहीं दी जा सकती, तो किसी को जबरन परदा हटाने की इजाजत भी नहीं दी जा सकती। अच्छा होगा, हम लड़कियों को खूब पढ़ाएं और अपने परदे का फैसला उनके विवेक पर ही छोड़ दें। लेकिन अभी तो जो हो रहा है, वह उनमें से कुछ के पढ़ने के रास्ते ही बंद कर सकता है।

**'खबर लहरिया' दरअसल देश का एक मात्र ऐसा अखबार है, जिसे सिर्फ दलित महिलाएं संचालित करती हैं। साल 2002 में शुरू हुए आठ पन्नों के अखबार 'खबर लहरिया' में महिला रिपोर्टर बदलते समाज, भ्रष्टाचार, सरकार के अधूरे वादों, गरीबों और महिलाओं की कहानी सुनाती आई हैं।**

# महिलाओं के बुलंद हौसलों की अनूठी कहानी

**श्याम माथुर**
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

**हाल के दौर में इस अखबार की चर्चा उस वक्त हुई, जब इस अखबार पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' को ऑस्कर पुरस्कारों के लिए नॉमिनेट किया गया। 94वें ऑस्कर अवार्ड्स में डॉक्यूमेंट्री की श्रेणी में भारत की ओर से 'राइटिंग विद फायर' ने इस लिस्ट में अपनी जगह बना कर सभी को हैरान कर दिया।**

ऐसे लोगों की तादाद निश्चित तौर पर बहुत कम होगी, जिन्होंने 'खबर लहरिया' का नाम भी सुना होगा। ऐसे में यह कल्पना करना तो और भी बेमानी होगा कि शायद कुछ लोग 'खबर लहरिया' के कामकाज के बारे में भी जानते होंगे। 'खबर लहरिया' दरअसल बुंदेलखंड से प्रकाशित होने वाले एक अखबार का नाम है। यह देश का एक मात्र ऐसा अखबार है, जिसे सिर्फ दलित महिलाएं संचालित करती हैं। साल 2002 में शुरू हुए आठ पन्नों के अखबार 'खबर लहरिया' में महिला रिपोर्टर बदलते समाज, भ्रष्टाचार, सरकार के अधूरे वादों, गरीबों और महिलाओं की कहानी सुनाती आई हैं। आम अखबारों के बारे में तो हर कोई जानता है। रोजाना सुबह-सुबह हर किसी के घर में भी आते हैं, लेकिन हाल के दौर में इस अखबार की चर्चा उस वक्त ज्यादा होने लगी, जब इस अखबार पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' को ऑस्कर पुरस्कारों के लिए नॉमिनेट किया गया।

थॉमस और सुष्मित घोष द्वारा निर्देशित डॉक्यूमेंट्री 'राइटिंग विद फायर' दलित महिलाओं द्वारा संचालित समाचार पत्र 'खबर लहरिया' के उदय का वर्णन करती है। 'राइटिंग विद फायर' मुख्य रिपोर्टर मीरा के नेतृत्व वाले दलित महिलाओं के महत्वाकांक्षी समूह की कहानी को दर्शाता है जो प्रासंगिक बने रहने के लिए प्रिंट से डिजिटल माध्यम पर स्विच करती हैं। 'खबर लहरिया' केवल महिलाओं के द्वारा चलाया जाने वाला देश का इकलौता अखबर है। इसकी शुरुआत साल 2002 में उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में 'निरंतर' एनजीओ ने मीरा जाटव, शालिनी जोशी और कविका बुंदेलखंडी के साथ मिलकर की थी। जब इस अखबार की शुरुआत हुई, उस वक्त इसमें काम करने वाली महिला पत्रकार और रिपोर्टर्स खुद अपने हाथ से खबरों को एक पन्ने पर लिखती थीं।

इस अखबार (और अब पोर्टल) में सभी तरह की खबरें होती हैं, लेकिन पंचायत, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास की खबरों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। समाचार स्थानीय बुंदेली बोली में और बड़े अक्षरों में छापे जाते थे, ताकि नवसाक्षर महिलाएं आसानी से पढ़ सकें। राजनीतिशास्त्र से मास्टर डिग्री ले चुकीं मीरा ने कहा कि संवाददाता के रूप में गांव की गरीब महिलाओं के जुड़ने का उनके परिवार व समाज के लोग ही विरोध करते थे, लेकिन अब यह कम हो गया है।

'खबर लहरिया' को सबसे खास बनाती है उसकी महिला पत्रकारों की टीम। इस टीम में ग्रामीण पृष्ठभूमि की दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाएं शामिल हैं। इनमें कई महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने या तो 5-7वीं तक की पढ़ाई की है या फिर पढ़ी ही नहीं हैं। इन महिला पत्रकारों ने बुंदेलखंड के इस समाचार पत्र को नई बुलंदियों तक पहुंचाया है। खबरों को बताने के लिए स्थानीय बोली का इस्तेमाल करने की वजह से बुंदेलखंड इलाके में यह काफी लोकप्रिय है। खबर लहरिया स्थानीय स्तर के जनसरोकार के मुद्दों को हमेशा प्राथमिकता देता है। चाहे महिलाओं के खिलाफ ग्रामीण और सुदूर इलाकों में अपराध हों, गांवों में विकास के अनदेखी हो या फिर पर्यावरण को लेकर प्रशासन की लापरवाही, ऐसी खबरें जिन्हें आम तौर पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थान छोड़ देते हैं, उन्हें खबर लहरिया की महिला रिपोर्ट्स की टीम कवर करती है। यह अखबार चित्रकूट समेत बुंदेलखंड के कई जिलों से प्रकाशित होता था। हालांकि 2015 में यह बंद हो गया। तब से लेकर अब तक मोबाइल पोर्टल पर 'खबर लहरिया' संचालित है। चित्रकूट के कुंजनपुर्वा गांव के एक दलित मध्यमवर्गीय परिवार की कविता (30) की शादी 12 साल की उम्र में हो गई थी। वह ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाई थीं। बाद में उन्होंने एक एनजीओ की मदद से पढ़ाई शुरू की। साल 2002 में उन्होंने एनजीओ द्वारा शुरू किए गए अखबार खबर लहरिया में बतौर पत्रकार के रूप में काम शुरू किया। धीरे-धीरे अखबार का प्रसार बढ़ने लगा। कविता का कहना है कि हम पर दवाब डाला जाता था कि महिला होकर हमारे खिलाफ खबर छापती हो। बड़े अखबारों ने हमारे खिलाफ कुछ नहीं निकाला तो आपने कैसे निकाला। शायद इसीलिए अखबारों में बाईलाइन खबरें नहीं दी जाती थीं, जिससे खबर के लेखक के बारे में पता न चल सके। 'खबर लहरिया' की वेबसाइट पर लिखा है, 'यह देश का एकमात्र डिजिटल ग्रामीण मीडिया नेटवर्क है। खबर लहरिया एक शक्तिशाली स्थानीय प्रहरी और जमीनी जवाबदेही तय करने का मजबूत तंत्र बना है। इसकी पत्रकारिता उन मुद्दों पर है जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया की चर्चा और ध्यान से बहुत दूर हैं। खबर लहरिया खास तौर पर सरकार की ग्रामीण विकास और सशक्तीकरण के लिए बनाई गई योजनाओं के दावों और उनकी हकीकत के बीच के अंतर को उजागर करता है। हमारी खबर, हमारी भाषा में- ये है खबर लहरिया की खासियत।'

खबर लहरिया उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में फैले बुंदेलखंड इलाके में ग्रामीण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित रखने वाला एक मीडिया संगठन है। जिसमें सिर्फ महिलाएं काम करती हैं। इसमें पत्रकारों की एक टीम है, जिसके सदस्य ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को पत्रकारिता का प्रशिक्षण भी देते हैं। यही महिलाएं फिर अपने और अपने समाज की कहानियां बयां करती हैं। इस तरह स्थानीय भाषाओं में स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने के लिए स्थानीय महिलाओं को ही पत्रकारिता का प्रशिक्षण देकर एक संस्था चलाने के इस मॉडल को 2009 में संयुक्त राष्ट्र का यूनेस्को किंग सेजोंग पुरस्कार दिया गया था।

'राइटिंग विद फायर' डॉक्यूमेंट्री को बनने में पांच साल लगे। इसे पहली बार 2021 में अमेरिका के प्रतिष्ठित सनडांस फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। यह सुष्मित की पहली डॉक्यूमेंट्री है। रिंटू भी सुष्मित की ही तरह फिल्में बनाती हैं। रिंटू और सुष्मित ने साथ मिल कर 2009 में ब्लैक टिकट फिल्म्स नाम की कंपनी की शुरुआत की थी जिसके बैनर तले उन्होंने 'मिरेकल वॉटर विलेज', 'दिल्ली' और 'टिम्बकटू' जैसी लघु फिल्में बनाई। 'टिम्बकटू' आंध्र प्रदेश में ऑर्गेनिक खेती पर काम कर रहे लोगों की कहानी है। इसे 2012 में सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण फिल्म का राष्ट्रीय परस्कार दिया गया था।

## कविता

# उद्देश्य

**राजेश्वर सिंह**
राजस्व मंडल के अध्यक्ष
@jagrukjanta.net

क्या हैं जीवन का उद्देश्य,
मैंने खुद से पूछा,
वह सवाल जो करता रहता,
हर मनुष्य का पीछा।
****
जन्म, पढ़ाई, रोजगार,
जीवन साथी और परिवार, शयन,
जागरण, स्नान, ध्यान,
भोजन करना, होना तैयार।
**********
फिर कोल्हू के बैल की तरह,
जुतना नित्य निरंतर क्रम में,
यह सवाल भी उठता रहता,
क्या रखा हैं, इस जीवन में।
**********
सर्जक ने क्यों किया यह सृजन,
भूख, भय से व्याकुल तन, मन,
काम, क्रोध, मद लोभ, मोह का,
क्यों होता अजेय आकर्षण।
**********
मैने पशु पक्षी को देखा,
मैने देखा नदी समन्दर,
मैने पूछा पेड़ पहाड़ से,
क्या हैं इस जीवन का मकसद।
**********
मैने देखा प्रकृति मस्त हैं,
यह समग्र अस्तित्त्व व्यस्त हैं,
केवल मानव मन प्रश्नाकुल,
ध्येय शोध से हुआ त्रस्त हैं।
**********
फिर मेरे मन में यह आया,
क्या जीवन निरुद्देश्य नहीं है?
सहज,सुखद, सुन्दर जीवन ही
क्या प्रभु का आदेश नहीं हैं?
**********
प्रकृति और परिवेश सिखाते,
उनका अपना सह अस्तित्त्व,
समरस हो सम्पूर्ण जगत से,
ऐसा हो व्यक्तित्त्व, कृतित्त्व।।

## ओपिनियन

# देश विविधताओं से भरा, फिर कॉलेजों में विविधता क्यों नहीं

बीती 5 फरवरी को कर्नाटक सरकार ने एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि कॉलेज विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से वही पोशाक पहननी होगी, जिसे कॉलेज प्रशासनिक बोर्ड तय करेगा, और जहां ऐसी कोई यूनिफॉर्म निर्धारित नहीं हो पाती है, वहां वे कपड़े नहीं पहने जा सकते, जिनसे 'समानता, अखंडता और कानून-व्यवस्था के भंग होने' का खतरा हो। यह आदेश विभिन्न कॉलेजों में घटी उन घटनाओं के संदर्भ में आया है, जिनमें हिजाब पहनने वाली छात्राओं को कॉलेज परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। इन घटनाओं के बाद कुछ लोगों का तर्क था कि हिजाब पहनना इस्लामी रवायत का एक जरूरी हिस्सा है, और इसकी मनाही संविधान से मिले 'धार्मिक स्वतंत्रता' संबंधी अधिकार का हनन है। तो, कॉलेज प्रशासन के फैसले के समर्थकों की दलील आई कि कॉलेज परिसरों को धर्म के किसी तरह के सार्वजनिक प्रदर्शन से मुक्त रखना चाहिए। इस तर्क को बल तब मिला, जब कई कॉलेजों में हिजाब की प्रतिक्रिया में कुछ हिंदू छात्रों ने भगवा गमछा पहनना शुरू कर दिया। हालांकि, हिजाब और मजहब के दायरे में इस पूरे मसले को देखने वाले एक अहम बात को नजरंदाज कर रहे हैं, और वह बात है राज्य की ताकत; एक सार्वजनिक संस्कृति, और सार्वजनिक जीवन में स्वीकार्य पदानुक्रमिक समान विचार थोपने की राज्य व राज्य स्तरीय संस्थानों की ताकत। इसे अधिक ठोस रूप से कहें, तो यह सार्वजनिक जगहों पर वयस्कों (कुछ छात्र 18 से 20 साल के भी होते हैं) पर 'ड्रेस कोड' थोपने की राज्य संस्थानों की शक्ति का मसला है। हालांकि, मैं यहां स्पष्ट कर दूं कि मैं सार्वजनिक जगहों पर 'सब कुछ' की मंजूरी की कतई वकालत नहीं करने जा रहा। मसलन, राज्य के संस्थानों को यह अधिकार होना ही चाहिए कि वे ऐसे कपड़ों पर रोक लगाएं, जिन पर अशालीन या भड़काऊ नारे छपे हों, या जो शैक्षणिक संस्थान के लक्ष्यों से मेल नहीं खाते।

**गौतम भाटिया**
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट
@jagrukjanta.net

यहां सबसे अहम बात यह है कि हिजाब की एक सामाजिक प्रतीक के तौर पर कहीं भी व्याख्या नहीं की गई है। कुछ मामलों में निश्चय ही यह धार्मिक दबदबे की अभिव्यक्ति है, और खुद चुनने से अधिक जबर्दस्ती थोपा गया प्रतीत होता है। मगर यह कहना कि हरेक औरत जबर्दस्ती हिजाब पहनती है या उनका 'ब्रेनवाश' किया गया है, पूरी मुस्लिम स्त्री-बिरादरी के वजूद को नकारना होगा। हिजाब पहनने के कई जटिल (और परस्पर विरोधी) कारण मौजूद हैं, जैसे- मुश्किल वक्त में अपनी पहचान छिपाने के लिए, परंपरा आदि। यकीनन, कुछ कारण मजहब से जुड़े होंगे, लेकिन कुछ का धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। लिहाजा, राज्य के लिए व्यक्तिगत स्तर पर यह सुनिश्चित करना कि वास्तव में असंभव है कि कोई किस वजह से हिजाब पहनता है? यह तर्क हमें मूल मुद्दे पर वापस लाता है। यानी, हिजाब भेदभाव, असमानता या हिंसा का पोषण नहीं करता, जिसके आधार पर राज्य और उसके संस्थान किसी पोशाक को प्रतिबंधित करते हैं। एक तर्क यह भी सुनने में आता है कि शैक्षणिक संस्थानों में एक सीमा तक समानता की दरकार है। हालांकि, इस तर्क में भी कोई दम नहीं है, क्योंकि क्या यह उचित नहीं है कि हमारे शिक्षण संस्थान भी भारत की विविधता, बहुलता और विभिन्नता को प्रतिबिंबित करें, बजाय इसके कि इनको एकरूप बनाकर भारत के नैसर्गिक गुण को खंडित किया जाए? हमें तो अपने दैनिक जीवन में भी उन लोगों के साथ की दरकार होती है, जो हमसे दिखने में भिन्न होते हैं, अलग कपड़े पहनते हैं और अलग जायके का खाना खाते हैं। तो फिर शिक्षण संस्थानों में यह विविधता बंद क्यों होनी चाहिए?

इन्हीं कारणों से कॉलेजों में हिजाब पर प्रतिबंध के बाद यह सवाल पूछा जा रहा है कि परिधान जैसे नितांत निजी मामलों में राज्य लोगों पर अपनी कितनी ताकत का प्रयोग कर सकता है? हमारा संविधान ऐसे व्यक्तिगत मामलों में सभी को 'स्वतंत्रता' की गारंटी देता है, जब तक कि इस आजादी से सामाजिक स्तर पर कोई बड़ा नुकसान न हो या सामाजिक भेदभाव को बढ़ावा न मिले। हिजाब के मामले में हमें ऐसा कोई नुकसान होता नहीं दिखता। इसीलिए, कानून की कसौटी पर ऐसे प्रतिबंध खरा नहीं उतरते।

## सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

# सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

वह न कभी हर्षित होता है, न किसी से द्वेष करता है, न शोक करता है, न कोई कामना रखता है, वह शत्रु मित्र में, मान-अपमान में तथा सुख-दुख आदि द्वंद्वों में समान रहता है, कभी विचलित नहीं होता और आसक्ति से रहित रहता है। निन्दा स्तुति से उसे कोई प्रयोजन नहीं रहता तथा वह सदा संतुष्ट रहता है। भगवान के अनन्य परम प्रेमी भक्तों का नाम स्मरण ही पवित्र करने वाला है। प्राचीन काल के भक्तों में श्री ब्रह्माजी, नारद, सनकादिक मुनि, ध्रुव, प्रहलाद, राजा बलि, राजर्षि जनक, भीष्म पितामह, शुकदेवजी, हनुमानजी, सुदामा, कुन्ती, द्रोपदी, राजा हरिश्चन्द्र आदि प्रातः स्मरणीय नाम है। कलियुग के भक्तों में श्रीरामानुजाचार्य, श्री रामानन्दाचार्य, श्री माधवाचार्य, श्री निम्बकाचार्य आदि एवं इनकी सम्पप्रदाय शिष्य परम्परा के भक्त इनके अलावा नामदेव, जयदेव, ज्ञानदेव, विल्वमंगल, समर्थ गुरु रामदास, कर्माबाई, मीराबाई, कबीरदास, संत तुलसीदास, सूरदास, नरसीजी, श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु आदि आदि अनेक भक्त हुए हैं, जिनके पवित्र चरित्र सुनने से ही विनय, दैन्य एवं शरणागत भाव पैदा होकर भगवान की भक्ति की प्रेरणा मिलती है।

**भक्ति में भाव अथवा रस का महत्वः** भक्ति साधारणतः दो प्रकार की मानी गई है-एक साधन भक्ति और दूसरी साध्य भक्ति। साधन भक्ति भगवान का भजन आदि होने लगे इसके लिए प्रयत्न करना साधन भक्ति है। प्रायः अधिकतर लोग सामान्य रूप से साधन भक्ति करते हैं। **क्रमशः**

जागरूक Selfie हैप्पी बर्थ डे

साहिल सन रूकसाना-जमील, निम्बाहेड़ा

## हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

# झलक : सुहाना लागे रतजगा

जन समाज में प्यारी परंपरा उत्सवों की। लुत्फ का सिलसिला चलता दिन और रात भर। होली, दिवाली, ईद रि समस। हो मुख्य रात या पूर्वसंध्या। मन को मोहती जागरण की रात। जश्न की रात। पर्व हो दिवस का मनाती हजार आंख। रात के जलवे की मगर जुदा है बात।

**तुषार पुरोहित**
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कभी क्काली की रात। कभी महाशिवरात्र। नौका विहार की चांदनी रात। शादी का जलसा। बंदोली की रात।

"आयी है आज की रात। बड़ी देर के बाद। आज की रात बड़ी देर के बाद आयी है।।"

तो इस रात, भला नींद का क्या काम।
यह वो रात कहते जिसे रतजगे की रात।
काम-काज का मारा इंसान। कभी कारोबार के चक्कर में। कभी किसी आपदा, त्रासदी, या हादसों के कारण। तो कभी हाली बीमारी या तीमारदारी में। जागना होता है उसे कई बार, रात भर। मगर रतजगे की बात इन सबसे अलग कुछ और ही है।

"हंसी दिल्लगी की हर बात दगा तो नहीं।
रस्ते मिला जो हर कोई सगा तो नहीं।
मन्नतें दुनिया की या गरज अपनी सही जागी वो सभी रातें रतजगा तो नहीं।।"

रतजगे में जो ख़ास है, वो हृदय का दुलासा है।
मचलती आस। पुलतती सांस। मजालिस नगमों की।
महफिल दिलों की। शहनाई हो या मुरली की तान। नाचता गाता रोम-रोम। दूर कहीं गूँजती हसरतों की लय।

" साकिया आज मुझे नींद नहीं आयेगी।
सुना है तेरी महफिल में रतजगा है।
आंखों आंखों में यूं ही रात गुजर जाएगी।
सुना है तेरी महफिल में रतजगा है।।

शास्त्रों में चार रात्रियों का विशेष उल्लेख।

"कालरात्रि मौह रात्रि, महारात्रि रच दारुणः।

दारुण रात्रि को भी जहां आमोदिनी बताया गया।

असल में रतजगा मनोविलास की अनुपम भांत है, जिसमें समाज शास्त्र मनोविज्ञान तथा लौकिक रीत आनंद के शीर्ष को छू लेने को आतुर है।

शरद पूर्णिमा की पारंपरिक रास हो या घरेलू ब्याह में हल्दी का उल्लास। घटता नहीं दायरा उमंगों का। चाहे मोहल्ले में भजन कीर्तन का आयोजन हो या राष्ट्रीय स्तर का मुशायरा। सुहाना लगता रतजगा।

हमारे गीतों और काव्य की रातों में भाव भीना स्थान रतजगे का। व्यक्ति को सुख आमोद का स्थाई और अलौकिक भाव चाहिए। जो आपाधापी और तनाव की जिंदगी से उसे निजात दिलाएं। काम काजी बौद्धिक थकान से ऊब कर एक रात को ही सही, वह सौंदर्य माधुर्य और प्रणय-परिणय की हिलोरो में खो जाना चाहता है। यही भाव प्रवाह उसे मधु रात्रि सुहागरात्रि की रागात्मक निष्ठा से ऊपर दिव्य बह्मांड भुवन तक ले जाता है।

गीता में वर्णित संयमी की रात साधारण भूत प्राणी से भिन्न है।

"या निशा सर्व भूतानां तस्यां जागृति संयमी।

शास्त्रकारों ने निद्रा को भी अतुल्य तेजस से परिपूर्ण बताया।

'निंद्रा भगवती विष्णो:अतुला तेजसःप्रभो। वही साधारण जन को जागरण का महत्व मालूम है।'

"सोवत है सो खोवत है। जागत है सो पावत है।" जागतिकों ने उद्घोष किया- जागते रहो। "फिल्मों में, राते, नींद, जागरण को लेकर गीतों की बहुतायत।

'रात जितनी ही संगीन होगी, सुबह उतनी ही रंगीन होगी।' जब रात है ऐसी मतवाली फिर सुबह का आलम क्या होगा। मुझे मिल गया बहाना तेरी दीद का। कैसी खुशी लेकर आया चांद ईद का।...इत्यादि।

तो आज की यह झलक 'सुरों की मलिका लता दीदी के नाम, जो अपने गीतों से सदियो को सुरीला बनाकर चली गयी।

**- तुषार 'निरपेक्ष'**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

## पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

**जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया**

### सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

**बुधवार, 16/02/2022**

**सूर्योदय :** 07:07 **सूर्यास्त :** 18:07 **चन्द्रोदय :** 17:52 **चन्द्रास्त :** 07:02 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** कुम्भ **चन्द्र राशि :** कर्क **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** पूर्णिमा, 22:23 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **चन्द्रमास माघ :** पूर्णिमान्त, माघ - अमान्त **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** शिशिर **वैदिक ऋतु :** शिशिर **द्रिक अयन :** उत्तरायण **वैदिक अयन :** उत्तरायण

### नक्षत्र, योग, करण

**नक्षत्र :** आश्लेषा, 15:07 तक
**योग :** शोभना, 20:38 तक
**प्रथम करण :** विष्टि, 10:07 तक
**द्वितिय करण :** बावा, 22:23 तक

### शुभ समय

**ब्रह्म मुहूर्त :** 05:19 ए एम से
**प्रातः सन्ध्या :** 05:45 ए एम से
**अभिजित मुहूर्त :** 12:13 पी एम से
**विजय मुहूर्त :** 02:26 पी एम से
**गोधूलि मुहूर्त :** 05:57 पी एम से
**सायाह्न सन्ध्या :** 06:08 पी एम से
**अमृत काल:** 08:42 पी एम से
**निशिता मुहूर्त :** 12:09 ए एम, फरवरी 12 से
**रवि योग :** 07:03 ए एम से

**निवास और शूल**
दिशा शूल : पश्चिम में
राहु काल वास दक्षिण-पूर्व में
चन्द्रवास : दक्षिण-पश्चिम
कुंभ: पश्चिम

### चौघड़िया

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | : 07:06 - 08:28 | उद्वेग | : 06:06 - 07:44 |
| अमृत | : 08:28 - 09:51 | शुभ | : 07:44 - 09:21 |
| काल काल वेला | : 09:51 - 11:14 | अमृत | : 09:21 - 10:58 |
| शुभ | : 11:14 - 12:36 | चर | : 10:58 - 12:36 |
| रोग वार वेला | : 12:36 - 01:59 | रोग | : 12:36 - 02:13 |
| उद्वेग | : 01:59 - 03:21 | काल | : 02:13 - 03:50 |
| चर | : 03:21 - 04:44 | लाभ | : 03:50 - 05:28 |
| लाभ | : 04:44 - 06:06 | उद्वेग | : 05:28 - 07:05 |

*अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघड़िया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघड़िया माना जाता है।*

### आज पूर्णिमा

**आज कौन सा कार्य करें**

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

### बुधवार को क्या करें

**बुधवार** की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

**ये कार्य करें :-** सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

**यह कार्य न करें:-** उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

**नोट :** शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

## राशिफल

आषाढ़, शुक्ल, पूर्णिमा, 2078 बुधवार, 16 फरवरी - 22 फरवरी, 2022

**मेष** चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। माँ जी से आपको सुख मिलेगा और उनसे धन लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में स्थितियां अच्छी रहेगी। आपके ट्रांसफर के योग बनेंगे।

**वृषभ** ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

परिवार से कोई दूर यात्रा पर जा सकता है। धार्मिक क्रियाकलापों में मन लगेगा। ऑफिस में मन कम लगेगा। काम से जी चुराने के योग बन रहे हैं, इसलिए थोड़ा ध्यान दें। पारिवारिक जीवन शांतिपूर्ण रहेगा।

**मिथुन** क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

सुकून भरे पल बिताएंगे और जो लोग शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनका पढ़ाई में मन लगेगा। आप शादीशुदा हैं तो संतान को सुख मिलेगा जिससे आपको संतुष्टि प्राप्त होगी।

**कर्क** हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्यक्षेत्र में काम पर ही फोकस करें अन्यथा स्थिति बिगड़ सकती है। पारिवारिक जीवन बढ़िया रहेगा और माता पिता का सुख मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रहने की संभावना है।

**सिंह** मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे

उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों के लिए भी दिन बेहतर है। जिनकी शादी हो चुकी है, उनके दांपत्य जीवन में कुछ समस्याएं रह सकती हैं।

**कन्या** टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। आपके काम में उम्मीदें जागेंगी। पारिवारिक जीवन में भी परिजनों का सहयोग आपको प्राप्त होगा। यात्राओं पर जाने के लिए समय अनुकूल नहीं है। झगड़े से बचना चाहिए।

**तुला** रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

दांपत्य जीवन में तनाव रह सकता है, जिससे बचने का प्रयास करना आवश्यक होगा। यदि किसी से प्रेम करते हैं तो आज उनसे मन की बात कह सकते हैं। स्वास्थ्य के मामले में सप्ताह थोड़ा कमजोर है।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। दांपत्य जीवन के लिए दिन कमजोर है। पैसे के मामले में आप काफी लकी रहेंगे। लाभ होगा, मानसिक खुशी होगी। विद्यार्थियों के लिए सप्ताह काफी अनुकूल रहेगा।

**धनु** ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

निवेश से लाभ होगा। प्रेम जीवन में भी अंतरंग पलों में बढ़ोतरी होगी और प्रिय के साथ समय बिताएंगे। शिक्षा में रुकावट का समय खत्म होगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो संतान को सुख की प्राप्ति होगी।

**मकर** भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

निजी जीवन के लिए दिन अनुकूल है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। परिवार का सहयोग भी काम में मिलेगा और पेशेवर जीवन में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। खर्च काफी अधिक रह सकते हैं।

**कुंभ** गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

किसी छोटी यात्रा पर जाने से मन भी प्रसन्न होगा और आपको कुछ नए सौदे मिलने की उम्मीद होगी, जिससे आपका व्यापार गति पकड़ेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी। खर्चों का बोझ भी आप पर रहेगा।

**मीन** दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। कार्य क्षेत्र में स्थिति सामान्य रहेगी ।पारिवारिक जीवन का तनाव आप पर हावी हो सकता है, इससे बचने का प्रयास करें।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

# गोवर्धन पीठाधीश्वर श्रीकृष्णदास कंचन महाराज का प्राकट्योत्सव 22 को

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**कंचनधाम (खटकड़-बूंदी)।** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज का प्राकट्योत्सव 22 फरवरी को द्वादश ज्योतिर्लिंग कंचनधाम में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। श्री कंचन धाम सेवा संस्थान गैंडोली (खटकड़) के संयोजन में मनाया जाने वाले उत्सव में 22 फरवरी मंगलवार को प्रातः 8 बजे से गुरु पूजन प्रारम्भ हो जाएगा। संस्था के महामंत्री पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने बताया कि कंचनधाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भंडारा प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार गोवर्धन स्थित कंचनधाम आश्रम में भी महाराजश्री का प्राकट्योत्सव मनाया जाएगा।

प्राकट्योत्सव से पूर्व महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज के शिष्यों निराशा भरे शब्दों में अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि महाराजश्री के महाप्रयाण को 3 वर्ष होने जा रहे हैं मगर अफसोस कि अभी तक उनकी याद में कोई भी

नया काम प्रारम्भ नहीं किया गया। यहां तक कि उनकी समाधिस्थल पर मूर्ति अथवा चरण पादुका स्थापित की गई है। कंचन धाम में काम करने वाले कर्मचारी भी अब गिने-चुने रह गए हैं। गायों की व्यवस्था भी कुछ ठीक नहीं कही जा सकती। बीच में तो तिरपाल तक के लिए वाट्सअप पर मैसेज करने पड़े थे। जो लोग अपने आपको महाराजश्री का अनन्य भक्त कहलवाना पसंद करते थे अब ऐसे भक्त और सेवकों के दो दर्शन भी दुर्लभ हो गए हैं। कुछ लोग हैं जो लगे हुए हैं कुछ गाहे-बगाहे आ जाते हैं और कुछ ने अपना दूसरा ठिकाना बना लिया है। कई भक्तों ने तो बड़ी निराशा व्यक्त की और कहा कि पता नहीं भगवन् (कृष्णदास कंचन महाराज) क्या चाहते हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो अनूठा तीर्थस्थल विकसित होने से पहले ही उजड़ जाएगा। अब तो वहां आने वाले श्रद्धालु भी गिने-चुने ही आते हैं। ऐसे में वर्तमान सेवक अपना पूरा प्रयास इस वृहद धाम की व्यवस्था के लिए कर रहे हैं, मगर ये इतना आसान नहीं है। जब तक सब भक्तजन एक होकर इसमें अपना सहयोग नहीं करेंगे। नए और पुराने सभी भक्तजनों को गिले-शिकवे भुलाकर एकराय होकर कार्य करना होगा। तभी महाराजश्री का आशीर्वाद मिलेगा।

## विप्र कल्याण बोर्ड के गठन पर सोबर ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया

**जयपुर @ जागरूक जनता।** विप्र कल्याण बोर्ड के गठन पर सोबर (सोसायटी ऑफ ब्राह्मण एक्ज्यूकेटिव्स राजस्थान) ने समस्त ब्राह्मण समाज की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। सोबर के अध्यक्ष डॉ. शिव गौतम ने कहा कि इसके लिए ब्राह्मण समाज हमेशा उनका आभारी रहेगा। सोबर के महासचिव ई. आरसी शर्मा ने कहा कि विप्र कल्याण बोर्ड का बनना सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज के लिए खुशी की बात तथा ऐतिहासिक उपलब्धि है। शर्मा ने बताया कि सोबर के गठन के कुछ माह बाद ही कार्यकारिणी की पहली बैठक में निर्णय लिया था कि ब्राह्मण समाज के हितों के लिए एक वेलफेयर कार्पोरेशन या बोर्ड के गठन का प्रयास किया जाए। इस बोर्ड के गठन से ये सपना साकार हो गया।

## 478 लोगों को लगा कोविड का टीका

**जयपुर @ जागरूक जनता।** जवाहर नगर कच्ची बस्ती में कोरोना महामारी से बचाव के लिए वेक्सीन कैंप लगाया गया। शिल्प सृजन संस्था द्वारा विधायक रफीक खान के सहयोग से लगे कैम्प में 450 से अधिक लोगों को वेक्सीन लगाई गई। इसमें 15 वर्ष के हो चुके बालक-बालिकाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

## कलश यात्रा और प्रभात फेरी का आयोजन

**जयपुर @ जागरूक जनता।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, राजयोग साधना केंद्र, सेक्टर-2, विद्याधर नगर की तरफ से प्रदोष शिवरात्रि के उपलक्ष्य में आजादी की अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर, लक्ष्य को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। इसी दौरान शिव का ध्वज भी लहराया गया। वार्ड नंबर 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने ध्वज दिखाकर कलश यात्रा को रवाना किया। प्रभात फेरी बियानी कॉलेज, नया खेड़ा होते हुए रामावतार भाई के घर पर ध्वजारोहण करके संपन्न किया गया। कलश यात्रा मंगलेश्वर महादेव मंदिर में संपन्न करते हुए वरिष्ठ राजयोगिनी लक्ष्मी बहन ने शिवरात्रि के महत्व को बता कर प्रसाद वितरण भी किया गया।

# भिखारियों से दर्शनार्थी आहत, बढ़ती भिक्षावृत्ति से आस्था धाम छवी शर्मसार

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**मेहंदीपुर @ प्रदीप बौहरा।** बालाजी मंदिर मे दर्शन करने आने वाले दर्शाणार्थीयो को भीखारीयो के झुंडो से जूझना पड़ रहा है।मंदिर से दर्शन जाते समय व लोटते वक्त ये भिखारी श्रद्धालुओं के पीछे लग जाते है। ये महिला भिखारी बालाजी मंदिर मे दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं से भीख के दौरान पैसा मांगते है। पैसा नही देने पर यात्रियो को बुरा भला कह कर मानसिक रूप से प्रताडित करती है। देश व प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां मन्नत लेकर बालाजी महाराज का आर्शिवाद लेने के लिए आते हैं। यहां आने वाले यात्रियो को दर्शन करने के बाद लौटते समय भीख मांगने को लेकर ये भीखारी भीख मे पैसे भोजन वस्त्र आदि मांग करते है और नही देने उनको ताना मारते है। वही कुछ महिला भिकारी श्रद्धालुओ के टीका लगाने के नाम पर पैसे मांगती है। वही मंदिर परिसर के आसपास दर्जनो टीका लगा कर पैसे मांगने वाली महिला व महिला भिखारियो का जमगठ लगा रहता है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष गोपाल सिंह ने पत्रकारो से कहा बालाजी मे दिनो दिन बढ़ती भिक्षावृत्ति से आहत मेहंदीपुर बालाजी आने वाले श्रद्धालु हो रहे हैं इसे लेकर हम सभी व्यापारी बालाजी थानाधिकारी गिर्राज प्रसाद से मिलकर श्रद्धालुओं व स्थानीय नगरी की पीड़ा बताई। उनका कहना था कि मेहंदीपुर बालाजी दर्शन करने देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में दर्जनों भर भीखारीयो के झुंड श्रद्धालुओं से पैसे मांगने के नाम से परेशान कर ती हैं और पैसे नहीं देने पर उन्हें बद्दुआ देते हैं। लोगो ने कई बार इन भिखारियों को समझाईस की पर इसका कोई असर नहीं हुआ भक्तो से महिला भीखारी महिला होने का रौब झाड़ती हैं। इससे आहत होकर अब व्यापारियों ने थानाधिकारी से इन भिक्षावृत्ति में शामिल महिला भिखारियों पर अंकुश लगाने की मांग की है और उन्होंने कहा थानाधिकारी उन्हे आश्वासन दिया है कि इन पर जल्द से जल्द अंकुश लगाया जाएगा।

## शौर्य जैमन बने प्रांत मंत्री नियुक्त

**मेहंदीपुर बालाजी @ जागरूक जनता।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

जयपुर प्रांत के 57वें प्रांत अधिवेशन में एबीवीपी ने शौर्य जैमन को प्रांत मंत्री निर्वाचित किया। मेहंदीपुर बालाजी निवासी शौर्य जैमन के प्रांत मंत्री बनने पर बालाजी कस्बे के लोगों सहित उनके समर्थकों में भारी उत्साह और खुशी की लहर दौड़ गई। शौर्य जैमन पिछले एक दशक से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े हुए हैं एवं एक मेहनती कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते हैं।पिछले दिनों सवाईमाधोपुर में हुए प्रांत अधिवेशन में जैमन को प्रांत मंत्री बनाया गया। एबीवीपी के चुनाव अधिकारी जिनेश जैन ने यह घोषणा की।

## जागरूक खबरें

### त्रिपाठी के लिखे 6 गीत आइमा में नॉमिनेट

**जयपुर @ जागरूक जनता।** फिल्म लेखक और गीतकार अविनाश त्रिपाठी के लिखे 6 गीत आइमा यानी इंडियन इंडिपेंडेंट म्यूजिक अवाईस, मुंबई में नॉमिनेट किया गया है। इन्हें अलग-अलग 6 प्रमुख केटेगरी में नॉमिनेट किया गया है जो, ग़ज़ल, रॉक, पॉप, क्लासिकल और फ्यूज़न जैसी बेहद महत्वपूर्ण और पॉपुलर केटेगरी है। इन 6 गानो में 2 गीत, बदरा हुआ मन और उजली उजली ख्वाहिशे, बॉलीवुड के बेहद मशहूर गायक शान ने गाये है। अविनाश ने एमिटी यूनिवर्सिटी में फिल्म अध्यापन का भी काम किया है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा को नया आयाम देते हुए अविनाश ने इंटरनेशनल आर्ट, कल्चर एंड सिनेमा फेस्टिवल की भी शुरुआत की है जिसमे भारत के छोटे शहर और कस्बो से फिल्म, गायन, नृत्य, पेंटिंग सहित सभी कला क्षेत्र से गुनी कलाकारों को अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा।

### नर्सेज संघर्ष समिति ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

**जयपुर @ जागरूक जनता।** नर्सेज संघर्ष समिति अध्यक्ष सोमसिंह मीणा के नेतृत्व में बीते दिनों चयनित नवनियुक्त नर्सेज के जोइनिंग तिथि (29 अप्रैल 2020) से संबंधित समस्त परिलाभ को लेकर सचिवालय में उषा शर्मा मुख्य सचिव राजस्थान सरकार से मुलाकात कर ज्ञापन दिया। उसके बाद संघर्ष समिति सदस्यों ने प्रमुख शासन सचिव वित्त विभाग अखिल अरोरा जी एवम सुधीर शर्मा फाइनेंस सेकेट्री बजट से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया। मुलाकात में पंडित जितेंद्र कटारा प्रदेश संयोजक सोमसिंह मीणा अध्यक्ष कमलेश गुर्जर संयोजक प्रदीप सरवन समिति सदस्य मौजूद रहे।

### फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुति

**जयपुर @ जागरूक जनता।** विद्याधर नगर स्थित बियानी बीएड गर्ल्स कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी और फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के एकेडमिक निदेशक डॉ- संजय बियानी और बीएड कॉलेज की प्रिंसीपल एकता पारीक ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर की। कार्यक्रम के दौरान निदेशक डॉ. संजय बियानी ने विद्यार्थीयों का स्वागत किया और उन्होंने प्रेम को परिभाषित करते हुए कहा कि जहां पाने की इच्छा होती है वहां प्रेम नहीं हो सकता। प्रेम बिना कारण किया जाना चाहिए और इसके लिए उन्होंने कृष्ण का उदाहरण दिया। पार्टी में विद्यार्थियों ने विभिन्न गीतों पर नृत्य कर माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान कई बार ऐसे मौके भी आए जब ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। पार्टी में छात्राओं ने श्रीवली, पंजाबी भांगडा... मैं मरजावा.. आदि गानों पर झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम मे एमएड की छात्रा चंचल शर्मा को मिस फेयरवेल और बीएड की छात्रा वान्या को मिस फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम के अंत में बीएड कॉलेज की प्रिंसीपल एकता पारीक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

### रावत स्कूल में मनाया स्नेह दिवस"

**जयपुर @ जागरूक जनता।** रावत पब्लिक स्कूल ,प्रताप नगर में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का परिचय देते हुए वेलेंटाइन डे को स्नेह दिवस के रूप मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों ने तिलक लगा कर उनका स्वागत किया एवं उन्हे चॉकलेट, मिठाई एवं गुब्बारों के साथ वस्त्र वितरित किए। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में समाज के जरूरतमंद पक्ष के प्रति स्नेह जागृत करके उनमें करुणा एवं दया के भाव विकसित करना था। इससे पूर्व भी विद्यालय द्वारा समय समय पर चैरिटी के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इसी दिन विद्यार्थियों ने पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन एवं अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष बी एस रावत ने विद्यालय द्वारा स्नेह दिवस के रूप में की गई इस शुरुआत का स्वागत किया। ग्रुप के निदेशक नरेंद्र सिंह रावत ने सभी बच्चों को दया, ममता भाव मन में रख कर राष्ट्र की प्रगति को ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल मैत्रेयी शुक्ला एवं एकेडमिक हेड आदर्श कुमार गुप्ता ने भी भाग लिया।

ANCHOR **देश का पहला ऑनलाइन सदन**

# कलेक्टर साहब...! क्षेत्र के पशुओं व निवासियों के प्राण संकट में

### प्लांट के जिम्मेदार मैनेजर की हवाई बातें बोले प्लांट से नही उड़ती कोई धूल

### जीव जंतुओं सहित मानव जीवन के लिए प्राण घातक बनता जा रहा प्लांट

### ग्रामपंचायत क्षेत्र उन्दरा में स्थित प्लांट से हो रहा है जमकर वायु प्रदूषण

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**सिरोही @ तुषार पुरोहित।** जिले के पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र के उन्दरा मूरी रोड़ पर फेलस्फॉर सिलिकेट का प्लांट स्थित है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्दरा के राजस्व गाँव मे गिरधर नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से फेलस्फॉर सिलिकेट का प्लांट लगाया गया है। उक्त प्लांट से निकलने वाले धूल भरे कणों व ओवर लोडिंग डंपरों के लोडिंग अनलोडिंग खुली जगह करने से जमकर वायु प्रदूषण हो रहा है। जिससे जीना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने कई मर्तबा पूर्व में जिम्मेदार अधिकारियों को ज्ञापन व धरना देकर अवगत करवाया। परंतु क्षेत्र की हालत आज भी जस की तश बनी हुई है। जिससे आसपास रहने वाले लोगो व खातेदारी भूमि पर धूल की परत जमने से दिनों दिन भूमि बंजर होंती जा रही है। जिससे क्षेत्र में पशुओं के चारे पानी सहित कई

समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। और क्षेत्र वासियों के लिए यह समस्या प्राण घातक बनती जा रहीं हैं।

#### प्लांट मैनेजर के हवाई दावों की खुली पोल

**उक्त** प्लांट के मैनेजर महावीर सिंह दाव कर रहें हैं कि प्लांट समस्त मापदंडों पूर्ण करके चलाया जा रहा है। साथ ही कोई धूल डस्ट नही उड़ती है। जब इस बात की जमीनी स्तर पर पड़ताल शुरु की तो प्लांट के बाहर कोई बोर्ड तक भी नजर नहीं आया और आसपास के पेड़ पौधों को देखा तो पूरी तरह सफेद पाउडर से ओतप्रोत नजर आएं। जब नजर खेतो पर दौड़ाई तो खेतो में भी सफेद पाउडर कि परत भी नजर आई। ऐसे में जिम्मेदार मैनेजर साहब के हवाई दावों की पोल भी खुल के सामने आ गई। नियमो का दावा करने वाले साहब आखिर प्लांट में कितने नियमों की पालना हो रहीं हैं.? जिसकी तस्वीर सबके सामने है।

#### जिम्मदारों से जवाब मांगते सवाल..?

**यह** सफेद पाउडर उड़ा नही तो कहा से आया.? अभीतक प्लांट के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर कोई बोर्ड तक नही लगा हुआ आखिर ऐसा क्यो इसके पीछे क्या रहस्य..? ग्रामीण लोगो की सुविधा हेतु बनाई गई झाड़ोली सिवेरा सड़क मार्ग पर ओवर लोडिंग डम्पर दिनरात किसके दौड़ रहें हैं..? क्षेत्र में फेंल रहें वायु प्रदूषण का जिम्मेदार कौन.? क्षेत्र वासियो की भूमि दिनों दिन बंजर होती जा रहीं हैं इसका जिम्मेदार कौन..? नियमो को ताक पर रखकर चल रहें प्लांट पर प्रशासन की मेहरबानी के पीछे क्या रहस्य..? ग्रामीणों के कई बार अवगत करवाने के बाद भी प्लांट पर कोई प्रभावी काईवाई न करने के पीछे क्या राज.? आखिर रसूखात के आगे कबतक नतमस्तक होता रहेगा जिला प्रशासन..? दिनों दिन लोग मौत के आगोश में जा रहें हैं इसका जिम्मेदार कौन..?

#### ओवर लोड डम्परों व ट्रॉली से झाड़ोली से सिवेरा व केरला पादर रोड़ कांच की तरह बिखरा

**सिरोही** जिला प्रशासन की मेहरबानी कहें या उक्त प्लांट के जिम्मदारों से आपसी साठगांठ.? जिसके चलते प्रशासन प्लांट पर पूरी तरह मेहरबान दिख रहा है। जबकि इस क्षेत्र में फेल रहा प्रदूषण क्षेत्र वासियो के लिए प्राणघातक बनता जा रहा है। परन्तु उसके बाद भी प्रदूषण को रोकने के न तो प्रभावी प्रयास किये जा रहें न ही उक्त प्लांट से क्षेत्र में हो रहें नुकसान से आमजन को राहत पहुंचाई जा रहीं हैं। झाड़ोली बस स्टैंड से लगाकर सिवेरा व केरला पादर जाने वाला सड़क मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। वजह का जब पता किया गया तो उक्त सड़क मार्ग पर निजी फैक्ट्री के ओवरलोडिंग डम्पर ट्रॉली जमकर गुजरते हैं। जिससे हर दम हादसें की तो आशंका है ही, साथ ही ओवरलोडिंग वाहनों से उड़ने वाले धूल भरे कर्णो से सिलिकोसिस जैसी भीषण बीमारी के फैलने की भी प्रबल आशंका है।

#### पशुपालको व क्षेत्र वासियों के चेहरे पर चिंता की लकीरें, प्राण संकट में साहब

**गिरधर** नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड प्लांट के जिम्मेदार अधिकारी प्रदूषण को रोकने का लाख दावा भले ही कर ले। परन्तु जो तस्वीरें जमीनी स्तर की पड़ताल करके सामने आई है, उससे दावों की पोल खुल ही जाती है। साथ ही सवाल उठना भी वाज़िब है। आपने अक्सर पेड़ पौधो को हरा देखा है। परन्तु जिस क्षेत्र में यह प्लांट लगा है उस जगह के पौधों पर सफेद पाउडर कुछ इस तरह लग गया है की वनस्पतियों का रंग भी हरे से सफेद हो गया है। जिससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि निकट भविष्य में यह प्लांट क्षेत्र के लिए कितना घातक साबित होने वाला है। यदि समय रहते जिला प्रशासन ने हो रहें प्रदूषण को रोकने को लेकर सख्ती नही दिखाई, तो क्षेत्र के लोगो के पास सिवा आंसुओ के कुछ नही रहेगा। जिस तरह की तस्वीरे सामने आई है उससे कई गम्भीर सवाल खड़े हो गये है।

**पूरे** मामलें को गहनता पूर्वक दिखवाया जाएगा।
**-डॉ भँवर लाल,** जिला कलेक्टर सिरोही

**पूरे** विषय की समुचित जाँच करके उचित कदम उठाये जायेगे।
**- हंसमुख कुमार** उपखंड मजिस्ट्रेट पिण्डवाड़ा

**हमारे** प्लांट से कोई प्रदूषण नहीं हो रहा न ही कोई पाउडर या धूल उड़ती है।
**महावीर सिंह,** मैनेजर प्लांट

## जागरूक खबरें

### नेहड़ क्षेत्र में जीरे की फसल खराब, किसानों ने राज्यमंत्री से मांगा मुआवजा

**सांचौर @ जागरूक जनता।** नेहड़ के गांवों में बदलते मौसम की मार से किसानों के खेतों में बोई गई जीरे की फसल में चिरमा रोग होने से हजारों बीघा में खड़ी की फसल नष्ट हो गई। जिसके चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई है। गुरूवार शाम को सांचौर, चितलवाना उपखंड क्षेत्र में तेज हवा के साथ बेमौसमी बारिश ने फसलों में खराबा होने की वजह से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। करीब दो माह बाद किसानों कड़ी मेहनत की वजह से जीरा, ईसबगोल व गेहूं की फसल लगभग कटाई के दौर में थी। इस दरमियान गुरूवार शाम व रात्रि को तेज हवा के साथ बेमौसमी बारिश ने तैयार फसल को तबाह कर दिया। फसल खराबी की वजह से किसानों की हालत बड़ी दयनीय बनी हुई। इस संबध में राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई ने चितलवाना उपखंड के खेतों में निरीक्षण कर लिया जायजा। मंत्री ने बताया कि नुकसान को लेकर सरकार को अवगत करवाकर उचित मुआवजा व बीमा दिलवाने का प्रयास किया जाएगा।

### अर्पण सेवा समिति ने बांटे फल

**बीकानेर @ जागरूक जनता।** पीबीएम अस्पताल के आचार्य तुलसी कैंसर विभाग में अर्पण सेवा समिति द्वारा फल फूट का वितरण किया गया। अर्पण सेवा समिति अध्यक्ष राजकुमार भाटीया ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्वप्निल तिवाडी, कमल कसेरा, जयेश शर्मा, भावेश खत्री, मुकेश किंगर,किरण तिवारी, चंचल साखंला, दुर्गेश खत्री ने अपनी सेवाएं दी। अर्पण सेवा समिति श्री योग वेदांत समिति के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय संस्कृति कार्यक्रम के तहत बच्चों को माता-पिता की सेवा करनी चाहिए उसका आशीर्वाद लेना चाहिए नेहा नवानी ने इसका बहुत अच्छा उदाहरण दिया और बीकानेर की विभिन्न कॉलोनियों में मातृ पिता पूजन आयोजित किया गया।

### युवाओं का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

**बूंदी @ जागरूक जनता।** नेहरू युवा केंद्र बूंदी युवा कार्यर म खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वधान में आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं का अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिला युवा अधिकारी कशिश जेठवानी के निर्देशानुसार बूंदी जिले के ब्लॉक के. पाटन के ग्राम पंचायन बोरदा काछीयान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक महावीर मेघवाल ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोरदा काछीयान सरपंच बिना सेन और विशिष्ट अतिथि एक्शनएड के जोनल कोऑर्डिनेटर मांगीलाल शेखर दुर्गेश सिंह हाडा रामभरोस मीणा का स्वागत किया। सरपंच बीना सेन ने कहा कि हमारा सामाजिक विकास तभी संभव है जब हम अपने समाज की प्रत्येक बालक एवं बालिका को शिक्षा से जोड़कर ग्रेजुएशन तक शिक्षा दिलाने का प्रण करगें। नेहरू युवा केंद्र बूंदी के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक महावीर मेघवाल ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में झालीजी का बराना से विमल मेघवाल , नीरज,रामप्रसाद,सुरेश नेहरु युवा मंडल अमरपुरा से सचिन वैष्णव, दिनेश मेघवाल, अनिल, हनीश बैरागी, सत्यनारायण गुर्जर, दिनेश वैष्णव बोरदा का काछीयान से भेरू लाल गुर्जर, नेहरू युवा मंडल चोतरा का खेड़ा से रामप्रसाद, नरेंद्र सेन, रोहित प्रजापत, चेतन प्रजापत, बुद्धि प्रकाश मेघवाल, रोहित बेरवा,पवन मेघवाल, चेतन मेघवाल उपस्थित रहे।

### मालप ग्राम पंचायत के श्रमिकों के ई- श्रम कार्ड बनाएं

**सिरोही @ जागरूक जनता।** भारतीय मजदूर संघ ने ग्राम पंचायत मालप के श्रमिकों के ई- श्रम कार्ड कैम्प आयोजित कर बनवाये । भामसं के मीडिया प्रभारी गोपाल सिंह राव ने बताया कि बीएमएस से संबद्ध संगठन श्रमिकों के ई कार्ड बनाकर मदद का कार्य कर रहे है । पिंडवाड़ा तहसील के अनेक गांवों में यह कार्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से प्रगति पर है । मालप ग्राम पंचायत में श्रमिकों के ई कार्ड बनाए गए ।इसमें रविंद्र पारीक जनरल मैनेजर अल्ट्राटेक एचआर, हिम्मत सिंह चौहान मैनेजर एचआर, फाल्गुनी पटेल सीएचआर, रेवा शंकर रावल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारतीय मजदूर संघ, मालप सरपंच करण कुमार, भामसं के जिला संगठन मंत्री प्रभु राम राजपुरा ,अल्ट्राटेक इकाई भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष रेशमा राम ,उपाध्यक्ष मांगू सिंह मनराराम, शैतान सिंह, प्रेमाराम सहित कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया ।

### संघर्ष समिति ने की उप शासन सचिव वित्त विभाग से मुलाकात

**जयपुर @ जागरूक जनता।** नर्सेज संघर्ष समिति सदस्यो द्वारा नर्सिंग भर्ती 2018 में नियुक्ति तिथि 29 अप्रैल 2020 संबंधित समस्त परिलाभ दिए जाने की मांग को लेकर सचिवालय में धूपेंद्र कुमार जैन उप शासन सचिव वित्त विभाग राजस्थान सरकार से मुलाकात कर वार्ता की। अध्यक्ष सोमसिंह मीणा ने बताया कि नर्सेज के पोस्टिंग सूची जारी के पिछले 22 महीने निकल जाने बाद भी समाधान नही होने पर नियुक्ति तिथि को लेकर नर्सेज मे भय व्याप्त है। मुलाकात में अध्यक्ष सोमसिंह मीणा प्रदेश संयोजक पंडित जितेंद्र कटारा कमलेश विक्रम मोझुद रहे।

**पुलिस विश्वविद्यालयः दीक्षांत समारोह आज**

# कक्षा में केवल 4 बच्चे ही थे इसलिए टॉपर को नहीं मिलेगा गोल्ड मैडल

**पुलिस विवि के एलएलएम फाउंडर बैच में 20 की जगह चार बच्चों ने ही लिया था प्रवेश, सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्रा को टॉपर मानने से इनकार**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जोधपुर।** प्रदेश के पहले पुलिस विश्वविद्यालय जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह 16 फरवरी को वर्चुअली आयोजित किया जाएगा। समारोह में विवि के एलएलएम के 2018 बैच को गोल्ड मैडल नहीं दिया जाएगा जो एलएलएम का फाउण्डर बैच था। विवि का तर्क है कि इसमें केवल चार विद्यार्थी थे। कम विद्यार्थी होने से गोल्ड मैडल नहीं मिलेगा।

मामला गुरुवार को हुई विवि की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में भी उठा। कुछ सदस्यों ने पक्ष रखा भी था कि विद्यार्थियों के कम प्रवेश लेने का खामियाजा टॉपर क्यों भुगते लेकिन अंत में कोई निर्णय नहीं हो सका। उधर फाउण्डर बैच की टॉपर निहारिका रायजादा ने इस मामले में गवर्नर व कुलाधिपति कलराज मिश्र से शिकायत की है जो 16 फरवरी को दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता भी करेंगे।

#### 20 सीटें थी, न्यूनतम 10 पर कोर्स शुरू करना था

वर्ष 2018 में दो वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम शुरू किया गया। इसमें 20 सीटें रखी गई। पाठ्यक्रम की विवरणिका में स्पष्ट उल्लेख किया गया कि पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए न्यूनतम पचास फीसदी यानी दस सीटों पर प्रवेश आवश्यक होगा। उस समय केवल 5 विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया, जिसमें से बाद में एक छोडकर भी चला गया, बावजूद इसके विवि ने एलएलएम शुरू कर दी।

#### 2019 बैच में 7 विद्यार्थी, टॉपर को मिलेगा गोल्ड

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2019 में सात विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया था। इस समय भी बैच शुरू कर दिया गया। इसकी टॉपर अनुपमा सिंह भाटी है। सूत्रों के अनुसार अनुपमा को गोल्ड मैडल दिया जा रहा है। इस मामले में विवि का तर्क है कि कक्षा में पांच से अधिक विद्यार्थी है इसलिए गोल्ड मैडल दिया जाएगा।

#### एलएलएम के चार बैच, आज तक सीटें नहीं भरी

| बैच ----- | सीटें |
|---|---|
| 2018 ------ | 4 |
| 2019 ------ | 7 |
| 2020 ------ | 12 |
| 2021 ------ | 7 |

(मामले में विवि के कुलपति और कार्यवाहक रजिस्ट्रार को फोन लगाया गया लेकिन दोनों ने ही कोई जवाब नहीं दिया।)

**नया टीबी रोगी खोजने पर मिलेगी 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि**

# अब खांसने की आवाज से हो जाएगी टीबी की पहचान

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**भरतपुर।** अब मात्र कुछ सेकंड में खांसी की आवाज से टीबी की पहचान हो सकेगी। केंद्र सरकार ने फील्डी नामक नया एप तैयार किया है, जो खांसने की आवाज से बीमारी का पता लेगा। इस एप की मदद से कफ साउंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड सॉल्यूशन टू डिटेक्ट टीबी प्रोग्राम के तहत ट्रायल हुआ था। सरकारी अस्पतालों में अभी तक टीबी यानी बलगम की जांच एक्स-रे या सीबी नाइट मशीन से लगाया जाता है। अब खांसने की आवाज मात्र से ही बीमारी का पता चल जाएगा। टीबी कब कलेक्शन की एप फील्डी से यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक लेंस है, जो खांसी के आवाज के नमूने मात्र से टीबी का पता लगाएगी। केंद्र सरकार ने 2025 तक टीबी के पूरी तरह से नाश का लक्ष्य रखा है। एप के माध्यम से टीबी मरीज और संभावित टीबी मरीज की आवाज सात बार रिकॉर्ड की जाएगी। हर बार आवाज अलग-अलग तरीके से होगी। जिन लोगों की आवाज रिकॉर्ड की जाएगी, उनके नाम पता गोपनीय रखा जाएगा। रिपोर्ट किसी को शेयर नहीं की जाएगी। नमूने लेते समय व्यक्तिगत टीम पहुंचेगी। पहले व्यक्ति की सहमति ली जाएगी, फिर एप को चालू कर 30 सेकंड की आवाज रिकॉर्ड की जाएगी।

#### इन्हें मिल सकेगी प्रोत्साहन राशि

**राष्ट्रीय** क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत कम्युनिटी वॉलंटियर, आशा सहयोगिनी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से समुदाय में नए टीबी रोगी की खोज करने पर 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी तथा स्वयं मरीज भी प्रोत्साहन राशि प्राप्त कर सकते हैं। आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का नए टीबी रोगी खोजने में प्रमुख योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मरीज, कम्युनिटी वॉलंटियर व कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए गाइडलाइन अनुसार प्रथम सूचना प्रदाता प्रोत्साहन राशि 500 रुपए का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। प्रोत्साहन राशि क्लेम करने की प्रक्रिया के बारे में उन्होंने बताया कि कम्युनिटी वॉलंटियर, आशा सहयोगिनी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की ओर से समुदाय में संभावित टीबी रोगी को चिन्हित कर निर्धारित रेफरेल प्रपत्र के साथ नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र डीएमसी में बलगम जांच के लिए भेजा जाएगा। यदि आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की ओर से रेफर किए गए संभावित में टीबी रोग की पुष्टि हो जाती है तो सम्बंधित कार्यकर्ता को प्रथम सूचना प्रोत्साहन राशि 500 रुपए का भुगतान किया जाएगा।

# पैडयात्रा पर बनाया गया वर्ल्ड रिकॉर्ड

**अंतर्राष्ट्रीय पैडमैन लीजेंड लीडर प्रो. डॉ. बिरेन दवे जी और उनकी 10 संस्थाओं की भागीदारी**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** अंतर्राष्ट्रीय पैडमैन लीजेंड लीडर प्रोफेसर डॉ. बिरेन दवे और उनकी 10 संगठनों के कार्यकर्ताओं के द्वारा बनाया गया वर्ल्ड रिकॉर्ड महिलाओं को महावारी (मासिक धर्म) के प्रति सुरक्षित तथा उनको को स्वस्थ के प्रति जागरूक करने के करने के उद्देश्य 135 दिनो में 11 पैडयात्रा,11 स्थानों पर और 10 शहरों के द्वारा दुनिया भर में पैडयात्रा आरंभ की गई जिसको 25 सितंबर 2021 दिल्ली से आरंभ की गई जिसमें 6 फरवरी 2022 तक 135 दिनों में 11 पैडयात्रा कराई गई है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश झुग्गी झोपड़ियों में रह रही महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति और महावारी से संबंधित बीमारी से जागरुक करना रहा साथ ही साथ बालिकाओं को भी इन बीमारियों से जागृत करने के उद्देश्य पैड वितरण भी किया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं तथा बच्चियां अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हो सके। 135 दिनों में 11 स्थानों पर 11 पैडयात्रा तथा 10 शहरों में कराना अपने आप में ही सराहनीय कार्य है। जिसका एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। यह रिकार्ड अंतर्राष्ट्रीय पैडमैन लीजेंड लीडर प्रोफेसर डॉ.बीरेन दवे जी और उनकी 10 संगठनों के द्वारा बनाया गया। जिसको ग्रेस लेडीस ग्लोबल बुक ऑफ रिकॉर्ड में मान्यता दी गई। इस रिकॉर्ड को 6 फरवरी को दर्ज कराया गया। जिसके लिए डॉ. वीरेन दवे जी ने सोना पांडे जी का आभार व्यक्त किया। रिकॉर्ड दर्ज होते ही डॉ. वीरेन दवे जी को दुनिया भर से उनके प्रशंसकों के द्वारा बधाइयां प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर डॉ. बीरेन दवे जी पैडयात्रा निरंतर उनकी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के द्वारा चलती रहेंगी जो ना केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर महिलाओं को महामारी के प्रति जागरूक करने के तथा उन्हें स्वस्थ रखने के उद्देश्य की जाएंगी।

**किडनी स्टोन से जुड़ी भ्रांतियां**

# घबरायें नहीं, तरल पदार्थ का ज्यादा सेवन करें

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** बदलते लाइफस्टाइल के कारण किडनी स्टोन की समस्या आजकल बहुत ही आम हो गई है। पथरी को लेकर लोगों के दिमाग में बहुत सारी काल्पनिक धारणा बनी हुई हैं जिसको लेकर नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ. मधुसूदन पाटोदिया, कंसलटेंट-यूरोलोजी एवं किड्नी ट्रांसप्लांट बताते हैं कि, रिसर्च के अनुसार शरीर में पानी की कमी पथरी होने का मुख्य कारण है। दरअसल, यूरिनरी एसिड को शरीर में पतला करने के लिए पर्याप्त पानी चाहिए होता है और ऐसा न होने पर मूत्र अधिक एसिडिक बन जाता है। यह एसिडिक तत्व गुर्दे में पथरी बनने का मुख्य कारण होता है। पथरी को बनने से रोकने के लिए अधिक से अधिक मात्रा में तरल पदार्थो का सेवन करें और अपने खान-पान में अधिक सोडियम से परहेज करें।

#### पथरी एवं बीज युक्त फल का संबंध

डॉ. मधुसूदन पाटोदिया ने बहुत पुरानी धारणा को गलत बताते हुए बताया की पथरी के बनने में बीज युक्त फल और सब्जियों का कोई असर नहीं होता है और ना ही कोई फल और सब्जी का सेवन करने से पथरी खत्म हो सकती है।

#### कैल्शियम स्टोन्स एवं दूध का संबंध

कई लोगों में कैल्शियम स्टोन्स बनते हैं और इस कारण वह दूध पीना बंद कर देते हैं लेकिन यह गलत है क्योंकि दूध शरीर के लिए बेहद गुणकारी है। दरअसल, दूध में कैल्शियम होता है जो पाचन तंत्र में जाकर ऑक्सलेट को बांधकर बाहर निकालने का काम करता है। अगर शरीर में कैल्शियम नहीं जाएगा तो ऑक्सलेट स्टोन बनाकर ज्यादा परेशानी शरीर को देगा इसलिए शरीर में कैल्शियम का जाना बहुत जरूरी है।

#### पथरी एवं बीयर का संबंध

लगातार बीयर का सेवन करना पथरी बनने का कारण हो सकता है, इसीलिए बीयर की जगह पर नींबू पानी, ऑरेंज जूस पीना चाहिए क्योंकि यह शरीर में सिट्रेट एसिड बनाता हैं जो सही रूप से पथरी को बनने से रोकता है।

#### सर्जरी के पश्चात फिर से पथरी बनने की भ्रांति

एंडोस्कोपी सर्जरी के बाद फिर से पथरी बनने को भ्रांति बताते हुए डॉ. मधुसूदन पाटोदिया, कहते है की, एंडोस्कोपी सर्जरी एक एडवांस सर्जरी है जिससे स्टोन को तोड़कर पूरी तरह से बाहर निकाल दिया जाता है और जो रेत होती है उसे पानी से बहा दिया जाता है ताकि कोई मामूली कण भी शरीर में ना रहें। किसी भी सर्जरी का पथरी से वापस बनने से कोई संबंध नहीं है क्योंकि सर्जरी से एक बार के लिए पथरी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाता है और अगर इसके बाद फिर से पथरी की शिकायत आती है तो उसमें आपके खाने-पीने का असर हो सकता है। पथरी के मामले में कई बार किसी भी प्रकार की समस्यां नहीं होती यानि ना दर्द महसूस होता है, न ही कोई चुभन, लेकिन रिसर्च के अनुसार इस तरह का स्टोन धीरे-धीरे किडनी को नुकसान पहुंचाता है जो आगे चलकर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है इसलिए पथरी का पता लगते ही डॉक्टर को दिखा कर उपचार शुरू करवाना अनिवार्य है।

**नगर पालिका अध्यक्ष सैनी ने किया महाविद्यालय में लगे बोरवेल का शुभारंभ**

# महाविद्यालय में नहीं रहेगी पानी की कमी- विष्णु कुमार सैनी

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चौमूं।** मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में नगरपालिका अध्यक्ष विष्णु कुमार सैनी ने बोरिंग का शुभारंभ करवाया। प्राचार्य शम्भु दयाल गुप्ता ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष ने बोरवेल की विधिवत पूजा अर्चना कर स्टार्टर का बटन दबा कर शुभारंभ किया। नगरपालिका अध्यक्ष सैनी ने कहा कि महाविद्यालय से प्रस्ताव प्राप्त होने पर बोरिंग की स्वीकृति दी जाकर पूर्व में कार्यारम्भ किया गया था। जिसका कार्य पूर्ण होने पर शुभारंभ किया गया है। बोरवेल के पानी से छात्राओं को तथा महाविद्यालय परिसर में लगे पेड़ पौधों को उचित मात्रा में पानी मिल पाएगा। अब पानी की कमी नही रहेगी। साथ ही सैनी ने कहा महाविद्यालय के लिए किसी भी कार्य के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहेगी तथा आगे भी इसी तरह विकास के कार्य जारी रहेंगे। इससे पूर्व प्राचार्य गुप्ता ने सैनी का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा पार्षद सायर सिंह तंवर, पार्षद राजेन्द्र कुमार सैनी, पार्षद प्रतिनिधि प्रहलाद गुलिया का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. सुमन कुमार शर्मा, डॉ. अनिता मीणा, डॉ. तौफिक हुसैन, डॉ. मीनाक्षी जैन, डॉ. दीपाली जैन, डॉ. अलका त्रिपाठी, डॉ. अनिता कुमावत, डॉ. नीलम शर्मा, डॉ. अंजू मित्तल, डॉ. उषा परनामी, राजेश्वरी देवी राठौड़, डॉ. माधुरी गोस्वामी, रामगोपाल बुनकर, डॉ. सांवरमल जाट, शिव सैनी आदि द्वारा नगर पालिका चेयरमैन का इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

# गांधीवादी सुबाराव जी की जयंती पखवाड़े का शुभारंभ

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चौमू।** शहर के मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में आजादी के 75 वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृंखला में प्रसिद्ध गांधीवादी सुबाराव जी की जयंती पखवाड़े का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शंभु दयाल गुप्ता द्वारा किया गया। डॉ गुप्ता ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को स्वतंत्रता के महत्व से अवगत करवाया। युवा पखवाड़े के अंतर्गत गांधी अतीत नहीं भविष्य भी है विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। महाविद्यालय, जिला व राज्य स्तर पर प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इस अवसर पर डॉक्टर तोफिक हुसैन ने पखवाड़े के अंतर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों से छात्राओं को अवगत करवाया। डॉ. सांवरमल जाट ने छात्राओं को गतिविधियों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के विषय में बताया। इस अवसर पर कम्प्यूटर अनुदेशक शिव सैनी की सक्रिय भागीदारी रही।

**बजट सत्र 2019-20 की घोषणाएं भी अभी तक पूरी नहीं**

# सरकार घोषणाएं करती है काम नहीं-रामलाल

**विधायक रामलाल शर्मा ने प्रदेश में सरकार द्वारा की गई प्रत्येक पंचायत समिति में नंदी शाला खोलने की घोषणा पर विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से उठाया मुद्दा, गोपालन मंत्री ने माना कि प्रदेश में अभी तक एक भी नंदीशाला की नहीं की गई स्थापना**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चौमूं।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार द्वारा 2019-20 में प्रदेश कि प्रत्येक पंचायत समिति में आवारा पशुओं की समस्या से निजात पाने के लिए नंदीशाला स्थापित करने की घोषणा पर मुद्दा उठाया। विधायक शर्मा ने प्रश्न के माध्यम से पूछा की सरकार द्वारा प्रत्येक पंचायत समिति में नंदीशाला खोलने की घोषणा सरकार द्वारा की गई थी, यदि हां, तो प्रदेश में विगत 3 वर्षो में कितनी पंचायत समितियों में नंदीशालाए खोली गई और उन नंदीशालाओं के लिए कितना बजट आवंटित किया गया? विधायक शर्मा के जवाब पर गोपालन मंत्री ने बताया कि बजट 2019-20 में प्रत्येक पंचायत समिति पर नंदीशाला स्थापित करने की घोषणा की गई थी और बजट 2021-22 में इस कार्य को और व्यापक रूप से करने की दृष्टि से नंदीशालाओं को राशी 1.50 करोड रुपए के मॉडल के आधार पर बनाए जाने की घोषणा की गई है। वर्तमान में प्रदेश में पंचायत समिति स्तरीय नंदीशालाओ की स्थापना शून्य हैं। विधायक रामलाल शर्मा के सवाल पर गोपालन मंत्री ने माना कि राज्य सरकार द्वारा अभी तक एक भी पंचायत समिति स्तर पर नंदीशाला की स्थापना नहीं की गई है। गोपालन मंत्री ने बताया कि पंचायत समिति में नंदीशालाओं के लिए 111.91 करोड़ की राशि का प्रावधान रखा गया है, जिला गोपालन समितियों द्वारा नंदीशाला संचालन करने वाली संस्था का चयन करने हेतु निविदा की कार्यवाही प्रक्रियाधीन होने के कारण वर्तमान तक प्रदेश में एक भी नंदीशाला नही खोली गई है। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा अभी तक बजट 2019 की घोषणाएं भी पूरी नहीं की गई है और सरकार सिर्फ घोषणाएं करती है, धरातल पर काम नहीं करती है।

# सही ईलाज मिलने पर 85% बच्चें सही हो जाते है

**पीडियाट्रिक कैंसर**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** जयपुर के रहने वाले 6 साल के बिट्टू को अचानक सिर में तेज दर्द और वजन घटने की शिकायत होने लगी तो घरवालों को लगा की शारीरिक परिवर्तन की वजह से ऐसा हो रहा है, लेकिन यह जब लगातार 1 महीने तक होता रहा तो घरवालों ने उसकी आँखों की जाँच करवायी कि शायद सर दर्द इसकी वजह से हो रहा हो लेकिन ऐसा नहीं था। उसके बाद वें उसे सटीक डायग्नोसिस के लिए नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जयपुर लायें जहां पता चला कि वह ल्यूकेमिया कैंसर यानी बच्चों में होने वाले कैंसर की शुरूआती स्टेज पर है। बच्चों में सबसे अधिक ल्यूकेमिया कैंसर देखने को मिलता हैं। ल्यूकेमिया की बीमारी में हड्डियों में तेज दर्द, जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या भी देखने को मिल सकती है। दुनिया में सबसे खतरनाक बीमारियों में से एक कैंसर है जिसकी कोई उम्र नहीं होती। यहां तक कि कैंसर बच्चों को भी होना आम हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनिया भर में हर साल लगभग 2,15,000 कैंसर के मामले सामने आते हैं जिनमें से ज्यादातर मरीज 15 साल से कम उम्र के होते हैं। भारत में 5 से 14 साल की उम्र के बच्चों की मौत होने का 9वां सबसे आम कारण कैंसर है।

नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जयपुर के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ रोहित स्वामी ने बताया कि, बच्चों में होने वाले कैंसर का अक्सर शुरुआती चरणों में पता लगाना मुश्किल होता है क्योंकि कैंसर संबंधित संकेत और लक्षण अविशेष होते हैं और अन्य सामान्य लक्षणों के समान होते हैं जिनमें अंतर पहचाना मुश्किल होता है। बच्चों के कैंसर की प्राथमिक देखभाल बहुत ही अच्छे तरीके से होना जरूरी है जिसके लिए हमें एक अच्छे ऑन्कोलॉजिस्ट (कैंसर विशेषज्ञ) की सलाह लेनी चाहिए क्योंकि इससे शुरुआती स्टेज पर ही बीमारी को अच्छे से समझा जा सकता हैं और इसका इलाज सही रूप से किया जा सकता हैं। बच्चों में होने वाले कैंसर में सबसे अधिक ब्लड एंड बोन मैरो, ब्रेन एंड नर्वस सिस्टम, लिवर, आईज एवं लिम्फ नोड्स, किडनी बोन एंड सॉफ्ट टिश्यू कैंसर शामिल है। इसके अलावा अन्य प्रकार के कैंसर बच्चों की उम्र के आधार पर अलग-अलग होते हैं। जैसे कि, न्यूरोब्लास्टोमा (तंत्रिका कोशिका ट्यूमर) और किडनी ट्यूमर आमतौर पर जन्म और चार साल की उम्र के बीच के बच्चों में होते हैं। ल्यूकेमिया कैंसर 10 साल से कम उम्र के बच्चों में सबसे ज्यादा होता है। इविंग सरकोमा, हॉजकिन लिंफोमा और थायरॉइड कैंसर 10 साल से ज्यादा आयु के बच्चों में सबसे ज्यादा देखने को मिलता हैं।

कैंसर से पीड़ित बच्चे को किस प्रकार का उपचार देना चाहिए, यह कैंसर के प्रकार और यह कितना खतरनाक है इस पर निर्भर करता है। सामान्य उपचारों में सर्जरी, कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और स्टेम सेल प्रत्यारोपण शामिल हैं। युवाओं की तुलना में बच्चों में कीमोथेरेपी जैसे इलाज के प्रति सहनशीलता ज्यादा होती है और बच्चों के कैंसर में इलाज दर भी युवाओं के कैंसर की तुलना में काफी बेहतर है। सही ईलाज मिलने पर पीडियाट्रिक कैंसर से पीड़ित 80-85% बच्चें पूर्णतः सही हो जाते है और पिछले कई सालों में सफलता दर में काफी सुधार हुआ है।

नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ रोहित स्वामी का कहना है कि एक ऑन्कोलॉजिस्ट द्वारा बच्चे का ठीक से मूल्यांकन किया जाना बहुत जरूरी है और यदि बच्चा ऊपर बताए गए किसी भी लक्षण को महसूस कर रहा है और अगर बच्चे को कैंसर डायग्नोस होता है तो ज्यादा चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि अब कैंसर का उपचार उपलब्ध है और बच्चों में होने वाले कैंसर का इलाज दर युवाओं की तुलना में सबसे अधिक है और साथ ही युवाओं की तुलना में उपचार के दुष्प्रभावों के प्रति सहनशीलता भी बच्चों में अधिक देखी जाती है।

## जागरूक खबरें

### राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान संघ ने चारागाह भूमि पर कारागृह नहीं बनवाने का ज्ञापन सौंपा

**चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता।** ग्राम जालमपुरा में चारागाह भूमि पर केंद्र/राज,सरकार के अधीन जिला कारागृह बनाने के लिए ग्राम जालमपुरा चरनोट चारागाह भूमि पर कारागृह बनाने जाने की आदेश प्रदान किए हुए थे जिलाध्यक्ष राजू अग्रवाल शंभूपुरा ने कहा कि उदयपुर संभाग महामंत्री मुकेश दास वैष्णव के नेतृत्व में कलेक्टर के नामअतिरिक्त जिला कलेक्टर, रतन कुमार स्वामी को चनोट भूमि पर कारागृह नहीं बनाने का ज्ञापन सौंपा और मांग की व चारागाह भूमि पर कारागृह बनाए जाने से गौ माता के चरने के लिए जगह भी नहीं बचेगी गोवंश भूख मरने की नौबत आ जाएगी जिससे भारी संकट पैदा हो सकता है समस्त आवारा पशु ग्राम वासियों की कृषि भूमि पर फसल को नष्ट,करेंगे जिला महामंत्री गोपाल शर्मा चंदेरिया, इस्माइल खान, दीपक वैष्णव भंडारिया, करण सिंह जाट सोहन शर्मा राजू कुमावत कई कार्यकर्ताओं ने चरनोट भूमि पर कारागृह जेल को बनने से नहीं रोका गया तो पूरे राजस्थान में राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान संघ के बैनर तले आंदोलन किया जाएगा।

### चितलवाना ने रचा इतिहास, वितरित किए 509 आवासीय पट्टे

**सांचौर @ जागरूक जनता।** चितलवाना उपखंड क्षेत्र की चितलवाना ग्राम पंचायत में प्रशासन गांव के संग अभियान के तहत ग्राम पंचायत चितलवाना में सर्वाधिक 509 पट्टे पंजीयन करवा कर वितरण करने में पूरे जिले में अपना टॉप स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विकास अधिकारी जगदीश बिश्नोई ने बताया कि पट्टे प्राप्त कर ग्रामीणों के चेहरों पर साथी खुशी की लहर। राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई के पुत्र सत्येंद्र साऊ ने बताया कि महिला सरपंच के अथक प्रयासों से जालौर जिले में सर्वाधिक ग्राम पंचायत चितलवाना में 509 पट्टे वितरित किए गए। जिसे हर ग्राम वासियों के चेहरे पर खुशी की लकीर सा गई वहीं बताया कि ग्राम पंचायत चितलवाना द्वारा हर संभव हर जन कल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में सरपंच का पूरा प्रयास रहता है। चितलवाना सरपंच प्रेमा देवी जगदीश गोदारा ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी के सहयोग से हमने 509 पट्टे आबादी भूमि के पंजीयन करवा करके मेरे ग्राम वासियों को सौंपा गया वहीं में हर संभव ग्राम वासियों के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं हर संभव ग्राम वासियों के लिए तैयार रहूंगी। आवासीय पट्टे मिलने से लाभार्थियों को अपने आवास का मालिकाना हक मिला है जिससे इन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं सहित ऋण आदि का लाभ मिल सकेगा। इस कार्यक्रम के मौके पर चितलवाना राव लोकेंद्र सिंह,पूर्व उप प्रधान लख्मीचंद गांधी, सीईबीओ मंगलाराम खोखर,पशु चिकित्सा अधिकारी पंकज विश्नोई, आयुर्वेद हॉस्पिटल प्रभारी जालम गिरी, चितलवाना पटवारी अंबाराम,चितलवाना ग्राम विकास अधिकारी अशोक माली, पंचायत प्रसार अधिकारी धौलाराम,चितलवाना उपसरपंच सावलाराम, लाखाराम राजपुरोहित, अंबाराम चौधरी, राजाराम चौधरी, शंकरा राम माली, सोनकर महाराज, गोवर्धन माली, विजय वार्ड पंच, उदाराम, सदराम समेत गांव के कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

**509 पट्टे पंजीयन करवा कर लाभार्थियों को वितरित कर जिले में प्रथम स्थान पर पाया स्थान**

### ऑनलाइन बसंत पंचमी साहित्यिक महोत्सव आयोजित

**लुधियाना @ जागरूक जनता।** पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा पावन पर्व बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में ऑनलाइन बसंत पंचमी साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'बसंत पंचमी का महत्व' रखा गया। इस महोत्सव में अर्चना वर्मा (क्यूबेक, कनाडा) सहित देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया तथा एक से बढ़कर एक बसंत के महत्व तथा विशेषता पर आधारित अपनी बेहतरीन रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। कुछ प्रतिभागी रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के द्वारा माता सरस्वती की वंदना कर महोत्सव को भक्तिमय बना दिया। महोत्सव में कुसुम अशोक सुराणा (मुंबई, महाराष्ट्र), ममता रिछारिया (हरदा, मध्य प्रदेश) और शिप्रा गुप्ता (हरिद्वार, उत्तराखंड) की रचनाओं ने सभी का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत साहित्य बहार' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने सभी उत्साहवर्धन किया। महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम डॉ. उमा सिंह बघेल, शिप्रा गुप्ता, मुक्ता श्रीवास्तव, कुसुम अशोक सुराणा, चंचल जैन, अर्चना वर्मा, सुनीता सोलंकी 'मीना', संध्या रामप्रीत, रेखा रतनानी, मीता लुनिवाल, ममता रिछारिया, सीमा मोटवानी रचनाकारों के रहे।

### पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन, युवाओं ने दिलाया संकल्प

**कनीना @ जागरुक जनता।** बीएमडी फाउंडेशन के कनीना कार्यालय पर आईवाईसी हल्का अध्यक्ष नीरज यादव ने पौधारोपण करके जन्मदिन मनाया। पर्यावरण प्रेमी नीरज यादव ने अपने पर्यावरण संदेश में कहा कि हम सभी को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बनाना चाहिए ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ वातावरण दे सकें। फाउंडेशन के चेयरमैन लक्की सिगड़ा ने लोगों को हर खुशी के अवसर पर पौधरोपण करने तथा पेड़ बनने तक उनकी संभाल करने की अपील की। इस दौरान पवन, बलवान, ललीत यादव, बब्बन सिंह, दीपक यादव, राजेश आदि मौजूद रहे।

---

पड़दादा का सपना पूरा करने आया ज्वेलर, बाबा रामदेव की समाधि पर चढ़ाई 170 किलो चांदी

# समाधि पर चढ़ाया 1 करोड़ का घोड़ा

**तीन वर्ष पूर्व ही बनवा लिया था घोड़ा, कोविड़ के कारण आ नहीं पाए समाधि पर**

**150 किलो के बड़े घोड़े के साथ 20 किलो का एक छोटा चांदी का घोड़ा भी चढ़ाया**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**रामदेवरा/ जैसलमेर।** लोक देवता बाबा रामदेव की समाधि पर शनिवार को जालोर जिले से आए भक्तों ने चांदी से बना घोड़ा चढ़ाया। करीब 150 किलो वजनी एक घोड़ा और 20 किलो चांदी के घोड़े को देखने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। रामदेव बाबा की समाधि पर घोड़ा चढ़ाने आए ओमप्रकाश खात्री पेशे से ज्वेलर हैं। वे बताते हैं कि उनके पड़दादा को सपना आया था बाबा को घोड़ा चढ़ाने का। उसी सपने को हमने पूरा करने कि ठानी और शनिवार को रामदेवरा में बाबा की समाधि पर चांदी के दोनों घोड़े भेंट किए।

#### रामदेवरा में उमड़ी भीड़

**चांदी** का आदमकद घोड़ा रामदेवरा में आया तो लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। लोग बड़ी संख्या में चांदी के घोड़े को देखने उमड़ पड़े। लोग घोड़े के साथ फोटो लेने लगे तथा ओमप्रकाश खत्री की भक्ति को नमन किया। लोगों का कहना था कि पड़दादा के सपने को पूरा करने परपौता आया है ये आज के जमाने में देखने को कहां मिलता है।

#### सोने-चांदी के व्यापारी है ओमप्रकाश खत्री

**रामदेवरा** अपने परिवार के साथ आए ओमप्रकाश खत्री ने बताया कि वे जालोर के छोटे से गांव गुड़ा बालोतान तहसील आहोर के रहने वाले हैं तथा मुंबई में उनका सोने-चांदी का काम है। बाबा के प्रति उनके परिवार की अटूट श्रद्धा है। घर में बताया जाता है कि हमारे पड़दादा को सपना आया था कि बाबा की समाधि पर घोड़े भेंट करें। करीब 150 किलो के बड़े घोड़े के साथ 20 किलो का एक छोटा चांदी का घोड़ा भी चढ़ाया है। उनके पड़दादा के सपने पर उनके दादा की मन्नत थी जिसको आज हमने पूरा किया है। उन्होंने बताया कि घोड़े को बनाए हुए तीन साल हो गए हैं, लेकिन कोविड के कारण चढ़ा नहीं पाए। शनिवार को उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ रामदेवरा आकर घोड़े को समाधि पर चढ़ाया। घोड़े की कीमत बताने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि मन्नत का घोड़ा है कीमत नहीं बता सकते। जैसलमेर के ज्वेलर हरीश सोनी ने बताया कि दोनों घोड़ों की कीमत 90 लाख से 1 करोड़ के बीच है।

---

अरबन बैंक की बडीसादड़ी शाखा ने 7वां स्थापना दिवस मनाया

# ग्राहक संतुष्टि ही मुख्य ध्येय-वन्दना

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चितौड़गढ़।** वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का समय है। इस प्रतिस्पर्धा के समय में ग्राहक को संतुष्ट करते हुए संकल्प - 2025 की ओर बढना है। ग्राहक की संतुष्टि ही बैंक का प्रमुख ध्येय है। ग्राहकों को त्वरित समस्त तकनीकी युक्त सुविधाएं बैंक सदस्यों, ग्राहकों को उपलब्ध कराई जा रही है। ये विचार बडीसादडी शाखा के 7वें स्थापना दिवस पर बैंक की प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये। इस अवसर पर ग्राहकों को समस्याओं का त्वरित समाधान भी किया गया। विशिष्ट अतिथि एडवोकेट पंकज मेहता एवं सीए ललित मारू ने भी बैंक की प्रगति पर संतोष व्यक्त किए। समारोह में बैंक के महाप्रबन्धक दिनेश खण्डेलवाल एवं प्रबन्धक प्रशासन जे.पी. जोशी ने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं शाखा में मिले इसके लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। सभी शाखाओं में व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण महाअभियान के तहत् बडीसादडी शाखा में बैंक के संस्थापक अध्यक्ष एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. आई.एम. सेठिया द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। कोरोना गाईडलाईन की अनुपालना के साथ हुए कार्यक्रम के प्रारम्भ में शाखा प्रबन्धक वैभव पोरवाल ने स्वागत उद्बबोधन दिया। स्टॉफगण संजय कुमार शर्मा, राजेश साहू, मुकेश लढ़ा एवं जगदीश मीणा सहित सम्मानीय ग्राहक लक्ष्मीलाल स्वर्णकार, दिलीप मेहता, संदीप जी मेहता, जगदीश सोनी, जगदीश नारायणीवाल, प्रदीप चौहान, जगदीश मेहता, जगदीश स्वर्णकार, भगवतीलाल जणवा, दिनेश साहू, राकेश मेहता, धनराज शर्मा आदि ने बैंक की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के बारे में सुझाव दिये एवं बैंक की सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया।

## लाख युवाओं को किया चीट, अब इन्हें डर लगता है सुनकर "रीट"- शेखावत

**जयपुर/ जोधपुर @ जागरूक जनता।** केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रीट पेपर लीक मामले से संबंधित सवालों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसा है। शेखावत ने कहा कि सवाल से कांपती सरकार। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री और उनके ओएसडी का वीडियो ट्वीट कर कहा कि 16 लाख युवाओं को किया चीट, अब इन्हें डर लगता है सुनकर रीट। सीएम साहब को रीट पर सवालों से शर्मिंदा होने से बचाने का इंतजाम प्रेसवार्ता से पहले ही कर लिया गया, लेकिन मीडिया के कैमरों से कुछ नहीं छिपता। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कब तक बचोगे गहलोत जी।

#### फसलों को हुई हानि की तुरंत गिरदावरी कराएं

**शेखावत** ने बेमौसम बरसात से फसलों को हुई हानि की तुरंत गिरदावरी कराने की मांग की है। ट्वीट कर शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से निवेदन किया कि बेमौसम बरसात से फसल हानि पर नजर रखने एक विभागीय टीम बनाएं। इससे नुकसान का त्वरित आकलन हो सकेगा। आप तुरंत गिरदावरी करवा मुआवजे की व्यवस्था कर किसानों को चिंतामुक्त करें।

---

नगरपालिका का वित्तीय वर्ष 2022-23

# 98.522 करोड रूपये का बजट पारित

**राष्ट्रीय दशहरा मेले के लिए 1.50 करोड का प्रावधान**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**निम्बाहेड़ा।** नगरपालिका सभागार में वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रस्तावित बजट को लेकर पालिकाध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई जिसमें 98.522 करोड रूपये का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बजट में वर्ष 2022 के राष्ट्रीय दशहरा मेले के लिए 1.50 करोड का प्रावधान किया गया। अधिशाषी अधिकारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि बजट में राजस्व आय 47.722 करोड रूपये, पूंजीगत आय 50.80 करोड कुल 98.522 करोड रूपये की आय का अनुमान है, जबकि व्यय मद में राजस्व व्यय 27.138 करोड व पूंजीगत व्यय 76.80 करोड का अनुमान प्रस्तावित है।

उन्होने बताया कि बजट में प्रस्तावित आज के मुख्य स्त्रोत में नगरीय विकास कर, विकास शुल्क, बायलॉज, उपनियमो से आय, लीज प्रीमियम, भूमि एवं दुकान विक्रय, चुंगी पुर्नभरण अनुदान, केन्द्र एवं राज्य सरकार अनुदान एवं जन सहभागिता अंशदान शामिल है, जब कि प्रमुख व्यय मद में कर्मचारियों के वेतन भत्ते, नागरिको को मुलभूत सुविधाए उपलब्ध करावाना यथा सडक, नाली, पानी, बिजली, शहर की सफाई व्यवस्था, राष्ट्रीय दशहरा मेला, त्योहारो एवं विकास कार्यो सहित सामुदायिक सेवाओं पर होने वाले व्यय शामिल है। बजट में मुलभूत सुविधाओं के व्यय के क्रम में पालिका स्त्रोत पर सफाई व्यवस्था के लिए 2 करोड, बिजली व्यवस्था एवं लाईन विस्तार पर 1.62 करोड, उद्यान रखरखाव एवं जल वितरण व्यवस्था पर 70 लाख, सामुदायिक शोचालय रखरखाव मरम्मत के लिए 40 लाख, सफाई उपकरण एवं वाहन क्रय के लिए 100 लाख एवं कर्मचारियों के वेतन भत्तो पर 1550 लाख रूपये के प्रावधान निहित है। इसी प्रकार पालिका से निजी आय से विकास कार्यो के क्रम में उद्यान एवं पार्क निर्माण कार्य के लिए 7 करोड, शहरी गरीबो के लिए विकास कार्य (बीएसयूपी) के लिए 5 करोड व पेयजल, सीवरेज, सडक एवं पूल मरम्मत, नाली निर्माण एवं अन्य कार्यो के लिए 32 करोड, सामुदायिक एवं भवन निर्माण के लिए 3 करोड़ , दुकान निर्माण कार्यो के लिए 1 करोड के प्रावधान निहित किए गए है। सदन में प्रस्तावित बजट के आय व्यय सहित बजट में शामिल किए गए प्रावधानो को सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में पालिका उपाध्यक्ष परवेज अहमद (शिब्बी), बंशीलाल राईवाल, रविप्रकाश सोनी, अतीक खां, सलीम चाचा, मनोज पारख, प्रदीप पोरवाल (रोमी), खेमराज कुमावत, मोहम्मद कुरेशी, शमशु कमर, भानू प्रतापसिंह, जावेद खान, ओमप्रकाश शर्मा, राधाकिशन गवारियां, पुष्पा वच्छानी, फिरदोस बी, निलोफर मेव, राजेश सांड, तबस्सुम शाह, राजू भील, खेमराज मेघवाल, आजाददेवी नागोरी, रूचि बाहेती, मनोनीत पार्षद शबाना खान, ओमप्रकाश बाहेती, अक्षय मारू, मुकेश मेघवाल, माणक साहू उपस्थित थे। नगरपालिका अध्यक्ष सुभाचन्द्र शारदा द्वारा शहर में हो रहे सौदर्यीकरण एवं विकास कार्यो के लिये मंत्री उदयलाल जी आंजना का आभार व्यक्त किया। बैठक के अंत में स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेश्कर के निधन 2 मिनिट का मौन रखा गया।

---

ANCHOR सौन्दर्यीकरण

# कोटा में तैयार हो रही जैसलमेर के सालिम सिंह हवेली

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**कोटा।** नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा को पर्यटन नगरी बनाने के लिए किए जा रहे विकास और सौंदर्यीकरण के कार्यों के तहत मरूप्रदेश के पर्यटन को नए आयाम देने के लिए जहां चंबल रिवर फ्रं ट, ऑक्सीजोन सिटी पार्क जैसे प्रोजेक्ट अपना आकार ले रहे है। वही देशी-विदेशी पर्यटकों को कोटा के हैरीटैज के साथ-साथ रेगिस्तान के हैरीटैज से भी मुखाबित करवाने के लिए जैसलमेर की बेजोड स्थापत्य कला का नमूना सालिम सिंह की हवेली का मॉडल भी कोटा में तैयार हो रहा है। नगर विकास न्यास इसे तैयार करवा रहा है। जैसलमेर से आए कारीगर इस खूबसूरत मॉडल को बनाने में जुटे हुए है। नगर विकास न्यास ने सीवी गार्डन एवं किशोर सागर तालाब के बीच इस बेहद खूबसूरत हवेली के मॉडल का निर्माण करवा रहा है।

#### 7.33 करोड़ होंगे खर्च

**नगर** विकास न्यास के सचिव राजेश जोशी ने बताया कि इसका निर्माण 7.33 करोड़ के बजट से करवाया जा रहा है। जैसलमेर स्टोन पर खूबसूरत नक्काशी के साथ 5 मंजिला हवेली के मॉडल का निर्माण कार्य गतिशील है। जैसलमेर से आए कारीगर पत्थर पर बेजोड़ कलात्मक कारीगरी कर इस खूबसूरत इमारत को अंजाम तक पहुंचाने में जुटे हुए है।

#### ऐसी बनेगी हवेली

17 मीटर उंची और 9 गुणा 12 इसका साइज है। जिसमें आकर्षक झरोखे, मेहराब, छतरियां, झूमर, तोडियां, आकर्षक लाइटिंग सालिम सिंह की हवेली के मॉडल को आकर्षक करेगी और चंबल किनारे कोटा में रेगिस्तान के हैरीटैज के दर्शन पर्यटकों को हो सकेंगे। इस आकर्षण मॉडल में पर्यटकों के लिए सीढियां और लिफ्ट दोनों सुविधाएं मुहैया करवाई जाएगी।

#### ये कारीगर कर रहे तैयार

**जैसलमेर** से कोटा सालिम सिंह की हवेली का मॉडल तैयार करने आई टीम के सदस्य इस्बाब खान बताते है कि हेरिटेज लुक के साथ सालिम सिंह की हवेली के मॉडल का निर्माण किया जा रहा है। कोटा के साथ-साथ जैसलमेर में भी करीब 25 कारीगर जैसलमेर स्टोर पर आकर्षक कलात्मकता के साथ मॉडल पर लगाए जाने वाले स्टोन पर महीन कारीगरी कर मॉडल को हुबहू बनाने में जुटे हुए है। इस्बाब ने बताया कि कोटा से पूर्व उनकी टीम ने जैसलमेर के साथ जयपुर, कोलकाता, उदयपुर सहित देश में कई जगहों पर जैसलमेर स्टोन पर कलात्मक कारीगर कर कई खूबसूरत इमारतों का निर्माण किया है। कोटा में बनाए जा रही यह इमारत भी राजस्थान के हेरिटेज का बखूबी अहसास पर्यटकों को कराएगी।

---

## न्युवोको ने की निवेश व विस्तार योजनाओं की घोषणा

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ।** न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एक प्रमुख निर्माण सामग्री निर्माता कंपनी और भारत में क्षमता के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी, ने भारतीय बाजार के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए अपनी स्थापित व्यापार रणनीति के साथ अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी अपने सभी बाजारों में सीमेंट की आपूर्ति को सुनिश्चित बनाए रखने को प्राथमिकता दे रही है। न्युवोको अपने बाजार आधार में विविधता लाने और व्यावसायिक जोखिम को कम करने की इच्छा के साथ सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है। रिस्दा और निंबोल सीमेंट प्लांट्स में क्लिंकर क्षमता बढ़ाने के लिए चल रही बाधाओं को दूर करने वाली परियोजनाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा, भिवानी, हरियाणा में ब्लेंडिंग यूनिट को उत्तर में डबल बुल सीमेंट ब्रांड के सफल लॉन्च और क्षेत्र में कंपनी के मौजूदा चैनल का लाभ उठाने के लिए ग्राइंडिंग यूनिट में अपग्रेड किया जाएगा। यह उत्तर भारत के काफी अधिक विकास वाले बाजारों में बढ़ रही मांग को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्रदान करेगा। साइट पर मौजूदा बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर सीमित पूंजीगत व्यय के साथ परियोजनाओं को चालू करने में तेजी लाने में मदद करेगा। डिबॉटलनेकिंग और अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट सामूहिक मात्रा में उपलब्धता को लगभग 2.4 एमटीपीए बढ़ा देंगे और इसमें लगभग 400 करोड़ रुपये के कुल पूंजीगत खर्च शामिल है। कंपनी अपने स्थिरता लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए रिस्दा और निंबोल सीमेंट संयंत्रों में वैकल्पिक ईंधन सामग्री प्रबंधन सुविधाएं स्थापित कर रही है। उक्त परियोजनाओं में करीब 50 करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च तय किया गया है। कंपनी में किए जा रहे नए निवेशों पर प्रतिक्रिया देते हुए चेयरमैन, न्युवोको विस्टास हीरेन पटेल ने कहा कि हाल के बजट ने भारत की विकास गाथा को एक प्रमुख बदलावकर्ता के रूप में बुनियादी ढांचे पर ध्यान देने के साथ फिर से जोर दिया है। गति शक्ति जैसी परियोजनाएं भारत को आर्थिक सफलता की राह पर ले जाने वाली मेगा बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को बहुत आवश्यक शक्ति, गति और दक्षता प्रदान करेंगी। भारत एक किफायती आवास मिशन पर भी आगे बढ़ रहा है। सीमेंट बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर और हाउसिंग सेक्टर का एक अभिन्न अंग है। न्युवोको में प्रस्तावित विस्तार योजनाएं हमारे प्रधान मंत्री के सतत और समावेशी विकास के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। हाल के निवेश न्युवोको के एक सुरक्षित, स्मार्ट और सस्टेनेबल निर्माण सामग्री कंपनी होने के दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। प्रबंध निदेशक, न्युवोको विस्टास जयकुमार कृष्णास्वामी ने कहा कि वित्त वर्ष 26 तक भारत में सीमेंट की मांग 6-7 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने का अनुमान है, हम लंबे समय में एक विकास के एक बड़े बदलाव के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। वैकल्पिक ईंधन सामग्री प्रबंधन सुविधाओं के प्रति हमारा निवेश एक स्थायी भविष्य के प्रति हमारी अथक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे वर्तमान विकास निवेश हमें देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में मुख्य रूप से अवसरों का लाभ उठाने में मदद करेंगे, जबकि ये प्रयास पूर्व में हमारे नेतृत्व की स्थिति को और मजबूत करेंगे।

## अग्र रत्न सम्मान से नवाजे गए समाजसेवी राजकुमार मित्तल

**देहरादून @ जागरूक जनता।** उत्तराखंड की महाराजा अग्रसेन विद्यापीठ ने कोलकाता के समाजसेवी राजकुमार मित्तल को अग्ररत्न सम्मान से सम्मानित किया है। मित्तल को महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों पर स्थापित होने जा रहे महाराजा अग्रसेन विद्यापीठ देहरादून (उत्तराखंड) मे समाजवाद के प्रथम प्रणेता युग पुरुष एवं महादानी महाराजा अग्रसेन जी के आदर्श एक ईंट एक रूपया पर आधारित अग्ररत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

## किवरली की बेटियों ने जिले का बढ़ाया मान

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**सिरोही।** किवरली की मुस्कान पुरोहित एवं पूनम राज पुरोहित राष्ट्रीय कूडो चैंपियनशिप मे सिरोही कूडो टीम के साथ हिमाचल प्रदेश के लिये रवाना हुई। 14 फरवरी से 20 फरवरी तक, सोलेन, हिमाचल प्रदेश, मे होने वाली 2 राष्ट्रीय कूडो फेडरेशन चैंपियनशिप 2022 हेतु राजस्थान टीम की घोषणा कूडो मुख्यालय उदयपुर से की गई! सिरोही कूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मुख्य प्रशिक्षक सेंसई नारायण राजपुरोहित ने बताया कि सब जुनियर, जूनियर केडेट, सीनियर एवं वेटनेरस वर्गो के सभी भार वर्गो मे चयनित! राजस्थान दल मे सिरोही के महिला वर्गो मे मुस्कान पुरोहित एवं पूनम राज पुरोहित का कूडो 2 राष्ट्रीय कूडो फेडरेशन चैंपियनशिप मे चयन हुआ।

कूडो राजस्थान के अध्यक्ष एवं जापान से 6 डिग्री ब्लैक बेल्ट ग्रांड मास्टर शिहान् राजकुमार मेनारिया ने बताया कि, विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय मार्शल आर्ट कूडो को खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेलो मे शामिल किये जाने के बाद प्रथम एवं नियमित 12 वी राष्ट्रीय चैंपियनशिप होंगी। उन्होंने बताया कि कूडो मार्शल आर्ट के इस महासंग्राम मे भारत के लगभग 30 राज्य, एवं केंद्र शासित प्रदेशों के महिला- पुरुष, बालक- बलिकाओ का दल,अपने अपने वर्ग मे पदको पर अपना दावा पेश करेंगे! कूडो सिरोहो दल का नेतृत्व सेंसई नारायण राजपुरोहित करेंगे! राजस्थान टीम 13 फरवरी को कूडो मुख्यालय उदयपुर से सोलेन, हिमाचल प्रदेश के लिए समस्त कोविद् प्रोटोकॉल के साथ रवाना होगी।

### अयोध्या में होगा रामायण पर रिसर्च

# सीतामढ़ी में लगेगी सीता की सबसे बड़ी मूर्ति

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**लखनऊ।** रामायण कालीन नीतियों, मंत्रों और रामायण के सूत्रों को आधुनिकता की कसौटी पर कसने के लिए अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय रामायण रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना होगी। सीतामढ़ी में रामायण रिसर्च काउंसिल मां सीता की दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति स्थापना के साथ ही मां सीता के जीवन दर्शन पर अनुसंधान करेगा। इसके साथ ही आइआइटी कानपुर और आइआइटी वाराणसी रामायण कालीन मंत्रों की ध्वनियों और रसायन सूत्रों पर अनुसंधान करेगा। इससे प्राचीन ज्ञान का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो सकेगा।

### अंतरराष्ट्रीय रामायण रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना शीघ्र

अयोध्या में भव्य राममंदिर निर्माण के साथ ही कई अन्य प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यहां अंतरराष्ट्रीय रामायण रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना की जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि से सटे अमांवा राममंदिर परिसर में बन रहे इंस्टीटयूट में दुनिया भर में रामायण पर उपलब्ध विभिन्न भाषाओं की पांडुलिपियां संरक्षित होंगी। अमांवा राममंदिर के प्रमुख और पटना महावीर मंदिर के ट्रस्टी सेवानिवृत्त आइपीएस किशोर कुणाल इस परियोजना पर काम कर रहे हैं। किशोर कुणाल के अनुसार विश्व के करीब 120 देशों में राम और रामायण की मान्यता है। 70 से अधिक देशों में रामलीला का मंचन होता है। इन सभी देशों की संस्कृतियों कासंरक्षण, वाल्मीकि रामायण से लेकर संस्कृत व अन्य भाषाओं की रामायण पर रिसर्च की यहां व्यवस्था होगी। तमिल, तेलगू, कन्नड़, हिंदी, समेत अन्य भाषाओं में मौजूद रामकथा पर शोध के साथ ही यहां रिसर्च स्कॉलर होंगे जो सभी विषयों पर तुलनात्मक अध्ययन करेंगे।

### अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा रामायण पुस्तकालय

इंस्टीट्यूट में रामकथा व रामायण का पुस्तकालय भी बनेगा। यहां इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया, त्रिनिडाडा एवं टोबैगी, श्रीलंका समेत अन्य देशों में होने वाली रामायण व राम कथाओं का भी पुस्तकालय बनाया जाएगा।

### सबसे बड़ी मूर्ति सीतामढ़ी में लगेगी

उधर, रामायण रिसर्च काउंसिल सीतामढ़ी में माता सीता की विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा लगाने जा रहा है। श्री भगवती सीता तीर्थ क्षेत्र समिति 10 एकड़ के परिसर में मां सीता से जुड़ी चीजें विकसित करेगा। यह जानकारी काउंसिल के मुख्य मार्गदर्शक परमहंस स्वामी सांदीपेंद्र महाराज जो कि मध्यप्रदेश में नलखेड़ा स्थित बगलामुखी माता मंदिर प्रांगण के श्रीमहंत हैं, ने दी। मां सीता डॉट कॉम वेबसाइट के जरिए माता सीता से जुड़ी हर जानकारी दी जाएगी। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी वीरेंद्रानंद महाराज ने बताया कि पूरे विश्व में माता सीता के जीवन दर्शन का प्रसार किया जाएगा। इंस्टीट्यूट की पहली दो किताबें मार्च में प्रकाशित होंगी। पहली किताब का नाम रामो विग्रहवान धर्म और दूसरी किताब का नाम वाल्मीकि रामायण है।

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Silver Utensiles
Certified राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
»मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
»सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
»असाध्य घाव/शुगर के घाव
»कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
»अचानक बहरापन (Hearing Loss)
»डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

अपनी बंद पड़ी पॉलिसी को रियायती विलंब शुल्क के साथ पुनर्चलित करवाने का एक सुनहरा अवसर.
अवधि - 07.02.2022 से 25.03.2022
पात्र पॉलिसियों के लिए विलंब शुल्क में रियायत* ** नियम व शर्तें लागू

| कुल प्राप्य प्रीमियम | विलंब शुल्क में % रियायत | रियायत की अधिकतम सीमा |
|---|---|---|
| ₹ 1,00,000 तक | 20% | ₹ 2000 |
| ₹ 1,00,001 से ₹ 3,00,000 तक | 25% | ₹ 2500 |
| ₹ 3,00,001 व अधिक | 30% | ₹ 3000 |

*उच्च जोखिम वाले प्लान्स जैसे कि सावधि बीमा, बहु जोखिम पॉलिसियों आदि के लिए लागू नहीं.
**पॉलिसियों को अदा न किए गए पहले प्रीमियम की तिथि से 5 वर्षों के अंदर पुनर्चलित किया जा सकता है.
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप "MyLIC"
विज़िट करें: licindia.in
अधिक जानकारी के लिए अपने बीमा एजेन्ट/मंडलीय एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें
LIC India Forever
IRDAI Regn No.: 512
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
LIC/PRA/2021-22/45/Hin

Also Available at
SARVAM MART ALL NEEDS WITH GREAT DEALS
D Mart
METRO Cash & Carry
RelianceSMART
Reliancefresh
AADHAAR WHOLESALE CENTRE
NR Mart
Jio Mart
udaan
Flipkart
available at amazon
DealShare.in
For Trade Enquiries Call
Vithal Agarwal 8890330330
Pradeep Pareek 9530007111
Visti us at : www.shyamspices.co.in
Email: vithal@shyamspices.co.in

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

# जागरूक जनता

विश्वसनीय साप्ताहिक हिन्दी अखबार

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

माघ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पूर्णिमा, संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-51, 16 फरवरी - 22 फरवरी, 2022 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

## राजस्थान में रीट पर हंगामा

# भाजपा का हल्ला बोल

जागरूक जनता @ सभी फोटो रवि गौतम

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** रीट परीक्षा अनियमितता को लेकर चल रहा संग्राम कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भाजपा ने सदन से लेकर सड़क तक सरकार को घेर रखा है। परीक्षा में हुई धांधली की सीबीआई जांच की मांग को लेकर मंगलवार को भाजपा ने हल्ला बोला। विधानसभा कूच के दौरान पुलिस के रोकने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेरीकेड्स को तोड़ दिया। पुलिस ने लाठियां बजाकर भीड़ को हटाया। इस दौरान वॉटर कैनन से पानी की बौछारे फेंककर कार्यकर्ताओं को खदेड़ा गया। धक्का-मुक्की में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां सहित कई कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई। इससे नाराज नेता धरने पर बैठ गए। अंत में प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित कई नेताओं ने गिरफ्तारियां दीं। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित उनके खेमे के कई नेता सभा व प्रदर्शन से गायब दिखे।

### सात जन्म तक नहीं छोड़ेंगे मुद्दा-पूनियां

इससे पहले भाजपा मुख्यालय पर सभा हुई। इसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि सरकार बड़े नेताओं को बचाने के लिए इस प्रकरण की जांच सीबीआई को देने से बच रही है। जब तक सरकार सीबीआई जांच की मांग नहीं मानेगी, भाजपा का विरोध-प्रदर्शन जारी रहेगा इस मुद्दे को हम अगले सात जन्म तक नहीं छोड़ेंगे और हमारी सरकार बनने पर हम इस प्रकरण कि सीबीआई जांच भी करवाएंगे।

### परीक्षा में 500 से हजार करोड़ का घोटाला-अरुण सिंह

प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि रीट परीक्षा जितना बड़ा घोटाला किसी प्रदेश में नहीं हुआ। यह पेपर लीक नहीं चोरी हुआ है। युवाओं के भविष्य पर डाका डाला गया है। इसमें कम से कम 500 हजार करोड़ का घोटाला हुआ हैं। गहलोत अगर आप सीबीआई इंक्वायरी नहीं देते तो कोई बात नहीं कभी ना कभी इसकी सीबीआई इन्क्वायरी होकर रहेगी और दोषियों को जेल जाना होगा।

### मामले के जांच तुम्हारे काकाजी को दो-कटारिया

गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला को भी कोई जेल भेज सकता है तो वह सीबीआई ही है, इसलिए जांच आपके काकाजी को दो। एसओजी में मंत्रियों से पूछताछ की हिम्मत नहीं है। उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि आजादी के बाद की यह सबसे चीटर सरकार है। इन लोगों ने अपने लोगों को सरकारी नौकरियां दिलाई है।

### क्या एओजी सीएम हाउस में घुस सकती है ?-किरोड़ी

राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा एसओजी से सवाल किए। उन्होंने कहा कि क्या एसओजी सीएम हाउस में घुस सकती है? क्या एसओजी डोटासरा के नाथी के बड़े में घुस सकती है? क्या एसओजी आरपीएससी में घुस सकती है? किरोड़ी ने अपने तर्क देते हुए सीबीआई जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि सीएम ने एसओजी को इशारा देकर किरोड़ी लाल पर भी शिकंजा कसने के लिए कहा है। मेरी एसओजी को चेतावनी है कि अगर हथकड़ियों में दम है तो पकड़ लो। किरोड़ी की कलाई एसओजी की हथकड़ी का सामना करने के लिए तैयार है।

### कांग्रेस नहीं ये धोखा है...

प्रदर्शन के दौरान कई नारे भी लगे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने नया नारा दिया कांग्रेस नहीं ये धोखा है, धक्का मारो मौका है। इसी तरह रीट का पेपर कहां मिलेगा, नाथी तेरे बाड़े में... जैसे नारे भी सभा स्थल और प्रदर्शन में देखने को मिले।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.com
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की
जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन क्लासीफाइड डिस्प्ले प्रॉपर्टी वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070

## जागरूक खबरें

### वंदे भारत ट्रेन से जुड़ेगा डूंगरपुर, बांसवाड़ा को भी जल्द जोड़ेंगे

**डूंगरपुर @ जागरूक जनता।** उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने कहा कि भाजपा सरकार विकास का पर्याय है। उदयपुर-अहमदाबाद आमान परिवर्तन की घोषणा कांग्रेस के राज में तत्कालीन रेल मंत्री लालूप्रसाद यादव ने की थी। लेकिन, घोषणा के लम्बे समय तक इस परियोजना के नाम पर कुछ नहीं हुआ। वर्ष 2014 में भाजपा सरकार केन्द्र में आई तो कार्य शुरू हुआ और आज डूंगरपुर से अहमदाबाद ट्रेन सेवा शुरू हो गई है। सरकार का प्रयास है कि अप्रेल 2022 तक उदयपुर से डूंगरपुर के ट्रेक का कार्य भी पूरा हो जाए। इसके बाद ही उदयपुर संभाग को वंदे भारत ट्रेन से जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन उदयपुर से होती हुई डूंगरपुर और अहमदाबाद जाएगी। इससे डूंगरपुर का नाता पूरे देश से जुड़ेगा। मीणा ने यह बात भाजपा की पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि संभाग के सभी भाजपा सांसद डूंगरपुर-रतलाम वाया बांसवाड़ा रेल परियोजना के लिए संकल्पित है। जल्द ही सभी सांसद मिलकर प्रधानमंत्री के समक्ष पैरवी करेंगे। कुछ दिन पहले सांसद कनकमल कटारा ने प्रधानमंत्री से मिलकर यह मसला उनके सामने रखा था। सभी नेताओं की प्रथम प्राथमिकता में यह कार्य है और इसे हर हाल में करवाया जाएगा। मीणा ने कहा कि केन्द्रीय बजट में राजस्थान को 7563 करोड़ रुपए मिला है। इस बार लोक लुभावना बजट प्रस्तुत करते हुए आने वाले 100 वर्षों में भारत किस रूप में प्रस्तुत होगा उसका बेहतर विजन प्रस्तुत किया है। मीणा ने कहा कि कांग्रेस के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि केन्द्र से एक रुपया भेजता हूं, तो लाभार्थी तक आते-आते वह एक रुपया 15 पैसे में बदल जाता है। लेकिन, भाजपा ने सत्ता में आने के साथ ही 44 करोड़ से अधिक जन-धन के खाते खोले। अब केन्द्र से जारी योजना का पूरा बजट लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना कागजों में चल रही थी। पात्र लोगों का लाभ ही नहीं मिल रहा था। पर, अब आवास योजना का लाभ मिलने के साथ ही शौचालय, जल मिशन के तहत पेयजल और सौभाग्य योजना के तहत बिजली कनेक्शन मुफ्त दिया जा रहा है। कोविड काल में 44 करोड़ जनधन खाताधारकों को तीन माह तक 500-500 रुपए की आर्थिक सहायता देते हुए निःशुल्क गेहूं एवं दाल बांटी गई। किसान सम्मान योजना, वंदन विकास योजनाओं के माध्यम से विकास की गंगा बहाई जा रही है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रभु पण्ड्या, सभापति अमृत कलासुआ, आत्म निर्भर भारत अभियान के जिला संयोजक मनोहरलाल पटेल, डा. मिश्रा, हर्ष शर्मा शामिल हुए। संचालन धनपाल जैन ने किया।

**केन्द्र के बजट से हर वर्ग खुश, भाजपा की पत्रकार वार्ता**

### महाकाल क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 2 विनर शिव क्लब तनावड़ा

**जोधपुर @ जागरूक जनता।** राजवीर फिल्म प्रोडक्शन के द्वारा सालावास में महाकाल क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 2 हुआ परंपरागत तरीके से विधिवत समापन समारोह हुआ। राजवीर सिंह मौंगस ने बताया कि टुनामेन्ट के दौरान मौके पर मुख्य अतिथि डॉ अजय वर्धन आचार्य, एडवोकेट विजय शर्मा सालावास सरपंच ओमाराम पटेल, पप्पसा पटेल, शिव कुमार सोनी, विजय लक्ष्मी पटेल, मालाराम मुण्डेल (खादी बोर्ड प्रदेश अध्यक्ष), पारसमल देवासी , (राजस्थान अंडर 16) केतन देवासी वह सालावास गांव के गणमान्य लोगों के साथ टुनामेन्ट का शुभारंभ किया । मुनाराम पटेल ने बताया कि समापन समारोह में तनावड़ा गांव और नन्दवान गांव के बीच हुआ ने जिसमें तनावड़ा शिव क्लब ने 24 रन ने जीत हासिल कि मैच का मैन ऑफ दा मैच पुनाराम रहे। नन्दवान गांव उपविजेता रहे । गणेश गहलोत ने बताया कि टुनामेन्ट में एम्पेयर दुर्गाराम जी सांखला व जीतु गहलोत, मोहित वैष्णव ने किया। इस मौके पर नेमीचंद गहलोत, छंवरलाल गहलोत, गोपीलाल गहलोत, गणपत गहलोत लादुराम गहलोत इत्यादि लोगों मौजूद थे । माइक संचालन रवि ओझा ने किया ।

### विप्र कल्याण बोर्ड, राजस्थान सरकार में मंजू शर्मा उपाध्यक्ष मनोनीत

**जयपुर @ जागरूक जनता।** मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार अशोक गहलोत ने आयोग, निगम एवं बोर्डों में राजनैतिक नियुक्तियां दी है। विप्र कल्याण बोर्ड, राजस्थान सरकार में नगर निगम जयपुर की पूर्व चेयरमैन एवं पूर्व सचिव पीसीसी मंजू शर्मा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया। जिससे विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, शर्मा के निवास पर क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं की शुभकामना देने पर उमड़ रहा है जनसैलाब। शर्मा को विप्र कल्याण बोर्ड में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा एवं शीर्ष नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि मैं अपनी जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ कर्तव्य का निर्वहन करूंगी।

### विपुल वैष्णव को जिला सह मीडिया प्रभारी का दायित्व

**उदयपुर @ जागरूक जनता।** भारतीय जनता युवा मोर्चा देहात जिला उदयपुर ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न दायित्व सौंपे है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष भंवर सिंह पवार एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ललित सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर युवाओं को अवसर प्रदान किया गया है। इसमें शहर के युवा विपुल वैष्णव को जिला सह मीडिया प्रभारी का कार्यभार सौंपा है।

### आहुजा सिनेमा द्वारा प्रीत सजन सोंग हुआ रिलीज

**कोटा @ जागरूक जनता।** जिसमे बॉलीवुड व तेलगु अभिनेत्री मॉडल मन्नारा चोपडा व बॉलीवुड एक्टर रोनी चौहान ने कार्य किया है। बॉलिवुड व राजस्थानी सांग की शूटिंग कोटा के बृजराज पैलेस और डाढ़देवी लोकेशन पर हुई सम्पन्न। पी के आहुजा निर्माता साथ ही निर्माता नशराह खान चौधरी ने बताया गीत को बॉलीवुड राजस्थानी गीत की तरह फिल्माया है और साथ ही राजस्थान मै किस तरह वीर जवानो का घर आगमन पर इंतजार करती हुई नारी राजस्थानी सम्मान से स्वागत करती है वह दिखाया गया है। गीत मै निर्देशक रसिख खान डी ओ पी जिगर खान है। सोंग के पीआर का कार्य शुभम जैन ने किया है। मुख्य सहायक भुमिका में कोटा से एकटर अरमान चौधरी ओर राजन धिरिया एवं अन्य कलाकार नज़र आएंगे।

---

**750 छात्र-छात्राओं की हुई जांच**

# श्रवण और वाक्य जांच शिविर आयोजित

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**खारिया खंगार।** खारिया खंगार ग्राम में स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट बिरला व्हाइट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन मे चलाए जा रहे कार्य के अन्तगर्त दि आदित्य बिरला सेन्टर फॉर कम्युनिटी इनिसिएटीव एण्ड रूरल डेवलपमेंट के तत्वावधान में संचालित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत सीएसआर विभाग द्वारा श्रवण और वाक्य जांच शिविर का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पालड़ी सिद्धा, खरिया खंगार, बासनी सेजा, गन्धीया, देव नगर एवं टालनपुर में आयोजन किया गया। सी एस आर विभाग के ग्रामीण विकास अधिकारी रामकुमार सिंह शेखावत ने बताया की जाँच शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों के श्रवण क्षमता एवं जिन बच्चों को बोलने में तकलीफ है उनका सही समय पर पता लगाया जा सके। शिविर में ऑडियोलॉजिस्ट डॉक्टर अक्षित दधीच एवं उनके तकनीकी सहायक तरुण दाधीच के द्वारा इस कैम्प का संचालन किया गया जिसमें कुल 750 बच्चों के जाँच की गई। डॉक्टर दाधीच ने बताया की आज के दौर में अधिकतर लोगों में सुनने और बोलने में दिक्कत महसूस की जाती है, लेकिन लोग इसे नजर अंदाज कर देते हैं। जिससे आगे चलकर यह बहरेपन और तोतलेपन का रूप ले लेता है। उन्होंने बताया कि अगर समय पर विशेषज्ञों द्वारा इसका इलाज कराया जाए तो बहुत हद तक इससे बचा जा सकता है। कार्यक्रम में सीएसआर विभाग के ग्रामीण विकास अधिकारी रामकुमार शेखावत, अरुण कुमार एवं स्कूल के प्रधानाध्यापक,शिक्षक गण छात्र-छात्राएं साहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

---

**सभी ट्रेन में शुरू होगी कैटरिंग सर्विस**

# सभी ट्रेनों में यात्रियों को मिल सकेगा गर्म खाना

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**नई दिल्ली।** ट्रेन यात्रियों को अब यात्रा के दौरान फिर से गर्म खाना मिल सकेगा। कोरोना महामारी के कारण 23 मार्च 2019 से कैटरिंग में गर्म खाना देना बंद कर दिया गया था। यह सुविधा 14 फरवरी से फिर से शुरू हो गई है। इससे उन यात्रियों को सुविधा मिल सकेगा, जो यात्रा के दौरान घर से खाना नहीं ले जा पाते हैं, जिसके कारण उन्हें खाना खाने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। 30 प्रतिशत ट्रेनों में 21 दिसंबर से ही यात्रियों को गर्म खाना देना शुरू किया जा चुका है। बाकी ट्रेनों में यह सुविधा दो चरणों में शुरू की जाएगी। पहले चरण में 22 जनवरी तक 80 प्रतिशत ट्रेनों में, और 14 फरवरी तक शेष बची हुई 20 प्रतिशत ट्रेनों में यह सुविधा शुरू कर दी गई है। प्रीमियम ट्रेन राजधानी, शताब्दी, तेजस सहित अन्य पर यह सुविधा पहले ही शुरू की जा चुकी है। अभी तक कोविड महामारी के बाद से कैटरिंग वाली ट्रेनों में पैकेट बंद खाना दिया जा रहा है।

**IRCTC के मोबाइल ऐप और वेबसाइट से भी आर्डर किया जा सकेगा खाना**

22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू लगने के बाद से सामान्य ट्रेनों के चलने में रोक लगा दी गई। महामारी के कारण कुछ स्पेशल ट्रेनों को, यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू किया गया था। 1 अप्रैल 2021 से 65% ट्रेनों को शुरू किया गया था। कोरोना मामले में कमी आने के साथ लगभग सभी ट्रेनों को रेलवे द्वारा चलाया जा रहा है। इसी के साथ अब ट्रेन में बना खाना भी मिलना शुरू किया जा रहा है। यात्री IRCTC मोबाइल ऐप, www.ecatering.irctc.co.in वेबसाइट व ऐप या 1323 में कॉल करके आर्डर कर सकते हैं। इसके साथ कैटरिंग वाली ट्रेनों में वही पर आर्डर करके खाना ले सकते हैं।

---

**जन चेतना मंच एवं सहकार फाउंडेशन का बजट विश्लेषण कार्यक्रम**

# चुनौतियों को अवसर में बदलने वाला केंद्रीय बजट- डॉ. सेठिया

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ़।** वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट एवं आर्थिक विश्लेषक डा आई एम सेठिया ने कहा कि बजट की पारदर्शिता से सरकार के दूरगामी लक्ष परिलक्षित हो रहे हैं एवं आर्थिक मापदंडों का आकलन करते हुए चुनौतियों को अवसर में बदलने वाला केंद्रीय बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रस्तुत किया। ये विचार उन्होंने जन चेतना मंच एवं सहकार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में केंद्रीय बजट के आर्थिक विश्लेषण विषय पर रविवार को केशव माधव सभागार में आयोजित परिचर्चा में आर्थिक विश्लेषण करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पहली से दसवीं शताब्दी तक भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और जीडीपी 32.90 प्रतिशत रही को सन 1700 में 24.40 प्रतिशत हुई। उसी का परिणाम था भारत सोने की चिड़िया कहलाया लेकिन ब्रिटिश काल में अर्थव्यवस्था का जमकर हुए दोहन के परिणाम स्वरूप यह अवस्था इतिहास का खंडहर बन कर रह गई ।केंद्रीय वित्त मंत्री महोदया ने इसी परिप्रेक्ष्य में आत्मनिर्भर भारत निर्माण 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश व 2047 तक विश्व के समक्ष सशक्त भारत के निर्माण की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना को साकार करने की प्राथमिकता सामने रखकर दीर्घकालीन विकास की योजनाएं प्रस्तुत की। बजट में प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटालाइजेशन पर पूरा जोर दिया गया ताकि यह आर्थिक विकास में सहायक हो सके। उन्होंने उत्तर पूर्व के 8 राज्यों सहित संपूर्ण देश के लिए विभिन्न बजट योजनाओं की विस्तार से चर्चा की। बिरला सीमेंट के फाइनेंस हेड सीए योगेश काबरा ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में पंजिगत व्यय से आर्थिक विकास में तेजी आएगी और कॉविद के बावजूद कोई नया कर नही लगाना एक सराहनीय कदम है। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के निदेशक उद्योगपति गोविंद गदिया कहां की बजट ईमानदार करदाता बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।लघु उद्योग एवं शिक्षा के क्षेत्र में ठोस योजनाओ से देश का आर्थिक विकास होगा। कर सलाहकार संघ के अध्यक्ष गोपाल मूंदड़ा ने कहा कि कर व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन के कारण पारदर्शिता आई है लेकिन जीएसटी में इनपुट क्रेडिट लेने के लिए व्यवहारिक बदलाव होने की अपेक्षा बजट में थी। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि डाकघरों को कोर बैंकिंग से जोड़ना, 75 जिलों को पुर्णरूपेण डिजिटल बैंकिंग में बदलना, पूंजीगत व्यय में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी निश्चित तौर पर प्रोग्रेसिव बजट की दिशा प्रतित होती है। बजट परिचर्चा में शिक्षाविद योगेश जानी व जगदीश टेलर ने भी अपने विचार रखें।जिलाध्यक्ष एस के शर्माप्रांतीय युवा अध्यक्ष दीपक शर्मा, नगर अध्यक्ष अध्यक्ष हितेश पवार जिला महामंत्री बाल किशन सोमानी,तहसील संयोजक सत्य नारायण सीकलीघर सदस्य मनवीर सिंह, सुखराम मीणा रतन लाल बोहरा राजीव बोहरा ने मंचासीन अतिथियों सहित सहकार फाउंडेशन के न्यासी डा दामोदर लाल एवं ईश्वर दयाल सुहालका, मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हेमंत शर्मा का साल व उपर्णा पहना कर अभिनंदन किया। जिलाध्यक्ष शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया व प्रांतीय अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की।कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महामंत्री दिनेश खत्री व वंदना वजीराणी ने किया व धन्यवाद दीपक शर्मा ने किया।कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया । कार्यक्रम में अर्बन बैंक चेयरपर्सन विमला सेठिया, निदेशक बालकिशन धुत, रंजीत सिंह नाहर हस्तीमल चोरडिया न्यू क्लॉथ मार्केट के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश खटोड़, निदेशक मुबारक हुसैन, वरिष्ठ अधिवक्ता कंवरलाल भंडारी, कल्याणी दीक्षित पार्षद घनश्याम मेनारिया सहित प्रबुद्ध जन उपस्थित थे। कल्याणी दीक्षित प्रांतीय महिला महामंत्री घोषित जन चेतना मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने कल्याणी दीक्षित को प्रांतीय महिला महामंत्री घोषित करते हुए जिलाध्यक्ष एस के शर्मा जिला महामंत्री बाल किशन सोमानी, प्रांतीय युवा अध्यक्ष दीपक शर्मा नगर अध्यक्ष हितेश पवार तहसील अध्यक्ष सत्य नारायण सिकलीघर का उपारना पहना कर अभिनंदन किया।

वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट व मंच संस्थापक डा आई एम सेठिया को वर्ल्ड ग्रोथ फोरम द्वारा पर्सन ऑफ द ईयर 2021 सम्मान प्रदान करने पर मंच पदाधिकारियों सहित बैंक चेयरपर्सन विमला सेठिया, निदेशक बालकिशन धुत, रण जीत सिंह नाहर हस्ती मल चोरडिआ हेमंत शर्मा, वंदना वजीराणी, एनसिएम सिटी उपाध्यक्ष ओम प्रकाश खटोड़, निदेशक मुबारिक हुसैन सचिव रतन बोहरा सहित गणमान्य बंधुओ व अतिथियों ने पगड़ी शाल व उपरना से अभिनंदन किया।

**- बालकिशन सोमानी,** जिला महामंत्री

---

**एप्पल बेर की खेती कर पाएं ज्यादा मुनाफा**

# एप्पल बेर की खेती से किसान कम लागत में कमा सकते हैं लाखों रुपए

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**कनीना।** पारम्परिक खेती में किसानों को ज्यादा कमाई ना होने के कारण बहुत से किसान आज के समय में पारम्परिक खेती छोड़ रहे हैं और इसके बदल की तलाश में हैं। किसान चाहते हैं कि वो कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा कमाई कर सकें। आज हम आपको ऐसे ही एक किसान के बारे में बताने वाले हैं जिसने एप्पल बेर की खेती से कम लागत में काफी बढ़िया मुनाफा पाया। इसराना के अजय सिंह स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद बहरोड में स्कूटर मोटरसाइकिल रिपेयरिंग का काम करने लग गए। वहां पर अधिक समय काम नहीं कर पाए। उसके बाद वापस घर आकर परंपरागत खेती का कार्य करना शुरू कर दिया। जब परंपरागत खेती में अधिक मुनाफा नहीं होने लगा तब एकीकृत बागवानी विकास केंद्र सुंदरह में संपर्क किया। वहां पर दो से तीन दिन का प्रशिक्षण लिया। उसके बाद जैविक विधि से पुणे 2 एकड़ जमीन में ग्रीन एप्पल बेरी व कश्मीरी एप्पल बेरी के पौधे लगाए। किसान अजय का कहना है कि उन्होंने जून 2019 एप्पल बेर के पौधे लगाए थे। उन्होंने पौने दो एकड़ ज़मीन में 300 पौधे लगाए थे। खास बात ये है कि इसमें बहुत ज्यादा लागत भी नहीं आती। किसान ने सिर्फ 40 से 50 हजार रूपये की लागत में

300 पौधे लगा दिए थे। जो कि पहली फसल से ही उनके पैसे वापस आ गए थे। यानि कि सिर्फ एक बार के बाद इन पौधों पर किसी भी तरह का खर्च नहीं होता। 18 से 20 साल तक लगातार आप इन पौधों से फल ले सकते हैं और काफी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। किसान अजय ने बताया कि पहले वर्ष उन्होंने एक पौधे से 2 से 5 किलो बेरी का फल प्राप्त हुआ उसके बाद अगले वर्ष उन्हें एक पौधे से 15 से 20 किलो फल प्राप्त हुआ और अब तीसरे वर्ष उनको 40 से 50 किलो फल प्राप्त हो रहा है। खास बात ये है कि एप्पल बेर कम से कम 20 से 30 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बिकता है। किसान अजय ने बताया कि वह पास लगते कस्बे कनीना में रेडी टेंपो चालकों को यह बेर 25 से 30 किलो के हिसाब से बेच देते हैं। तकरीबन 3 लाख 50 हजार रूपये की आमदनी इस वर्ष की है।

---

**हर साल करीब 22 हजार वाहन चोरी**

# 27 हजार पुलिसकर्मी अब प्रदेश के हर घर में जाकर जांचेंगे गाड़ियों की आरसी

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान पुलिस अब डोर-टू-डोर चोरी के वाहन ढूंढेंगी। इसके लिए 27 हजार पुलिसकर्मियों को लगाया है। पुलिस मुख्यालय ने 860 पुलिस थानों में तैनात बीट कांस्टेबलों को वाहनों के सत्यापन की जिम्मेदारी दी है। सत्यापन में यदि घर पर खड़ा वाहन चोरी का पाया गया तो खरीदार व चुराने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने सभी रेंज आईजी, कमिश्नर, एसपी व डीसीपी को अभियान चलाने को कहा है। दरअसल, प्रदेश में रोज औसतन 5 से 6 चौपहिया और 45 से 46 दोपहिया वाहन चोरी होते हैं। इनकी कीमत करीब 65 लाख रुपए तक होती है। वाहन चोरी की सबसे अधिक वारदात जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में होती है। सालभर में वाहन चोरी का आंकड़ा 22 हजार के पार होता है, लेकिन रोज केवल 4-5 वारदात में ही आरोपी पकड़ में आते हैं। यानी बरामदगी 10त्न भी नहीं होती। ऐसे में पुलिस हर साल 18 हजार से अधिक केस में एफआर लगा देती है। ऐसे में वाहनों की बरामदगी के लिए पुलिस डोर-टू-डोर अभियान चलाएगी। यहां राजकॉप एप पर उपलब्ध वाहन के डाटा का इंजन व चेसिस नंबर डालकर जांच करेंगे। हर 7 दिन बाद इसकी रिपोर्ट थाने से एसपी ऑफिस भेजी जाएगी।

**अभियान शुरू कर दिया है - एडीजी**

चोरी के वाहनों को ढूंढने व सत्यापन करने के लिए बीट कांस्टेबल से सर्वे कराया जाएगा। अभियान के तहत पुलिसकर्मी डोर-टू-डोर और नाकाबंदी कर वाहनों के दस्तावेज जाचेंगे।

**- रवि प्रकाश मेहरड़ा,** एडीजी क्राइम, पुलिस मुख्यालय

---

# पुलवामा शहिदों को दी श्रद्धांजलि

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** पुलवामा हमले के शहीदों को ग्रुप ऑफ भगत सिंह द्वारा कोट गेट पर मोमबत्तियां जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। शहीदों के चित्र पर पुष्प भी अर्पित किए गए। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री आनन्द सोनी, ग्रुप ऑफ भगत सिंह के नवल प्रजापत, रवि देवड़ा, नकुल रंगा, भवानी चौहान, दीपक चांवरिया, नत्थूलाल मोदी, मनोज टाक, आशीष पुरोहित, अखिलेश पालीवाल, सोनू किराडू, संदीप चंदन, वाजिद बागवान, हसरत अली, अनिल विश्नोई, नवल सोनी, राजू बिनावरा सहित शंकर कुमावत, बालकिशन कुमावत, विक्रम सारस्वत, अभिषेक वैष्णव, दीपक मेघवाल, योगेश, नितिन, अमर सिंह चौहान आदि उपस्थित थे। नवल प्रजापत ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत की आन बान को कभी आंच नहीं आये इसके लिए देश का हर नागरिक मर मिटने को सदैव तत्पर है, देश के लिए शहिद होने वाले माँ भारती के हर लाल को हम नमन करते हैं।

---

ANCHOR

**उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022, माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जारी किए सत्राक के संबंध में निर्देश**

# सैद्धान्तिक अंकों के आधार पर मिलेगी विद्यार्थियों को सफलता

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर/डूंगरपुर।** माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022 के लिए सत्रांक निर्धारण के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। कोरोना काल के चलते विद्यालय का शैक्षणिक सत्र शुरू होने में देरी तथा अध्ययन अवधि के दिनों की संख्या कम होने के कारण इस सत्र में भी अध्ययपन खासा प्रभावित रहा है। इसके चलते पाठ्यक्रम 30 प्रतिशत कम कर संक्षप्ति पाठ्यक्रम जारी करते हुए इसके अनुसार बोर्ड परीक्षा का आयोजन होगा। ऐसे में विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं में पूर्व के सत्रों में तीन परख होते थे। वहीं, वर्तमान सत्र में दो परख ही हुए हैं। अब बोर्ड कक्षाओं के लिए सत्रांक का निर्धारण इन्हीं दो परख तथा छहमाही परीक्षा के सैद्धान्तिक परीक्षाओं के पूर्णांकों के योग आधार ही तय होगा।

**प्रायोगिक विषय में सत्रांक का आधार**

इस सत्र में नियमित विद्यार्थियों के लिए विद्यालय द्वारा लिए गए प्रथम परख (20 अंक), द्वितीय परख (20 अंक) तथा

अर्द्धवार्षिक परीक्षा (60 अंक) के योग का 20 प्रतिशत सत्रांक गणना में आधार रहेंगे। पर, अर्द्धवार्षिक परीक्षा में आयोजित प्रायोगिक परीक्षा के अंक नहीं जोड़े जाएंगे। बोर्ड की उच्च माध्यमिक परीक्षा में पांच विषयों प्रति विषय 100 अंक के अनुसार कुल पूर्णांक 500 अंकों के प्राप्तांक के आधार पर परीक्षार्थी के श्रेणी एवं प्रतिशत का निर्धारण होता है। इसमें सत्रांक की भूमिका भी अहम होती है। बोर्ड परीक्षा में प्रत्येक विषय की सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए निर्धारित पूर्णांकों का 20 प्रतिशत अंक सत्रांक के लिए निर्धारित है। बोर्ड परीक्षा में किसी विषय का सैद्धान्तिक परीक्षा में पूर्णांक 100, 70, 50 या 30 निर्धारित है, तो उन विषयों के सत्रांक के लिए पूर्णांक का 20 प्रतिशत अर्थात 20, 14, 10 या 06 अंक निर्धारित रहेंगे।

**यूं होगा अंकों का निर्धारण**

सत्रांक निर्धारण में अर्द्धवार्षिक परीक्षा में आयोजित प्रायोगिक परीक्षा में विद्यार्थी के प्राप्तांक सम्मिलित नही किए जाएंगे। कक्षा 12 में संगीत व चित्रकला के अतिरिक्त अन्य प्रायोगिक विषय में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के निर्धारित किए गए 60 अंकों में से सैद्धान्तिक परीक्षा 34 अंक, प्रायोगिक परीक्षा 14 अंक तथा 12 अंक वर्कशीट पोर्टफोलियो व शनिवारिय क्रीज आधारित है। प्रथम एवं द्वितीय परख के 20-20, अर्द्धवार्षिक के 34 अंक, पोर्ट फोलियो के 12 अंक सहित कुल योग 86 अंकों का होगा। कुल पूर्णांक 86 अंकों के अनुसार प्राप्तांकों के 30 प्रतिशत अधिभार के अनुरूप 20 प्रतिशत सत्रांक प्रेषित होंगे। यथा बोर्ड परीक्षा में सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 56 अंक, सत्रांक 14 अंक (कुल 70 अंक) व प्रायोगिक परीक्षा 30 अंक सहित विषय का पूर्णांक 100 होगा। किसी विद्यार्थी ने 86 अंकों में से 43 अंक प्राप्त किए हैं, तो बोर्ड को सत्रांक 14 में से 07 प्रेषित किए जाएंगे। कक्षा 12 संगीत व चित्रकला प्रायोगिक विषय में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के निर्धारित किए गए 60 अंकों में से सैद्धान्तिक परीक्षा 14 अंक, प्रायोगिक परीक्षा 34 अंक तथा 12 अंक वर्कशीट पोर्टफोलियो व शनिवारीय क्रीज आधारित है। इसमें प्रथम व द्वितीय परख के 20-20 अंक, अर्द्धवार्षिक परीक्षा के 14 अंक, पोर्ट फोलियो के 12 अंक सहित कुल 66 अंकों का पूर्णांक बनता है। इसके अनुसार प्राप्तांकों के 70 प्रतिशत अधिभार के अनुरूप 20 प्रतिशत सत्रांक भेजे जाएंगे। यथा बोर्ड परीक्षा में सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 24 अंक, सत्रांक 06 अंक (कुल 30 अंक ) व प्रायोगिक परीक्षा 70 अंक सहित विषय का पूर्णांक 100 होगा। यदि किसी विद्यार्थी ने 66 अंकों में से 55 अंक प्राप्त किए, तो सत्रांक 06 में से 05 प्रेषित किए जाएंगे।

गैर प्रायोगिक विषय में सत्रांक की गणना- गैर प्रायोगिक विषयों के लिए निम्नानुसार रहेगी। प्रथम व द्वितीय परख के 20-20 अंक, छहमाही परीक्षा के 48 अंक, पोर्ट फोलियो के 12 अंक सहित कूल योग 100 बनता है। इसके आधार पर सत्रांक भेजेंगे। सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 80 अंक तथा सत्रांक 20 अंक सहित विषय का पूर्णांक 100 होगा। यदि किसी विद्यार्थी ने 100 अंकों में से 95 अंक प्राप्त किए, तो बोर्ड को सत्रांक 20 में से 19 प्रेषित किए जाएंगे।

**प्रायोगिक का गणित**

संगीत व चित्रकला विषय के अतिरिक्त प्रायोगिक विषय के कुल पूर्णांक 100 में 70 अंक सैद्धान्तिक तथा 30 अंक प्रायोगिक परीक्षा के निर्धारित हैं। ऐसे में सैद्धान्तिक परीक्षा के पूर्णांक 70 का 20 प्रतिशत अर्थात 14 अंक सत्रांक के लिए निर्धारित रहेंगे। वहीं, संगीत तथा चित्रकला में सैद्धान्तिक परीक्षा 30 तथा प्रायोगिक परीक्षा 70 अंक की ली जाती है। ऐसे में सैद्धान्तिक परीक्षा का 20 प्रतिशत यथा छह अंक सत्रांक के लिए निर्धारित रहेंगे।

## जागरूक खबरें

### आर एस मुख्य परीक्षा को स्थगित करवाने बाबत मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**चूरु@ जागरूक जनता।** आरएएस मुख्य परीक्षा को स्थगित करवाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकार अभ्यर्थियों की मांगों पर विशेष ध्यान नहीं दे रही है । अभ्यर्थियों के अनुसार राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आर ए एस प्रारंभिक परीक्षा 27 अक्टूबर 2021 को आयोजित करवाई ,एवं इसका परिणाम 19 नवंबर 2021 को जारी किया, इसके लगभग 1 सप्ताह पश्चात आर ए एस मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्र म जारी किया गया एवं आरएएस मुख्य परीक्षा आयोजन तिथि 25 व 26 फरवरी 2022 घोषित की गई ।अभ्यर्थियों के अनुसार आरएएस मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु उन्हें मात्र 93 दिन का समय दिया गया इतने अल्प समय में ना तो अभ्यर्थियों के पास मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु पर्याप्त कंटेंट एकत्रित हो पाया तथा ना ही मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए उचित समय मिल पाया। अभ्यर्थियों की मांग है कि इस कोरोना महामारी के दौरान मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु उन्हें कम से कम 3 माह का अतिरिक्त समय दिया जाए ताकि वह पर्याप्त कंटेंट एकत्रित करके परीक्षा को दे सके इस हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय में पिछले 4 दिन से धरना चल रहा है तथा अभ्यर्थियों ने विभिन्न माध्यम से सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है और साथ ही आरएएस मुख्य परीक्षा को स्थगित करते हुए अतिरिक्त समय देने की मांग की है अभ्यर्थी संजीव धैतरवाल व धर्मेंद्र मुंड ने संयुक्त रूप से बताया कि उनकी मांगे जायज हैं तथा सरकार को इस पर अति शीघ्र ध्यान देते हुए आर ए एस मुख्य परीक्षा को आगामी 3 माह के लिए स्थगित करना चाहिये ताकि हम पूर्ण तैयारी के साथ परीक्षा देकर अपने सपनों को साकार कर सकें।

### ऑनलाइन स्नेह ध्येय साहित्यिक महोत्सव' आयोजित

**लुधियाना @ जागरूक जनता।** पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा वैलेंटाइन डे के उपलक्ष्य में ऑनलाइन स्नेह ध्येय साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'स्नेह की डोर' रखा गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया, जिन्होंने एक से बढ़कर एक 'स्नेह से संबंधित और प्रेम रस में डूबी हुई अपनी बेहतरीन रचना प्रस्तुतियों के द्वारा मंच को 'स्नेह वर्षा में भिगोकर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। कुछ प्रतिभागी रचनाकारों ने रचनाओं के माध्यम से रिश्तेदारों के प्रति अपने 'स्नेह को प्रकट किया। इस महोत्सव में कुसुम अशोक सुराणा (मुंबई, महाराष्ट्र), निरूपमा बिस्सा (दुर्ग, छत्तीसगढ़) और अनुराधा प्रियदर्शिनी (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) की रचनाओं ने सभी का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन "पुनीत कलम 'स्नेही" सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने समस्त देशवासियों को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दी और महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रि या देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया। उन्होंने समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम कुसुम अशोक सुराणा, चंचल जैन, संध्या रामप्रीत, मंजू शर्मा, सुनीता सोलंकी 'मीना' , बबीता, अनुराधा प्रियदर्शिनी, अर्चना मुकेश मेहता, सावित्री मिश्रा, निरुपमा बिस्सा रचनाकारों के रहे।

### मध्यप्रदेश कृषि मंत्री कमल पटेल का रामधाम खेड़ापा आगमन

**खेड़ापा @ जागरूक जनता।** मध्यप्रदेश शासन में वर्तमान कैबिनेट कृषि मंत्री कमल पटेल के पूर्वज मरवाड़ धारा से मालवा मध्यप्रदेश जाकर निवास कर लिया, एक अपने पूर्वजों की जन्म भूमि से आत्मीय भाव जुड़ाव रखने वाले मंत्री महोदय सह परिवार मारवाड़ की धारा पर आगमान हुआ जोधपुर से रामधाम खेड़ापा रामस्नेही संप्रदाय आचार्य पीठ रामधाम खेड़ापा के दर्शन कर आचार्य पुरूषोतमदास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया संत गोविंदराम शास्त्री ने मंत्री महोदय को धाम के पौराणिक इतिहास एवं संत परंपरा के बारे में अवगत करवाया एवं संत साहित्य प्रदान कर सम्मान किया। उसके बाद चटालिया में डूडी गोत्र में जन्में गौ रक्षक जुंझार महाराज के मंदिर मूर्ति स्थापना के उपलक्ष में रात्रि भजन संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस प्रवास आगमन में संत रामदास शास्त्री, पूर्व राजस्व मंत्री रामनारायण डूडी, पूर्व प्रतिपक्ष नेता रामेश्वर डूडी, अशोक डूडी गांधीधाम गुजरात, वीरेंद्र डूडी एडीएम, राधेश्याम डूडी, भेराराम भादू, हीरालाल मुंडेल, अशोक वॉर्डन, जेठाराम मचारा खेड़ापा इत्यादि गणमान्य जन साथ मौजूद रहे।

**रामधाम खेड़ापा का निज धाम एक नजर में-** राम स्नेही संप्रदायाचार्य पीठ का रामधाम खेड़ापा आचार्यत्व और ग्रामीणों की आस्था का केंद्र। राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात सहित पाकिस्तान में भी है पीठ की शाखा। विक्रम संवत 1834 में इसकी स्थापना प्रथम आचार्य रामदास महाराज से अब तक नौ महाराज आचार्य पद पर पदासीन हुए हैं। इसके छह लाख से अधिक भक्त हैं। इसके नवम आचार्य पुरुषोत्तमदास महाराज के पद पर पचास वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव में संत गोविंदराम शास्त्री को दसवें आचार्य के रूप में उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। रामस्नेही संप्रदाय के राजस्थान में मुख्य तीन धाम रेण नागौर, शाहपुरा भीलवाड़ा सींथल-खेड़ापा जोधपुर में है। रेण नागौर के अधीनस्थ 8 शाहपुरा भीलवाड़ा के अधीनस्थ 10 रामद्वारे हैं।

### श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ का विप्र सेना में विलय

**जयपुर @ जागरूक जनता।** ब्राह्मण समाज से जुड़े संगठन श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ का विप्र सेना में विलय हो गया है। श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के संस्थापक दिनेश राणेजा और विप्र सेना प्रमुख पं सुनील तिवाड़ी ने इसकी घोषणा की। विद्याधर नगर स्थित शेखावाटी अस्पताल में आयोजित एक समारोह में इस विलय का ऐलान किया गया। इस अवसर पर विप्र हैल्थकेयर फैडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सर्वेश शरण जोशी, श्री नवीन उपाध्याय, श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के संगठन महासचिव राहुल पारीक और महामंत्री मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। दिनेश राणेजा ने इस संबंध में बताया कि श्री राष्ट्रीय परशुराम सेना संघ के पूरे भारत में मौजूद कार्यकर्ता अब विप्र सेना के तहत सामाजिक कार्यों में अपना योगदान करेंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता, सुरक्षा और संप्रभुता समाज का अहम मुद्दा है। यही कारण है कि समाज की एकता बनाए रखने के लिए इस विलय को अंजाम दिया गया है।

## नवनियुक्त चेयरमैन ने किए करणी माता के दर्शन एवं पनोरमा का किया निरीक्षण

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**चित्तौड़गढ़।** बीकानेर जिले में स्थित देशनोक में मंगलवार को राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण बोर्ड का चैयरमेन सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने करणी माता के दर्शन कर माथा टेका एवं राज्य में अमन एवं शांति की प्रार्थना की करणी माता मंदिर अध्यक्ष एवं प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा उनका स्वागत एवं अभिनन्दन कर माता जी की तस्वीर एवं साहित्य भेंट की, चित्तौड़गढ़ पीओसी महेंद्र शर्मा ने बताया कि ततपश्चात जाड़ावत ने श्री करणी माता पैनोरमा का निरीक्षण लिया एवं अधूरा पड़ा कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए एवं श्री करणी माता पैनोरमा परिसर ने शेष रही कुछ कार्यो के लिए उन्होंने अपनी ओर स सुधार के सुझाव दिए। इस दौरान देशनोक नायब तहसीलदार बिहारी लाल, भूअभिलेख निरीक्षक देशनोक सूरज प्रकाश उपाध्याय,करणी माता मंदिर के भूत पूर्व चेयरमैन कैलाश दान बारठ, नगरपालिका देशनोक के चेयरमैन ओम प्रका मूंदड़ा, मंदिर चेयरमैन नरेश दान आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जाड़ावत के इस दौरे के साथ चित्तौड़गढ़ शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मुंदड़ा, नगर पालिका चित्तौड़गढ़ के पूर्व चेयरमैन रामेशनाथ योगी, पूर्व प्रवक्ता एवं पीओसी महेंद्र शर्मा मौजूद रहे।

**स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस**

# सरकारी खर्चे पर 15 स्टूडेंट्स कर सकेंगे विदेश में पढ़ाई, फंड की प्रक्रिया जारी

**स्टैनफोर्ड, हार्वर्ड जैसे संस्थानों में 200 छात्रों को पढ़ने के लिए देनी थी स्कॉलरशिप, 67 आवेदन मिले, फिर मांगे आवेदन**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने इसी शैक्षणिक सत्र में दूसरी बार आवेदन मांग लिए हैं, क्योंकि पहली बार शुरू हुई योजना के फर्स्ट फेज में 67 छात्रों ने ही आवेदन किया। उनकी भी छंटनी करने के बाद करीब 15 ही योजना के पात्र मिले हैं, जिन्हें फंड देने की प्रक्रिया चल रही है। जबकि सरकार ने 200 छात्रों को विदेश के संस्थानों में पढ़ाई का खर्चा देने के लिए योजना शुरू की थी। इनमें ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड, स्टेनफोर्ड, कैलिफोर्निया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज जैसे 150 नामी संस्थान शामिल हैं। इस स्कॉलरशिप में सरकार ने बीटेक और एमबीबीएस कोर्स करने वाले छात्रों को शामिल नहीं कर रखा है।

#### योजना में ये हैं शामिल

- 150 छात्र ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट साइंस, नेचर एंड एनवायरमेंटल साइंस एवं लॉ के।
- 25 छात्र मैनेजमेंट एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एवं इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस के हैं।
- 25 छात्र प्योर साइंस एवं पब्लिक हेल्थ के हैं, जिन्हें स्कॉलरशिप दी जा रही है।

#### फिर से मौका - अब 31 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

उच्च शिक्षा विभाग ने इसी सत्र में राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना शुरू की थी। अब वापस आवेदन शुरू करते हुए 31 मार्च तक आवेदन मांगे हैं। विदेश के संस्थानों में 2022-23 सेशन के लिए एडमिशन लेने वाले छात्रों को भी आवेदन के लिए मौका दिया जा रहा है। फीस, वीजा से लेकर पूरा खर्चा सरकार वहन करेगी। इसमें वे ही छात्र पात्र हैं, जिन्होंने आवेदन करने से पहले संबंधित विदेशी संस्थान से प्रवेश पत्र प्राप्त कर लिया हो। हर साल 200 छात्रों में से 30% अवार्ड छात्राओं के लिए चिह्नित रखते हुए 60 छात्राओं को पढ़ाई का मौका मिलेगा।

**एक** छात्र का एलएलएम के लिए कैम्ब्रिज, एक का एमएस के लिए नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, एक पीएचडी के लिए जॉर्जिया यूनिवर्सिटी, एक बी.एससी. इन अर्थशास्त्र कैम्ब्रिज सहित अन्य के एडमिशन हुए हैं।

प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा छात्र इस योजना का लाभ उठा सकें, इसके लिये 31 मार्च तक पुन: आवेदन मांगे गए हैं।
**- डॉ. सौमित्र नाथ झा,**
संयुक्त निदेशक (अकादमिक)

# पैसेंजर ट्रेन शुरू: कोटा से मथुरा के बीच पहली पैसेंजर ट्रेन शुरू

**सवाईमाधोपुर से मथुरा का 80 रु. लगेगा किराया**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**सवाई माधोपुर।** यात्रियों को रेलवे की सौगात 8अब तक सवाई से मथुरा के लिए एक भी पैसेंजर ट्रेन नहीं होने से लोगों को बस या डगेमार वाहनों में ज्यादा किराया देकर करना पड़ रहा था सफर

कोरोना संक्रमण के चलते 22 माह से बन्द पड़ी कोटा मथुरा मेमू ट्रेन के संचालन से गोवर्धन वृंदावन की परिक्रमा देने वाले यात्रियों को सहूलियत मिलेगी वही यात्रियों को मथुरा तक जाने के लिए लंबे सफर ओर मोटी राशि से निजात मिलेगी। अब तक कोटा मथुरा के बीच पैसेंजर ट्रेन नही होने से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। इस ट्रेन का सवाई माधोपुर सहित कोटा व मथुरा के बीच छोटे बड़े करीब 40 स्टेशनों पर ठहराव होगा। सवाई माधोपुर से मथुरा जाने के लिए इस पैसेंजर मेमू ट्रेन चलने से पहले केवल एक्सप्रेस ट्रेनों में रिजर्वेशन कराने के साथ ही बसों के लंबे सफर के साथ भारी भरकम राशि देनी पड़ती थी ।

सवाई माधोपुर से मथुरा तक बसों के माध्यम से जाने वाले यात्रियों को 500 रुपए प्रति यात्री तक चुकाना पड़ रहा था। वही सवाई माधोपुर स्व पहले गंगापुर सिटी होते हुए हिंडौन भरतपुर होकर जाना पड़ता था। अब मेमू ट्रेन से सवाई माधोपुर से केवल 80 रुपए प्रति यात्री मथुरा तक किराया लग रहा है। सवाई माधोपुर स्टेशन प्रबंधक बृजमोहन मीना ने बताया कि मेमू ट्रेन कोटा से शाम 4 बजे चलकर सवाई माधोपुर जंक्शन पर शाम 6 बजकर 13 मिनट पर आती है और मथुरा जंक्शन पर रात 12 बजकर 10 मिनट पर पहुंचती है। वही दूसरे दिन सुबह 5 बजे मथुरा से चलकर सवाई माधोपुर जंक्शन पर सुबह साढ़े 10 बजे होते हुए कोटा दोपहर डेढ़ बजे पहुंचती है।

#### ट्रेन में विंडो टिकट से सफर

हिंडौन से मथुरा का किराया 55 रुपए और कोटा का किराया 85 रुपए लगेगा। जबकि पैसेंजर के रुप में पहले मथुरा का किराया 25 रुपए तथा कोटा का किराया करीब 55 रुपए लगता था। इसी तरह हिंडौन से श्रीमहावीरजी का किराया 30 रुपए, फतेहसिंहपुरा का किराया 30 रुपए, बयाना का किराया 30 रुपए, गंगापुर सिटी का किराया 30 रुपए लगेगा। पहले इन स्थानों के लिए 10 रुपए किराया लगता था। खंडीप 30, पिलौदा 30, लालपुर उमरी 35, सवाईमाधोपुर 55 रुपए किराया लगेगा। गाड़ी संख्या 19109 कोटा-मथुरा प्रतिदिन शाम को 16 बजे कोटा से प्रस्थान करके 23.30 बजे मथुरा पहुंचेगी। जबकि वापसी में मथुरा से सुबह 5 बजे रवाना होकर कोटा दोपहर 13:30 बजे पहुंचेगी। हिंडौन में 19109 ट्रेन का आगमन कोटा से मथुरा जाते समय 21:02 मिनट पर होगा और प्रस्थान 21:4 बजे होगा। जबकि मथुरा से कोटा जाते समय ट्रेन संख्या 19110 का हिंडौन में 7:10 पर होगा। ठहराव सुबह 7:08 मिनट पर होगा।

## एक्शन मोड में कलेक्टर, अस्पताल का किया निरीक्षण

**पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता।** जिला कलेक्टर जोधपुर हिमांशु गुप्ता ने आज सीएमएचओ के साथ पीपाड़ शहर राजकीय जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने अस्पताल के कोविड-19 वार्ड, आईसीयू, चिरंजीवी काउंटर, लेबर रूम, मोर्चरी तथा वैक्सीनेशन सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित अधिकारियों से नये भवन निर्माण हेतू विस्तृत जानकारी ली। साथ ही चिकित्सालय में उपचार, दवा, ऑक्सीजन और व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान चिकित्सा अधिकारियों को उपचार में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड जिला मजिस्ट्रेट, तहसीलदार, चिकित्सक अधिकारी, नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी, थानाधिकारी, सहित कई विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

## बाघिन टी-99 ने दिया तीन श्रावकों को जन्म

**भरतपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान में सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघिन टी-99 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। बाघिन अपने तीन शावकों के साथ कैमरा ट्रैप में केप्चर हुई है। बाघिन रणथंभौर के जोन नम्बर दस के हलौंदा वन क्षेत्र में तीन शावकों के साथ फोटो ट्रैप कैमरे में कैद हुई है। इससे वन्यजीव प्रेमी खुश हैं। वन विभाग की टीम बाघिन एवं उसके शावकों की मॉनिटरिंग में लगी है।

## पावापुरी तीर्थ धाम मे फहराई गई 22 वीं ध्वजा

**सिरोही @ जागरूक जनता।** राजस्थान में सिरोही जिले के श्री पावापुरी तीर्थ जीव मैत्रीधाम की 22 वां ध्वजारोहण मंगलवार को आचार्य भगवंत रविरत्न सूरी एवं प्रन्यास प्रवर वैराग्यरत्न विजयजी की पावन निश्रा मे धुमधाम से हुआ। ध्वजा का वरघोडा गाजते बाजते मुख्य द्वार पर पहुंचा ओर वहॉ पर आर्चाय भगवंत का सामैया श्रीमती हीना बेन ने किया। इस अवसर पर तीर्थ संस्थापक के पी संघवी परिवार के प्रमुख किशोर एच संघवी सहित सभी परिजन, अतिथि, ट्रस्टीगण एवं धर्मप्रेमी उपस्थित थे। आचार्यश्री ने ध्वजारोहण विधि करवा कर ध्वजा पर वाक्षेप प्रदान की उसके बाद सभी ने तीन प्रदक्षिणा लगाकर मंदिर व डेरीयो पर पहुंच कर कलश दण्ड की पूजा अर्चना कर नई ध्वजा फहराई।

## उदयपुर में दिखा दुर्लभ प्रजाति का पीला पलाश

**उदयपुर @ जागरूक जनता।** जैव विविधता से समृद्ध राजस्थान में उदयपुर जिले के कोटड़ा के वन क्षेत्र में दुर्लभ प्रजाति का पीला पलाश देखा गया है। पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार दुर्लभ प्रजाति के इस पीले पलाश का वानस्पतिक नाम ब्यूटिया मोनोस्पर्मा ल्यूटिया है और पलाश के कई हजार पेड़ों के बीच एक पेड़ इसका पाया जाता है। पीले पलाश के फूलों का औषधीय महत्त्व है वहीं इन फूलों से प्राकृतिक रंग भी बनाए जाते हैं।

# क्षेत्र की जनता पहले से सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित, उड़ती धूल बन रहीं प्राणघातक

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**सिरोही @ तुषार पुरोहित।** एक तरह सूबे के मुखिया अशोक गहलोत आमजन के बेहतर स्वास्थ्य को बनाएं रखने के लिये कई नवाचार कर रहें हैं। साथ ही प्रदेश के लोगो को बीमारियों से बचाने व इलाज के लिए कई नवीन योजनाओं को भी चलाया जा रहा है। जिससे जनता का बेहतर स्वास्थ्य बना रहे तथा पीड़ित व्यक्तियों का इलाज भी हो। परंतु सिरोही जिला प्रशासन सूबे के मुखिया अशोक गहलोत द्वारा किये जा रहें जनहितैषी कार्यो व योजनाओं को भी पलीता लगाने पर तुला है। जिला प्रशासन की यह गम्भीर लापरवाही क्षेत्र के लिए दिनों दिन प्राण घातक रूप में तब्दील हो रहीं हैं। जिसके परिणाम आगामी समय मे घातक रूप में देखने को मिल सकते हैं। यह हमें इसलिए कहना पड़ रहा है कि ग्राम पंचायत उन्दरा में मैसर्स गिरधर नेचुरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम पंचायत उन्दरा में जो केरलापादर सड़क पर फ्लेसफॉर सिलिकेट का प्लांट लगाया गया है। प्लांट से हो रहें प्रदूषण को रोकने के लिए ग्रामपंचायत द्वारा दिनांक 12.10.2021 को जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर उक्त प्लांट से हो रहें प्रदूषण को रोकने सहित विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया गया था। परंतु जिला प्रशासन द्वारा इस पर आज दिन तक कोई उचित प्रसंज्ञान नहीं लिया गया। जो कई गम्भीर सवाल खड़े करता है।

#### जिम्मदारों से जवाब मांगते सवाल..?

उन्दरा ग्रामपंचायत ने पूर्व में भी जिला कलेक्टर को लिखित पत्र लिखकर प्रदूषण रोकने की लगाई थी गुहार, उसके बाद भी जिला प्रशासन व स्थानीय प्रशासन के साथ क्षेत्र के नेताओ ने जनहितार्थ कोई सख्त कदम क्यो नहीं उठाएं इसके पीछे कोई खास वजह..? उक्त सड़क पर जमकर चलने वाले ओवर लोडिंग डम्पर पर जिम्मेदारों द्वारा काईवाई न करने के पीछे क्या रहस्य....? जबकि क्षेत्र की जनता पहले से सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित ऐसे में उड़ रहीं धूल पीड़ित व्यक्तियों के साथ अन्य के लिए भी दिनों दिन प्राणघातक रूप धारण कर रहीं हैं फिर भी प्रशासन नींद में क्यो..? क्या प्लांट के जिम्मेदार लोगों से स्थानीय व जिला प्रशासन के साथ क्षेत्र के नेताओ की कोई बड़ी साठगांठ या मिलीभगत है..? जिसके चलते जिम्मेदार जनहितार्थ को भी दरकिनार करके प्लांट पर मेहरबान है..?

#### खुली जगह में डम्पर होते हैं लोडिंग अनलोडिंग

ग्रामपंचायत द्वारा लिखित पत्र में लोडिंग अनलोडिंग से उड़ने वाले डस्ट से पूर्व में जिला प्रशासन को अगवत करवाया गया था। जिसमे प्लांट से निकलने वाले धूल के कणों एवं डंपर के लोडिंग अनलोडिंग खुली जगह में करने से वायु प्रदूषण एवं प्लांट की मशीनरी से ध्वनि प्रदूषण होने से आसपास में रहने वाले लोगों परेशान हैं एवं खातेदारी भूमि पर धूल की परत से दिनों दिन भूमि बंजर होने के कारण ग्राम ग्रामपंचायत क्षेत्र के पशु पालकों के सामने चारा पानी की भयंकर समस्या हो रही है।

#### जमकर चलते हैं ओवर लोडिंग डम्पर जिम्मेदारों की उदासीनता के पीछे क्या रहस्य....?

ओवर लोडिंग डम्परों के चलने की बात यह हम नहीं कह रहें बकायदा ग्रामपंचायत द्वारा जिला कलेक्टर को लिखित पत्र में जिक्र करते हुए बताया गया है कि प्लांट के ओवरलोड डंपरो व ट्रेलरों के आवागमन का रास्ता झाडोली बस स्टैंड से सिवेरा सम्पर्क सड़क व सिवेरा सड़क से केरला पादर सड़क जो सार्वजनिक निर्माण विभाग से निर्मित है। दिन प्रति दिन टूटकर जर्जर हो गया है। जबकि उपरोक्त रास्ता सड़क मार्ग आम जनता के आवागमन के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग से निर्मित है। जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

#### क्षेत्र की जनता पहले से सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित ऐसे में उड़ रहीं धूल बन रहीं प्राणघातक

ग्रामपंचायत द्वारा जिला प्रशासन को पूर्व में पत्र लिखकर अवगत करवाते हुए बताया गया कि उन्दरा ग्रामपंचायत क्षेत्र की अधिकांश जनता सिलिकोसिस जैसी भयंकर बीमारी से पूर्व से ही ग्रसित है। ऐसे में इस बात की आशंका जाहिर करते हुए जिक्र किया कि इस फेल्सफॉर पत्थर से पूर्णतया सिलिकोसिस बीमारी होने का खतरा हरदम बना हुआ है। लोग दिनों दिन इसके चपेट में आ रहें हैं। उसके बाद भी जिला प्रशासन प्लांट पर मेहरबान क्यों है.?

#### राजस्थान राज्य से बाहर नही कर सकते फेल्सफॉर परिवहन..!

**उन्दरा** ग्रामपंचायत द्वारा पूर्व में लिखित पत्र में यह भी बताया कि राजस्थान राज्य से बाहर फेल्सफॉर परिवहन करना पूर्णतया बन्द होने के उपरांत भी इस प्लांट द्वारा चोरी-छिपे ओवरलोड डम्परों के माध्यम से राज्य से बाहर परिवहन किया जा रहा है। जो पूर्णता कानूनी रूप से अवैध है। इस हिदायत के बाद भी जिला प्रशासन ने कोई समुचित काईवाई अमल में नहीं लाई जिससे क्षेत्र वासियो में भारी आक्रोश पनप रहा है।

**ANCHOR** **उदासीनता**

# 4 महीने से ठंडे बस्ते में सफारी प्रोजेक्ट

**ट्रैवर्स टैंक से मिनी नक्की लेक तक 3.5 KM की दूरी, क्रोकोडाइल पॉइंट भी बनेगा**

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**माउंट आबू।** हिल स्टेशन माउंट आबू में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शहर में नवंबर महीने में एक नया सफारी टूरिस्ट पॉइंट जुड़ने वाला था, लेकिन अभी तक सफारी के प्रोजेक्ट को पंख नहीं लग पाए हैं। राज्य सरकार ने माउंट आबू में जीप सफारी शुरू करने के लिए 25 जून 2021 को मंजूरी दी थी और नवंबर 2021 महीने के आसपास यह जीप सफारी शुरू होनी थी।

इस कार्य को अंतिम रूप देने और शुरू करने से पहले पूर्व तत्कालीन वन मंत्री सुखराम विश्नोई, विधायक संयम लोढ़ा, पूर्व मुख्य सचेतक रतन देवासी सहित डीएसओ विजय शंकर पांडेय सहित पालिका अध्यक्ष जीतू राणा और कई अधिकारियों ने सफारी की जगहों का मौका निरीक्षण कर जानकारी ली थी। 23 नवंबर को वन एवं पर्यावरण विभाग की प्रमुख सचिव श्रेया गुहा माउंट आबू पहुंची थी और सफारी को लेकर ट्रेवर्स टैंक सहित टाइगर पथ का निरीक्षण किया था।

#### माउंट आबू में होगी प्रदेश की चौथी सफारी

माउंट आबू में 20 साल बाद अगर एक नया टूरिस्ट पॉइंट टेबल ऑफ होता है और यह सफारी शुरू होती है तो माउंट आबू चौथा ऐसा वन क्षेत्र होगा, जहां सरकार की ओर से सैलानियों को सफारी करवाई जाएगी। इससे पहले रणथंभौर, सरिस्का और कुंभलगढ़ में सफारी करवाई जा रही है।

#### ट्रेवर्स टैंक का यह था प्रोजेक्ट

माउंट आबू शहर में 3.5 किलोमीटर की सफारी का स्टार्ट पॉइंट ट्रेवर्स टैंक से था और मिनी नक्की लेक पर सफारी खत्म होती। सफारी में ₹ ोकोडाइल पॉइंट, रंग-बिरंगे पक्षी, पौधे, लेपर्ड और भालू के अलग से पॉइंट विकसित किए जाने हैं, जिससे सैलानियों को लेपर्ड और भालू की मूवमेंट देखने को मिल सके। जीप सफारी के दौरान सैलानियों के लिए फोटोग्राफी और शूटिंग के लिए एक नया पॉइंट बनाया जाना था। इसके अलावा सफारी के रूट में वैली पॉइंट भी डेवलप किया जाना है, जहां सैलानी फोटोशूट कर सकें। साथ ही मिनी नक्की लेक जोन के तहत ₹ ोकोडाइल पॉइंट के चारों तरफ वॉकवे पाथ, रंग-बिरंगी पौधे लगाए जाने हैं, साथ ही एनीकट को रिपेयर कर वहां मनोरंजन पॉइंट बनाया जाएगा, जिसमें राजस्थानी संस्कृति कला के म्यूजिक एवं लोक सांस्कृतिक नृत्य का सैलानी लुफ्त उठा पाएंगे। इसके साथ ही साल गांव में कैंप साइट पर कैंपिंग का प्रोजेक्ट भी शुरू करना था, जो करीब 4 महीने से अटका है। कैंप साइट पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन के समय ही कैंप करने और घूमने की स्वीकृति वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम के तहत दी गई है। सालगांव कैंप साइट पर एक बार में 14 जगहों पर टेंट लगाए जाएंगे। जहां पर प्राकृतिक सौंदर्य, सूर्योदय व सूर्यास्त का सैलानी आनंद उठा पाएंगे। इसके अलावा आसपास भ्रमण करने, फोटोग्राफी व शूटिंग का पॉइंट भी बनेगा। इन सभी के लिए टिकट और डे कैंपिंग बुकिंग का कार्य ऑनलाइन होना था।

**सफारी** के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। चूंकि सफारी शुरू करने के लिए झरूरी कैफेटेरिया, पार्किंग एवं जन सुविधाएं विकसित की जानी है। इसलिए जरूरी वन्यजीव स्वीकृत के लिए प्रस्ताव ऑनलाइन किया जाकर स्वीकृति के लिए राज्य स्तर पर लंबित है।

**-विजय शंकर पांडेय,** डीएफओ, माउंट आबू

**सफारी** शुरू करने का निर्णय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लिया था। पिछली भाजपा सरकार ने इसको लेकर कोई काम नहीं किया। कुछ महीने पहले काफी प्रयास के बाद राज्य सरकार ने ट्रेवर्स टैंक से मिनी नक्की तक सफारी की स्वीकृति दी। नगरपालिका द्वारा कुछ राशि भी हस्तांतरित की गई है। ट्रैक पर सेफ्टी कार्य पूरा होते ही सफारी शुरू हो जाएगी।

**-रतन देवासी,** पूर्व सदस्य, राज्य वन्य जीव मण्डल व आबू विकास समिति

## जागरूक खबरें

### पुलवामा हमला - युवाओं ने मां भारती के अमर वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

**पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता।** पुलवामा हमले की तीसरी बरसी पर पीपाड़ शहर अस्पताल चौक में शहीदों को श्रद्धांजलि दी और शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनो के युवा शामिल हुए। इसके अलावा कई स्कूलो व अन्य जगहों पर भी जवानों की शहादत को नमन किया गया। कवि मनीष बागवान ने कहा की राष्ट्र की सेवा करते हुए पुलवामा हमले में अपने जीवन को बलिदान कर देने वाले भारत के वीरों को प्रणाम करता हूं। आप जैसे वीर सपूतों पर देश का कण-कण युगों-युगों तक ऋणी रहेगा। इस अवसर पर पीपाड़ भाजपा देहात मंडल अध्यक्ष दूदाराम पूनिया, पीपाड़ शहर भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष चेतन प्रकाश मारोठिया, पार्षद पीयूष शर्मा, उपाध्यक्ष पूनमचंद सोनी, अरविंद सोनेल, संजय परिहार, मनीष सोनी, कुलदीप सिंह राजपुरोहित राकेश गोदारा, ओम मुंडेल, युवा कवि मनीष बागवान, असलम छिपा, अकरम, विनोद सेन, मदन मोहन राठी, आदि उपस्थित रहे।

### आईडीबीआई बैंक ने भेंट की नारायण सेवा संस्थान को ऐनेस्थीसिया मशीन

**उदयपुर @ जागरूक जनता।** आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज लिमिटेड की ओर से मंगलवार को अपने सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत नारायण सेवा संस्थान को पोलियो एवं जन्मजात दिव्यांगता की सुधारात्मक सर्जरी के दौरान काम में आने वाली अत्याधुनिक ऐनेस्थीसिया मशीन भेंट की गई। इसका वर्चुअल उदघाटन आईडीबीआई बैंक मुम्बई की प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद्मा बेताई, राहुल एवं सुब्रत तथा संस्थान निदेशक पलक अग्रवाल व टीम के डॉ. मानस रंजन साहु, विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़, संतोष सेनापति एवं अभिषेक कुतल की उपस्थिति में संयुक्त रूप से किया गया। यह ऐनेस्थीसिया मशीन गुणवत्ता एवं गणना की दृष्टि से तो सार्थक परिणाममूलक है ही, साथ ही इसमें लाईफ सेविंग सिस्टम भी जुड़ा हुआ है। जिससे ऑपरेशन के दौरान रोगी को किसी तरह के खतरे की आशंका नहीं रहती। कार्यक्रम के दौरान निदेशक पलक अग्रवाल ने संस्थान की स्थापना से अब तक की सेवा यात्रा की जानकारी दी। क्वालिटी मशीन सहयोग के लिए आईडीबीआई बैंक प्रबन्धन का आभार संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने व्यक्त किया।

### भाजपा अनुसूचित मोर्चा मण्डल विस्तार के साथ पीपाड़ एस सी मोर्चा मण्डल कार्यकारिणी गठित

**पीपाड़ शहर @ जागरूक जनता।** विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भाजपा ने युवा एस सी मोर्चा के विभिन्न पदो पर पीपाड़ शहर एस सी मोर्चा कार्यकारिणी की टीम गठित कर दी है भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया, एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष जगराम विशनोई, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जोधपुर जिला देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष रामलाल मेघवाल व मंडल अध्यक्ष रामकिशोर भूतड़ा के निर्देशानुसार भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष अरविन्द सोनेल नें अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए 21 पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष खीवराज जीनगर, गुरुबक्स खटीक, महामंत्री महिपाल चौरडिया, रामेश्वरलाल सोनेल, मंत्री ओमप्रकाश चौकीदार, सोहनलाल सोनेल, सुरेश ढोली, सुरेश जीनगर, कोषाध्यक्ष चंपालाल खटीक, सह कोषाध्यक्ष रामप्रसाद चौपड़ा, प्रवक्ता कालूराम चौहान, सह प्रवक्ता विक्रम जीनगर, मीडिया प्रभारी राहुल सरगरा, सह मीडिया प्रभारी हेमेंद्र जीनगर, कार्यालय प्रभारी श्याम ढोली, सह कार्यालय प्रभारी शांतिलाल हँस, सदस्य राजू सोनेल, रमेश चौरडिया, मुरली जीनगर, दिनेश चौरडिया, प्रवीण सरगरा आदि को मनोनीत किया गया । अरविंद सोनेल ने बताया की इनकी पार्टी के प्रति सेवा, निष्ठा को देखते हुए विभिन्न पदो पर नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी विस्तार के दौरान सभी पार्टी और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे का मुंह मीठा करवा कर बधाई दी ।

### जोधपुर में लोक कला का महाकुम्भ 18 से

**जोधपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान संगीत नाटक अकादमी का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तरीय लोकानुरंजन मेला इस वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत व जय नारायण व्यास की जन्म तिथि के उपलक्ष में 18 से 20 फरवरी से जय नारायण व्यास स्मृति भवन ( टाउन हॉल ) जोधपुर में आयोजित किया जाएगा। अकादमी सचिव अनिल कुमार जैन ने बताया कि लोक कला के महाकुम्भ में देश के 15 राज्यों के लगभग 800 कलाकार अपनी लोकरंजक परम्परागत लोक कलाओं का मनोहारी प्रदर्शन करेंगे । यह आयोजन पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र , उदयपुर , उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र , इलाहाबाद व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र , पटियाला के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

### शहर की सिंगिंग सेंसेशन हिमानी बैरवा ने किया सिंगर बी प्राक के साथ परफॉर्म।

**जयपुर @ जागरूक जनता।** गुलाबी नगरी जयपुर की रहने वालीं सिंगर हिमानी बैरवा ने हाल ही में जबलपुर के कटनी में बॉलीवुड इंडस्ट्री के टॉप सिंगर बी प्राक के साथ में परफॉरमेंस दी है। सिंगर हिमानी ने बताया कि मैंने बी प्राक के साथ उनके सुपरडुपर हिट ट्रैक 'फिलहाल' पर परफॉर्म किया। जिसको सभी लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया। गौरतलब है कि हिमानी इस शहर की म्यूजिक इंडस्ट्री में से एक राइजिंग सेलिब्रिटी है, जो शुरुआत से ही अपने मुकाम को पाने के लिए काफी मेहनत करती आई हैं। उनके द्वारा गाया गया ऑरिजिनल सॉन्ग लड़की स्टार है को वन मिलियन से ज्यादा लोगों द्वारा देखा जा चुका है। इस गाने में हिमानी के साथ टीवी एक्टर पारस कलनावत ने अभिनय किया है। हिमानी अब तक 50 से ज्यादा कवर सॉन्ग्स अपनी आवाज दे चुकीं है। हिमानी कई सारे पॉपुलर बॉलीवुड म्यूजिक वीडियोज को अपनी आवाज देकर कवर सॉन्ग के रूप रिलीज कर चुकी हैं। जिनमें फिलहाल, लैम्बोर्गिनी, पछताओगे, दिल तोड़ के, जरूरी था, इन्ना सोना, तारों के शहर, मिले हो तुम हमको, माना के हम यार नहीं जैसे सॉन्ग्स शामिल हैं।

### एनविजनिंग इंडिया'ज फ्यूचर विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस 17 फरवरी से

**जयपुर @ जागरूक जनता।** राजस्थान की राजधानी जयपुर में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में..एनविजनिंग इंडिया'ज फ्यूचर ग्रोथ, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, हैप्पीनेस एंड वेलबीइंग.. विषय पर तीन दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस 17 फरवरी से आयोजित होगी। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. प्रभात पंकज ने यहां पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 17 से 19 फरवरी तक के इस कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रबुद्ध हस्तियां हिस्सा लेंगी। उदघाटन सत्र की मुख्य अतिथि ओएनजीसी, नई दिल्ली की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अलका मित्तल होंगी। कार्यक्रम में जयपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन शरद जयपुरिया स्वागत भाषण देंगे। विशिष्ट अतिथि ई-क्यूब इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्रा.लि. के अध्यक्ष मुकुंद राजन होंगे। एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट (इंडिया) प्रा.लि. के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर तुषार प्रधान की-नोट स्पीकर के रूप में अपने विचार साझा करेंगे।

---

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का तृतीय दीक्षान्त समारोह : 163 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

# उत्पादन बढ़ाने के लिए वैकल्पिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने की जरूरत-मिश्र

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जोधपुर।** कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह सरदारपुरा विधानसभा इलाके में स्थित विश्विद्यालय में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल कुलाधिपति विश्विद्यालय कलराज मिश्र, कार्यक्रम मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे। विशेष अतिथि कृषि मंत्री लालचंद कटारिया समारोह में वर्चुअल रूप से जुड़े।

इस मौके पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए कृषि उत्पादन की मांग को पूरा करने के लिए नए विकल्पों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मिश्र कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर का तृतीय दीक्षान्त समारोह को राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि ही किसी राष्ट्र की संपन्नता और खुशहाली का भी पैमाना है, इसलिए कृषि क्षेत्र के विकास पर सभी स्तरों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में खेती के विकास से संबंधित अनुसंधान और प्रयोगों का लाभ राजस्थान के किसानों को दिलवाने के लिए कृषि विश्वविद्यालयों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर-जोधपुर के सभागार में आयोजित समारोह में प्रो बी आर चौधरी, कुलपति सहित शिक्षक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर कुल 163 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई इनमें 2 विद्यार्थियों को विद्या वाचस्पति, 23 विद्यार्थियों को निष्णात और 136 विद्यार्थियों को कृषि स्नातक के साथ ही 2 विद्यार्थियों को खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की निष्णात उपाधि दी गई। समारोह में कृषि संकाय के 7 स्वर्ण पदक दिए गए।

कृषि विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह सम्बोधित करते हुए राज्यपाल और कुलाधिपति, कृषि विश्वविद्यालय कलराज मिश्र ने गोल्ड मेडल प्राप्त छात्रों को बधाई देते हुए उन्होंने जोधपुर कृषि विवि के वैज्ञानिक से कहा कि वे जो भी अनुसंधान करे वे उस क्षेत्र की समस्याओं को देखते हुए करे उन्होंने पश्चिमी राजस्थान की बात करते हुए कहा कि यहां ज्यादा तर सूखा पड़ता है वैज्ञानिक इस तरह की समस्याओं पर अपना अनुसंधान करे जिससे किसानों को लाभ मिल सके। दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रों को बधाई दी। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में 5 कृषि विवि हो चुके है। उन्होंने कहा कि किसी मुल्क में किसान मजबूत है तो देश मजबूत है। इसलिए सरकार ने प्रदेश में कृषि विवि खोले है और वैज्ञानिकों से गहलोत ने कहा कि जोधपुर वासियों ने कृषि विवि का जो सपना देखा था उसी के अनुसार काम होना चाहिए और अनुसंधान होने चाहिए जितने ज्यादा किसान पढ़े-लिखे होंगे उतना ही प्रदेश का भी विकास होगा।

---

# सरकारी योजनाओं से पात्र लोगों को लाभांवित करें-वासु

### जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जालोर।** अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय वासु ने कहा कि अधिकारी सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के साथ ही सरकारी योजनाओं से पात्र लोगों को लाभांवित करें।

अतिरिक्त जिला कलक्टर वासु ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को लाभांवित किया जाना सुनिश्चित करें जिससे उन्हें राहत मिल सकें। उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति व प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

उन्होंने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को अवैध कनेक्शनों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही पर नियमित रूप से मासिक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए जल जीवन मिशन तथा नर्मदा प्रोजेक्ट के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने खाद्यान वितरण, फसली ऋण वितरण, इन्दिरा रसोई योजना, गोशाला का सर्वे, घर-घर औषधि येजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के संबंध में प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए योजना एवं लक्ष्यानुरूप कार्यो की क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को छात्रवृति प्रदान करने में विशेष प्रयास करने की बात कही। इस अवसर पर जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ताराचंद कुलदीप, नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिशाषी अभियंता आशीष द्विवेदी, कृषि विभाग के उप निदेशक डॉ.आर.बी.सिंह, आरसीएचओ डॉ. रमाशंकर भारती, पीएमओ डॉ. एस.पी.शर्मा व जिला रोजगार अधिकारी आनन्द कुमार सुथार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

---

विश्व हिंदू परिषद विभाग बैठक संपन्न कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

# कार्यकर्ता नए राष्ट्र निर्माण में तन, मन, धन से महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है-पुरुषोत्तम

### राव जिला गोरक्षा प्रमुख व सोलंकी बने प्रखंड मंत्री

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**भीनमाल।** विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कि जालौर विभाग बैठक स्थानीय महेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में प्रांत गौ सेवा प्रमुख पुरुषोत्तम गोयल व विभाग मंत्री सागरमल सोनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अचार पद्धति करवाते हुए विजय महामंत्र के साथ दीप प्रज्वलित कर बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में जालौर, सिरोही व भीनमाल जिले के जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में धर्म रक्षा निधि से संबंधित चर्चा की गई वह आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति तय की गई। प्रांत गौ सेवा प्रमुख पुरुषोत्तम गोयल ने कहां की विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता नए राष्ट्र के निर्माण में तन मन धन से महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गाय बचेगी तो यह देश बचेगा यह समाज बचेगा गाय के बिना इस सृष्टि पर कोई नहीं बचेगा इसीलिए गाय को बचाना हर हिंदू का प्रथम कर्तव्य है कि वह गौ माता की सेवा करें रक्षा करें उन्होंने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से हिंदू समाज की संस्कृति को बनाए रखने के लिए बजरंग युवाओं को आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि सनातन धर्म से चली आ रही हमारी संस्कृति परंपरा को बनाए रखने के लिए हमेशा तत्पर रहें उन्होंने बताया कि धर्म व संस्कृति के खिलाफ छेड़छाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा उन्हें हिंदू समाज कड़ा सबक सिखाएगा। विभाग मंत्री सागरमल सोनी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा धर्म रक्षा निधि अभियान चलाया जाता है जिसमें हर हिंदू के घर से निधि संग्रहण कर हिंदू समाज के सेवा कार्य में लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा कई गौशालाएं, गुरुकुल, एंबुलेंस सहित कई सेवा कार्य संचालित किये जाते है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सेवा सुरक्षा संस्कार के तहत हिंदू धर्म के लिए हमेशा आगे खड़ा रहता है उन्होंने बताया कि हिंदू समाज एक है सभी जाति एक है हिंदू समाज में कोई भेदभाव नहीं है। रामनवमी के दौरान सभी क्षेत्रों में विहिप द्वारा शोभा यात्रा आयोजित की जाएगी ।इस दौरान प्रांत मिलन प्रमुख शिव लाल सुथार, भीनमाल जिला अध्यक्ष वचन सिंह, जिला मंत्री सतीश सिंह बोरली, जालौर जिला मंत्री दिनेश जीनगर, जालौर जिला अध्यक्ष शिव नारायण, भीनमाल जिला सह मंत्री नंद किशोर जोशी, नानसिंह कांटोल, बजरंग दल सह संयोजक देवी सिंह, सिरोही जिला उपाध्यक्ष नरपत सिंह सोलंकी, जिला सह मंत्री लक्ष्मण रावल, धर्मेंद्र सोनी जिला सहसंयोजक सिरोही, जितेंद्र सोनी बालोपासना केंद्र प्रमुख भीनमाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

#### राव जिला गोरक्षा प्रमुख व सोलंकी बने प्रखंड मंत्री

**विश्व** हिंदू परिषद बजरंग दल कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए बजरंग दल जिला गोरक्षा प्रमुख जगदीश सिंह राव, जिला बालोपासना प्रमुख मुकेश गोयल, विहिप जिला गो सेवा प्रमुख मालम सिंह, भीनमाल प्रखंड मंत्री पद पर उत्तम चंद सोलंकी, प्रखंड संयोजक प्रदीप नागर, नगर संयोजक चंदन सिंह आसाणा, सह संयोजक भरत सेन, सहसंयोजक अंकित वैष्णव को दायित्व देते हुए कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

---

### मातृ पितृ पुजन दिवस अच्छी पहल

**जालोर @ जागरूक जनता।** बागोड़ा उपखंड क्षेत्र के जेतु गांव में मातृ पितृ पुजन दिवस आयोजन किया गया। पूज्य संत श्री आसारामजी बापू की पावन प्रेरणा से श्री योग वेदांत सेवा समिति भीनमाल द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जेतु में मातृ पितृ पूजन दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चो ने अपने माता पिता व गुरुजनो का पूजन किया गया। इस मौके पर विधालय स्टाफ वह ग्रामीण मोजुद रहे।

---

तीन ग्रहों का परिवर्तन कई मायनों में होगा खास

# गुरु अस्त होंगे तो मंगल-शुक्र के राशि परिवर्तन से सोने में आएगा उतार-चढ़ाव, व्यापार में होगा लाभ

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** फरवरी में आखरी सप्ताह के चार दिनों में तीन ग्रहों का परिवर्तन कई मायनों में खास होगा। गुरु अस्त होंगे तो मंगल-शुक्र का राशि परिवर्तन कई उतार-चढ़ाव लाएगा। कुछ दिनों के लिए चतुर्ग्रही योग भी बनेगा। पंडितों की मानें तो मंगल और शुक्र के राशि परिवर्तन का असर से सोने में उतार-चढ़ाव आएगा। कृषि और व्यापार में लाभ होगा। ज्योतिषशास्त्री अक्षय शास्त्री ने बताया कि देवगुरु बृहस्पति 24 फरवरी को दिन में 1 बजकर 13 मिनट पर कुंभ राशि में अस्त होंगे। इसके बाद 24 मार्च को इसी राशि में वे अपनी सामान्य अवस्था में वापस आएंगे। वहीं, 14 मार्च से खरमास शुरू हो जाएगा। इस बीच,

गुरु के अस्त होने, सूर्य के मार्च में मीन राशि में होने और खरमास के चलते इस महीने 20 तारीख तक ही विवाह होंगे। बृहस्पति के अस्त रहते 26 फरवरी को दोपहर 3:49 पर मंगल धनु से मकर राशि में और अगले दिन शुक्र भी धनु से सुबह 10:17 पर मकर में प्रवेश करेंगे। बृहस्पति के अस्त और मंगल-शुक्र के राशि परिवर्तन का असर कृषि-व्यापार क्षेत्र में सकारात्मक दिखेगा। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहेगा। सर्दी कम होगी।

#### ग्रहों की चाल और राशि परिवर्तन

**24** फरवरी को बृहस्पति दोपहर 01:15 पर कुंभ में अस्त होंगे।
**26** फरवरी को दोपहर 3:49 बजे मंगल का मकर में प्रवेश।
**27** फरवरी सुबह 10:17 पर शुक्र का धनु से मकर में प्रवेश।

#### राशियों पर असर

**मेष -** नौकरी में परिश्रम अधिक।
**वृषभ -** आय बढ़ेगी।
**मिथुन -** रूके काम पूरे होंगे।
**कर्क -** यात्रा सावधानी से करें।
**सिंह -** मान-सम्मान बढ़ेगा।
**कन्या -** दाम्पत्य सुख में होगी वृद्धि।
**तुला -** मिले-जुले परिणाम रहेंगे।
**वृश्चिक -** वाहन संभलकर चलाएं।
**धनु -** खर्च बढ़ेंगे।
**मकर -** विवादों से बचें।
**कुंभ -** सेहत पर ध्यान देना होगा।
**मीन -** परिवार में विवाद न करें।

---

इस बार शिक्षा विभाग ने हटा दी एज लिमिट : 16 साल से अधिक उम्र के स्टूडेंट्स नहीं दे पाते बोर्ड परीक्षा

# आठवीं बोर्ड में उम्र की सीमा नहीं

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**बीकानेर।** आठवीं बोर्ड एग्जाम में इस बार उम्र का कोई बंधन नहीं होगा। दरअसल, शिक्षा विभाग ने सोलह साल की उम्र तक के स्टूडेंट्स के एग्जाम देने की बाध्यता इस साल के लिए समाप्त कर दी है, जबकि अगले साल ये बाध्यता फिर बनी रहेगी। इस संबंध में शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय ने आदेश जारी कर दिया है। पिछले दो साल से कोरोना के कारण आठवीं बोर्ड के एग्जाम नहीं हो रहे थे, ऐसे में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स की उम्र भी निकल गई और वो एग्जाम भी नहीं सके। ऐसे में इस साल उम्र की सीमा हटा दी गई है। नियमित पढ़ाई नहीं करने वाले युवा पढ़ाई छोड़कर मजदूरी पर लग जाते हैं लेकिन उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस सहित अनेक कार्यों के लिए आठवीं पास होना अनिवार्य होता है। आठवीं बोर्ड में पिछले दो साल उन्हीं स्टूडेंट्स को बिना एग्जाम सर्टिफिकेट मिला था, जो नियमित थे। ऐसे में प्राइवेट स्टूडेंट्स आठवीं बोर्ड नहीं दे सके। ऐसे में इन सभी को एक बार फिर मौका दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि अगली बार से ये नियम फिर से लागू हो जाएगा। सोलह साल से अधिक आयु के स्टूडेंट्स को इस एग्जाम में हिस्सा नहीं लेने दिया जाएगा।

#### पांचवीं बोर्ड के फार्म शुरू

**उधर,** पांचवीं बोर्ड एग्जाम के लिए फार्म भरने का सिलसिला शुरू हो गया है। पांच मार्च तक सरकारी स्कूल शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन फार्म भरेंगे जबकि प्राइवेट स्कूल पीएसपी पोर्टल पर फार्म भरेंगे। पांचवीं बोर्ड की डेट्स अभी तय नहीं हुई है।

---

बिल में मिलेगी 15 पैसे प्रति यूनिट की छूट!

# प्रीपेड स्मार्ट मीटर करेगा बिजली बिल कम

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान में विद्युत उपभोक्ताओं के घरों पर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर को प्रीपेड स्मार्ट मीटर में परिवर्तित किया जाएगा। इससे न केवल सभी उपभोक्ताओं को बिल में 15 पैसे प्रति यूनिट की छूट मिल सकेगी।बल्कि डिस्कॉम्स को भी मीटर रिचार्ज के रूप में पहले ही रोकड़ मिल पाएगी।

#### तीनों डिस्कॉम को दिए निर्देश

**ऊर्जा** विभाग ने इस संबंध में तीनों डिस्कॉम को निर्देश दिए हैं। अभी तक प्रदेश में पहले फेज में 7 लाख से ज्यादा मीटर लगाए जा रहे हैं। इनमें से अभी 3.32 लाख मीटर लगा दिए और केवल 1700 उपभोक्ताओं ने ही प्री-पेड सुविधा ली है।

#### कहां कितने लगाने हैं स्मार्ट मीटर

**पहले** फेज में अजमेर डिस्कॉम में 1.82 लाख, जोधपुर डिस्कॉम में 93 हजार और जयपुर डिस्कॉम में 4.29 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। जिस प्रकार आप अपने मोबाइल फोन मेरे रिचार्ज करते हैं। उसी प्रकार आपको प्रीपेड स्मार्ट मीटर में भी रिचार्ज कराना होगा।

---

सूरज की रोशनी से देश की 20 फीसदी बिजली बनाई

# राजस्थान देश का सबसे बड़ा सोलर हब

### ऊंची छलांग लगाकर कर्नाटक-गुजरात को पछाड़ा

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान पूरे भारत में सोलर एनर्जी प्रोडक्शन में नम्बर-1 बन गया है। ऊंची छलांग लगाते हुए पहले पायदान पर पहुंचकर राजस्थान ने कर्नाटक और गुजरात जैसे सोलर दिग्गज प्रदेशों को काफी दूर पछाड़ दिया है। केन्द्र सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी के 31 जनवरी, 2022 तक के जारी आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान ने 10 गीगावाट से ज़्यादा सोलर एनर्जी क्षमता विकसित कर कामयाबी हासिल की है। अब देश में सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली कुल बिजली में अकेले राजस्थान की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गई है। राजस्थान के एनर्जी डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन के चेयरमैन डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया दिसंबर, 2019 में राजस्थान सोलर , विंड एंड हाईब्रिड एनर्जी पॉलिसी जारी की गई। इन दोनों पॉलिसी के कारण प्रदेश में सोलर एनर्जी फील्ड का सिनेरियो ही बदल गया। 3 साल में ही साढ़े 6 गीगावाट यानी 6552 मेगावाट से ज़्यादा एडिशनल सोलर एनर्जी कैपेसिटी डवलप की जा चुकी है। उन्होंने बताया आज देश में कुल 49 गीगावाट क्षमता में से अकेले राजस्थान 10.5 गीगावाट सोलर एनर्जी डवलप कर रहा है।

#### प्रधानमंत्री का देश में 2030 तक 500 गीगावाट सोलर एनर्जी टारगेट

**बिजली** विभाग के मंत्री भंवर सिंह भाटी ने सोलर एनर्जी क्षेत्र में राजस्थान की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए विभाग और कॉर्पोरेशन के अधिकारियों, कर्मचारियों, निवेशकों और जनता को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2030 तक देश में 500 गीगावाट सोलर एनर्जी क्षमता विकसित करने के टारगेट को हासिल करने में राजस्थान की प्रमुख हिस्सेदारी होगी। पिछले दिनों प्रदेश में सोलर एनर्जी फील्ड में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ बड़े एमओयू-एलओआई साइन हुए हैं। जिनसे आने वाले दिनों में सूरज से बिजली प्रोडक्शन और बढ़ेगा।

#### पूरे देश में टॉप पर राजस्थान

**एसीएस** डॉ. अग्रवाल ने बताया मिनिस्ट्री ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी की रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में 49346 मेगावाट सोलर एनर्जी क्षमता विकसित हो गई है। इसमें राजस्थान 10506 मेगावाट सोलर बिजली पैदा कर पूरे देश में टॉप पर आ गया है। रिपोर्ट के अनुसार 7534 मेगावाट क्षमता के साथ कर्नाटक दूसरे और 6309 मेगावाट क्षमता के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर है। इस साल 2021-2022 में अब तक 3000 मेगावाट से ज़्यादा क्षमता विकसित की जा चुकी है। जबकि पिछले 3 सालों में प्रदेश में 6552 मेगावाट क्षमता विकसित हुई है। जिसकी करीब आधी इस साल में डवलप हुई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 2016 के बाद सौर ऊर्जा पर फोकस किया गया। डॉ अग्रवाल ने बताया कि रुफटॉप सोलर एनर्जी प्रोडक्शन में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। 10506 मेगावाट सोलर एनर्जी कैपेसिटी में 9542 मेगावाट क्षमता ग्राउण्ड माउंटेड, 668 मेगावाट रुफटॉप और 296 मेगावाट सौर ऊर्जा ऑफग्रिड क्षेत्र में विकसित की गई है।

---

17 को सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद होकर चलेगी ट्रेन

# जयपुर-जोधपुर से मुंबई के लिए अब दो स्पेशल ट्रेन

**जागरूक जनता**
jagrukjanta.net

**जयपुर।** राजस्थान से गुजरात होते हुए मुम्बई तक यात्रा करने वालों के लिए ये खबर जरूरी है। नॉर्थ वेर्स्टन रेलवे ने जोधपुर और जयपुर से मुंबई के लिए दो स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय किया है। ये ट्रेन केवल एक-एक फेरे ही लगाएगी। जो गुजरात के सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद समेत कई शहरों से होकर गुजरेगी। ये ट्रेन 17 फरवरी को मुंबई से चलेगी। नॉर्थ वेर्स्टन रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक जयपुर से 17 फरवरी को गाड़ी संख्या 09040 रात 9.21 बजे चलेगी। जो अगले दिन दोपहर 3.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। ये ट्रेन जयपुर से रवाना होकर फुलेरा, किशनगढ़, अजमेर, ब्यावर, मारवाड़ जं., फालना आबूरोड, पालनपुर, मेहसाना, अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, वापी होते हुए मुंबई सेंट्रल जाएगी। इसी तरह जोधपुर से 17 फरवरी को गाड़ी संख्या शाम 4.15 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 11.20 बजे मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। ये ट्रेन जोधपुर के भगत की कोठी से चलेगी, जो लूनी, समदड़ी, मोकलसार, जालौर, मोदरान, मारवाड़ भीनमाल, रानीवाड़ा, भीलड़ी, पाटन, मेहसाना, अहमदाबाद, आनन्द, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी होते हुए मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी।